हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com जबलपुर, शुक्रवार 30 मई 2025

सुप्रीम कोर्ट को मिले तीन नए जज

कॉलेजियम की सिफारिश को केंद्र सरकार ने किया मंजूर

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट को तीन नए जज मिले हैं। केंद्रीय कानून मंत्री अर्जुन राम मेघवाल ने बताया कि सुप्रीम कोर्ट कॉलेजियम की सिफारिश पर सरकार ने न्यायमूर्ति एनवी अंजारिया, विजय बिश्नोई और एएस चंदुरकर को सुप्रीम कोर्ट का न्यायाधीश नियुक्त है।

पन्ना को मंदिरों व हीरों की नगरी कहा जाता है, यहां विराजे हैं भगवान जुगल किशोर

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना में किया जुगल किशोर लोक का भूमिपूजन, बढ़ाएंगे 'बजट'

पन्ना। मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने गुरुवार को पन्ना में जुगल किशोर लोक के लिए भूमिपूजन करने के बाद कहा कि जुगल किशोर लोक के लिए बजट और बढ़ाया जाएगा, ताकि यहां आने वाले श्रद्धालुओं को ज्यादा सुविधाएं मिल सकें। उन्होंने कहा कि पन्ना को मंदिरों व हीरों की नगरी कहा जाता है। यहां विराजे भगवान जुगल किशोर की कृपा से हमारी सरकार जनहित के कामों में कभी पीछे नहीं रहती। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना में प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के हितग्राही सम्मेलन को संबोधित किया। कार्यक्रम में उन्होंने 90 करोड़ रुपए से अधिक की लागत के विकास कार्यों का भूमि पूजन और लोकार्पण किया। डॉ. यादव सामूहिक विवाह कार्यक्रम में भी शामिल हुए।

- कहा-चुनाव से पहले करूंगा मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन

मुख्यमंत्री ने विकास कार्यों का किया भूमि पूजन और लोकार्पण | बृजपुर में नया कालेज, धरमपुर को तहसील बनाने की घोषणा

पन्ना जिले के लिए कीं कई घोषणाएं

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने पन्ना जिले के लिए कई घोषणाएं कीं। जुगल किशोर लोक का भूमि पूजन करने के बाद उन्होंने पन्ना जिले के बृजपुर में कॉलेज खोलने की घोषणा के साथ धरमपुर को तहसील बनाए जाने की मांग पर सहमति दी। उन्होंने छत्रसाल मैदान के उन्नयन की घोषणा करते हुए कहा कि हमने विधानसभा चुनाव से पहले मेडिकल कॉलेज की घोषणा की थी। इसके जल्द उद्घाटन की तैयारी की जा रही है। डॉ. यादव ने कहा कि विधानसभा चुनाव से पहले मेडिकल कॉलेज का उद्घाटन करने पन्ना आऊंगा।

महाराज छत्रसाल का छाया चित्र भेंट कर स्वागत

पन्ना प्रणामी समाज के प्रतिनिधिमंडल ने मुख्यमंत्री डॉ. यादव का स्वागत किया। समाज के सचिव राकेश शर्मा, बालकृष्ण शर्मा और तिलक राज शर्मा ने उन्हें महाराजा छत्रसाल का छायाचित्र भेंट किया। कार्यक्रम में क्षेत्रीय सांसद बीडी शर्मा, पूर्व मंत्री बृजेंद्र प्रताप सिंह और गुनौर विधानसभा के विधायक डॉ. राजेश वर्मा सहित अन्य जनप्रतिनिधि, भाजपा पदाधिकारी, अफसर और लोग उपस्थित थे। मुख्यमंत्री ने भाजपा जिलाध्यक्ष के भतीजे के निधन पर उनके निवास पर जाकर शोक संवेदना भी व्यक्त की।

मप्र में कोरोना के केस से बढ़ी चिंता

इंदौर में 4 नए पॉजिटिव केस शहर में कुल 11 नए मरीज

- प्रदेश में अब तक 16 कोविड मरीज सामने आए

3 मरीजों की ट्रैवल हिस्ट्री यूके, केरल और मुंबई से जुड़ी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

शहर में बीते 24 घंटे में कोरोना के चार नए मरीज मिलने से हड़कंप मच गया है। पिछले पांच दिनों में शहर में कुल 11 नए मरीज मिल चुके हैं, जिससे जनवरी से अब तक संक्रमितों की संख्या 15 हो गई है।

इनमें से तीन मरीजों की ट्रैवल हिस्ट्री यूके, केरल और मुंबई से जुड़ी है। इंदौर में पिछले पांच दिनों में कुल 11 नए कोरोना पॉजिटिव मरीज मिले हैं। इस साल जनवरी से अब तक शहर में कुल 15 कोविड-19 मामले सामने आ चुके हैं। इसके अलावा उज्जैन में 1 कोविड केस सामने आया है। इसे देखते हुए प्रदेश में अब तक 16 कोविड मरीज सामने आ चुके हैं। इन नए मामलों को लेकर स्वास्थ्य विभाग अलर्ट पर है। स्वास्थ्य विभाग के मुताबिक हाल ही में जो चार मरीज मिले हैं, उनमें 43 साल की महिला है जो यूके से लौटी है। दूसरी संक्रमित 30 साल की महिला केरल से यात्रा करके लौटी है।

पुलिस की फॉर्च्यूनर कार ने बाइक को मारी टक्कर

बारात से लौटते समय बाइक सवार तीन युवकों की मौत

हरिभूमि न्यूज ▶▶ दमोह

जिले के देहात थाना अंतर्गत नरसिंहगढ़ चौकी के ग्राम मारा तिराहा के पास गुरुवार की सुबह पुलिस की फॉर्च्यूनर कार ने बाइक सवार तीन युवकों को टक्कर मार दी, जिससे तीनों की घटना स्थल पर ही मौत हो गई। नगर पुलिस अधीक्षक अभिषेक तिवारी ने बताया कि देहात थाना अंतर्गत नरसिंहगढ़ चौकी के ग्राम मारा तिराहा के पास एक बाइक पर सवार तीन युवक ग्राम जेरठ से शादी समारोह में शामिल होने के बाद अपने घर ग्राम बादो पहाड़ थाना तेजगढ़ लौट रहे थे। इसी बीच एक शासकीय पुलिस की फॉर्च्यूनर ने बाइक को टक्कर मार दी। इसमें बाइक पर सवार चंदन पुत्र गेंदालाल अहिरवार (26), सोनू पुत्र नंदराम अहिरवार (25), संदीप पुत्र राम जी अहिरवार (24) की मौत हो गई। मृतक चंदन की 4 साल पहले चंदन की शादी हुई थी, उसका डेढ़ साल का एक बेटा है। पुलिस की गाड़ी की रफ्तार इतनी तेज थी कि बाइक के परखच्चे उड़ गए, ड्राइवर कार को घटनास्थल पर ही छोड़कर भाग गया।

- ड्राइवर कार छोड़कर फरार पुलिस ने मामला दर्ज किया

घर में परिषद का नोटिस, 48 घंटे का अल्टीमेटम

कोच मोहसिन के मकान पर चल सकता है 'बुलडोजर'

आरोपी का पुश्तैनी मकान अवैध!

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

लव जिहाद और यौन शोषण के गंभीर आरोपों में गिरफ्तार मोहसिन खान की मोहसिन खान की मुश्किलें बढ़ती जा रही हैं। अन्नपूर्णा थाना क्षेत्र से गिरफ्तार किए गए मोहसिन खान के खिलाफ पुलिस कार्रवाई जारी है। वहीं, महूगांव नगर परिषद ने उसके प्रजापति नगर स्थित पुश्तैनी मकान पर शिकंजा कसना शुरू कर दिया है। दरअसल, नगर परिषद ने मोहसिन के मकान को लेकर नोटिस जारी किया है।

नाले की जमीन पर बना पुश्तैनी मकान

नगर परिषद को मिली शिकायतों में कहा गया है कि कोच मोहसिन खान का मकान शासकीय नाले की भूमि पर अतिक्रमण कर बनाया गया है। इसी आधार पर नगर परिषद ने संबंधित दस्तावेजों की मांग की है। जब नप कर्मचारी नोटिस देने मोहसिन के घर पहुंचे तो वहां ताला लगा मिला। साथ ही किसी ने नोटिस लेने से इनकार कर दिया। इसके बाद नगर परिषद ने मकान के मुख्य दरवाजे पर नोटिस चस्पा कर दिया।

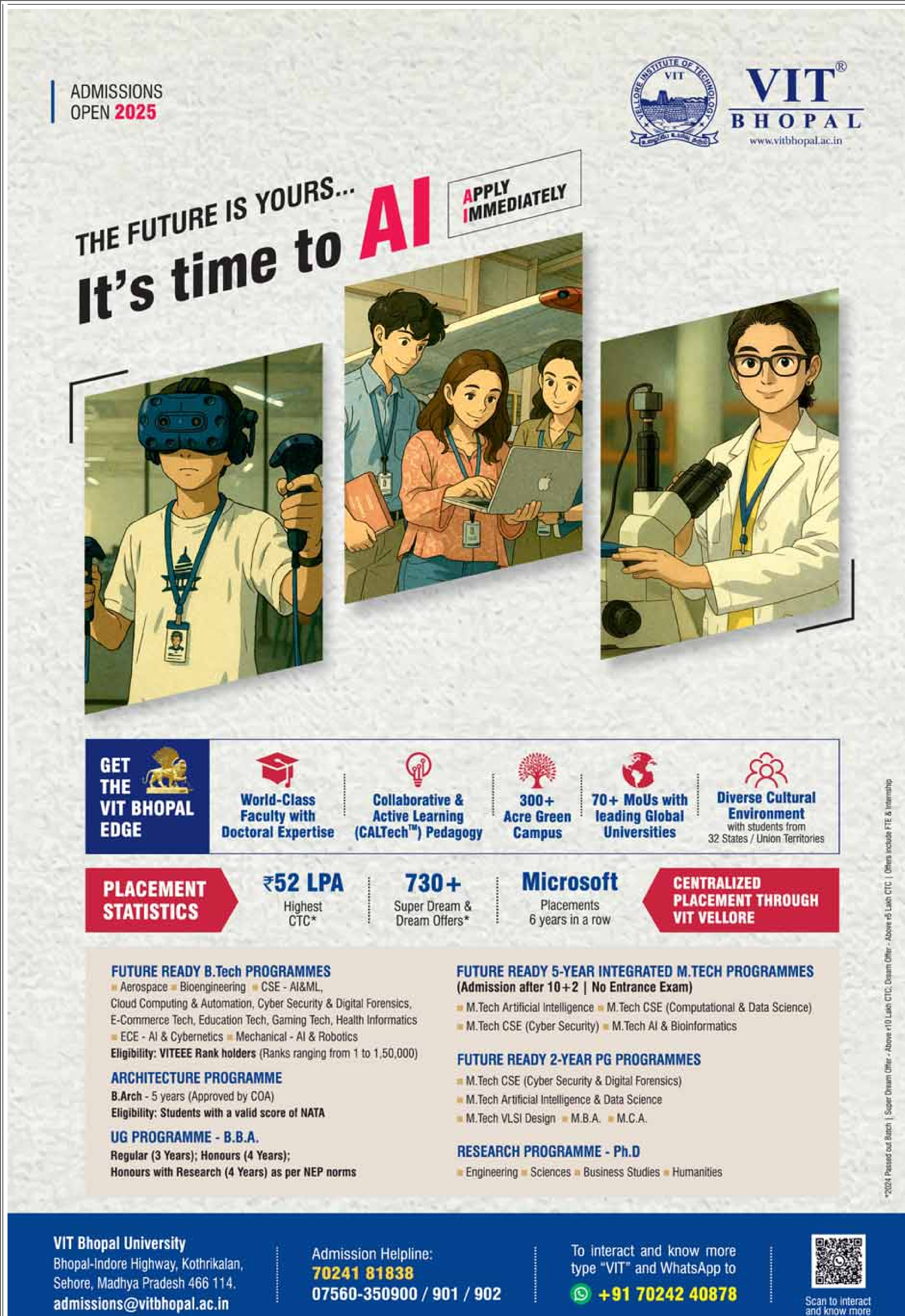

खबर संक्षेप

पत्नी-बेटी की हत्या कर खुद फांसी पर झूला

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के हुगली जिले में कर्ज में डूबे एक व्यक्ति ने कथित रूप से अपनी पत्नी और नाबालिग बेटी की हत्या करने के बाद खुदकुशी कर ली। मृतकों की पहचान बबलू घोष, उनकी पत्नी प्रतिमाऔर बेटी पौषाली के रूप में की गई है। शव चंदननगर के कोलुपुकुर के गारेधर इलाके स्थित उनके आवास से रात करीब दो बजे मिले।

ऑनलाइन सामग्री हटाने पर जवाब मांगा

नई दिल्ली। दिल्ली उच्च न्यायालय ने उपराज्यपाल से एक याचिका पर जवाब मांगा है जिसमें चुनौती दी गई है जो पुलिस को सोशल मीडिया सामग्री हटाने के लिए नोटिस जारी करने का अधिकार देती है। मुख्य न्यायाधीश डी के उपाध्याय और न्यायमूर्ति तुषार राव गेडेला की पीठ ने सरकार से 6 सप्ताह के भीतर जवाब दाखिल करने को कहा है।

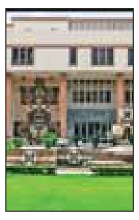

दुकानदार की हत्या पर दोषियों को उम्र कैद

ठाणे। ठाणे की एक अदालत ने वर्ष 2017 में एक किराना दुकानदार की हत्या करने और उसकी पत्नी की हत्या का प्रयास करने के मामले में दो दोषियों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश (मकोका) अमित एम शेटे ने 26 मई को सुनाए गए आदेश में दोनों आरोपियों को मकोका के तहत आरोपों से बरी कर दिया।

प्रधानमंत्री मोदी ने पश्चिम बंगाल की धरती पर सत्तारूढ़ टीएमसी सरकार को जमकर घेरा

मुर्शिदाबाद और मालदा में लोगों पर अत्याचार दुनिया ने देखी ममता की 'निर्मम' सरकार

अलीपुरद्वार, कूचबिहार जिलों को 1,010 करोड़ की सौगात दी

एजेंसी ▶▶ अलीपुरद्वार

पीएम नरेंद्र मोदी ने पश्चिम बंगाल की धरती पर सत्तारूढ़ ममता बेनर्जी की सरकार को जमकर घेरा। अलीपुरद्वार में एक विशाल जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने टीएमसी पर तंज कसा। उन्होंने कहा कि मुर्शिदाबाद में जो कुछ हुआ,मालदा में जो कुछ हुआ, वह टीएमसी सरकार की निर्ममता का उदाहरण है। बंगाल की जनता को अब टीएमसी के सिस्टम पर भरोसा नहीं है। यहां की जनता के पास अब सिर्फ कोर्ट का ही आसरा है। इसलिए पूरा बंगाल कह रहा है- बंगाल में मची चीख-पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार! उन्होंने कहा कि 21वीं सदी में भारत नए सामर्थ्य के साथ समृद्धि की नई गाथा लिख रहा है।

आज देश का हर नागरिक भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए दिनरात जुटा है। विकसित भारत बनाने के लिए पश्चिम बंगाल का भी विकसित होना बहुत जरूरी है। इसलिए बंगाल को भी नई ऊर्जा के साथ जुटना है। बंगाल को फिर उसी भूमिका में आना होगा, जो कभी यहां की पहचान थी। इसके लिए जरूरी है किबंगाल फिर से शिक्षा का, ज्ञान-विज्ञान का केंद्र बनें। बंगाल मेक इन इंडिया का एक बहुत बड़ा सेंटर बने।

बंगाल मेक इन इंडिया का सेंटर बने

ये भी बोले
बंगाल में मची चीख-पुकार, नहीं चाहिए निर्मम सरकार!

यहां के विकास से लिए हजारों करोड़ निवेश किया

पीएम मोदी ने कहा कि केंद्र की भाजपा सरकार इसी संकल्प के साथ काम कर रही है। भाजपा पूर्वोदय की नीति पर चल रही है। बीते दशक में यहां के विकास के लिए भाजपा सरकार ने हजारों-करोड़ का निवेश किया है।

सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन की आधारशिला रखी

पीएम ने बअलीपुरद्वार और कूचबिहार जिलों को 1,010 करोड़ की सौगात दी। उन्होंने यहां सिटी गैस डिस्ट्रीब्यूशन परियोजना की आधारशिला रखी। इससे 2.5 लाख से अधिक घरों के साथ-साथ वाणिज्यिक और औद्योगिक उपयोगकर्ताओं को पाइप्ड नेचुरल गैस उपलब्ध कराना है। योजना के तहत न्यूनतम कार्य कार्यक्रम लक्ष्यों के अनुसार लगभग 19 संपीड़ित प्राकृतिक गैस स्टेशन भी स्थापित किए जाएंगे।

बंगाल एक साथ कई संकटों से घिरा

उन्होंने कहा कि आज बंगाल एक साथ कई संकटों से घिरा हुआ है। एक संकट समाज में फैली हिंसा और अराजकता का है। दूसरा संकट माताओं बहनों को असुरक्षा का है, उनके साथ हो रहे जघन्य अपराधों का है। तीसरा संकट नौजवानों में फैल रही घोर निराशा का है, बेतहाशा बेरोजगारी का है। चौथा संकट घनघोर भ्रष्टाचार का है, यहां के सिस्टम पर लगातार कम होते जन-विश्वास का है। पांचवां संकट गरीबों का हक छिनने वाली सत्ताधारी पार्टी की स्वार्थी राजनीति का है।

घोटाले कर अदालतों को दोष दे रहीं

भ्रष्टाचार किस तरह विनाश की ओर ले जाता है, खासकर पश्चिम बंगाल शिक्षक भर्ती घोटाले में। टीएमसी सरकार ने हजारों शिक्षकों और उनके परिवारों का भविष्य बर्बाद कर दिया है। यह सिर्फ कुछ हजार शिक्षकों का विनाश नहीं है, बल्कि पूरी शिक्षा व्यवस्था बिगड़ रही है। अभी भी वे अपनी गलतियों को स्वीकार करने से इनकार करते हैं, इसके बजाय अदालतों को दोष देते हैं।

यहां बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिले

पीएम मोदी ने कहा कि आज देशभर में 70 वर्ष से ऊपर के बुजुर्गों को 5 लाख रुपए तक मुफ्त इलाज की सुविधा मिल रही है। मैं तो चाहता हूं कि पश्चिम बंगाल में भी 70 वर्ष से ऊपर के सभी बुजुर्गों को मुफ्त इलाज की सुविधा मिले। लेकिन टीएमसी सरकार ये नहीं करने दे रही है।

देश ने 3 बार पाक को घुसकर मारा

पीएम ने ऑपरेशन सिंदूर की सफलता और पाक के दुस्साहसों का जिक्र किया। उन्होंने बतायास कि कैसे भारत ने तीन पाकिस्तान को उसके घर में घुसकर मारा।

टीएमसी के लोग गरीबों से 'कट मनी' वसूल रहे

पीएम ने आरोप लगाया कि टीएमसी के लोग गरीबों से 'कट मनी' वसूल रहे हैं। लाखों परिवारों को घर नहीं मिल पा रहा।

ऑपरेशन सिंदूर का राजनीतिकरण किया जा रहा, हमें चुनौती स्वीकार

पीएम मोदी के आरोपों पर सीएम ममता का पलटवार

सीएम ममता ने आरोप लगाया कि ऑपरेशन सिंदूर के नाम पर राजनीतिक होली हो रही है। सीएम ममता बेनर्जी ने कहा कि पीएम मोदी ने आज जो कहा उसे सुनकर हम न केवल स्तब्ध हैं, बल्कि बहुत दुखी भी हैं। उन्होंने कहा कि पूरा विपक्ष विदेशों में देश का प्रतिनिधित्व कर रहा है ऐसी स्थिति में पीएम मोदी की मौजूदगी में उनके मंत्री ने कहा कि वे ऑपरेशन सिंदूर की तरह ऑपरेशन बंगाल करेंगे।

टीएमसी में ही दोफाड़

क्या जमीन खो रही ममता दीदी? मंत्री गुहा बोले

राज्य के मंत्री उदयन गुहा के पीएम पर तंज ने सियासी तापमान को और बढ़ा दिया है। क्या ममता की पकड़ कमजोर हो रही है और क्या टीएमसी अपनी जमीन खो रही है?

पूर्वोत्तर में पहली गोशाला का वर्चुअल किया उद्घाटन

भारत की ताकत को पाक ही नहीं, दुनिया ने भी देखा

पूर्वोत्तर में पशु कल्याण और संरक्षण की दिशा में एक ऐतिहासिक पहल करते हुए भारत के पपीएम मोदी ने गुरुवार को बागडोगरा से सिक्किम में 'मामरिंग गौशाला' का वर्चुअल उद्घाटन किया। राज्य योजना के तहत 7.31 एकड़ में विकसित यह अनूठी सुविधा पाकिम जिले के अंबा ग्राम पंचायत इकाई के मामरिंग में स्थित है। देशी पशु प्रजातियों के संरक्षण और जैविक पशुधन को बढ़ावा देने के लिए पहल की है। मामरिंग गौशाला पूरे पूर्वोत्तर क्षेत्र में अपनी तरह की पहली गौशाला है। इसे परित्यक्त पशुओं, वध से बचाए गए पशुओं तथा संकटग्रस्त पशुओं को आश्रय प्रदान करने के लिए बनाया गया है। यह पहल देशी पशु प्रजातियों के संरक्षण और जैविक पशुधन को बढ़ावा देने के लिए एक व्यापक दीर्घकालिक दृष्टिकोण का प्रतिनिधित्व करती है। यह गौशाला अत्याधुनिक बुनियादी ढांचे से सुसज्जित है।

नाम्ची में नवनिर्मित 500 बिस्तरों वाले जिला अस्पताल का किया अनावरण

पीएम मोदी ने आज नाम्ची जिले के लिए नवनिर्मित 500 बिस्तरों वाले जिला अस्पताल, गंगटोक के रिज पार्क में स्वर्ण जयंती मैत्रीय मंजरी परियोजना, पेलिंग के सांगाछोइलिंग में यात्री रोपवे और सांगखोला में अटल अमृत उद्यान में भारत रत्न अटल बिहारी वाजपेयी की प्रतिमा का अनावरण किया।

पाक ने समझा भारत क्या और कैसी तेजी से जवाब दे रहा?

सिक्किम की जनता को संबोधित करते हुए पीएम मोदी ने पहलगाम आंतकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर का जिक्र किया। उन्होंने कहा कि पाकिस्तान को समझ में आ गया है कि वह भारत से मुकाबला नहीं कर सकता। 'ऑपरेशन सिंदूर' में उसने देख लिया है कि भारत क्या कर सकता है?दरअसल, पीएम मोदी सिक्किम के 50 साल पूरे होने पर वहां की पर्यटन विविधता की तारीफ कर रहे थे। उन्होंने कहा कि सिक्किम के आप सभी लोग पर्यटन की ताकत को भलीभांति जानते हैं।

मासूम बच्चियों के हत्यारों को फांसी की सजा

हाथरस। यहां की विशेष न्यायाधीश एससी एसटी एक्ट कोर्ट ने प्रवक्ता की दो मासूम बेटियों के हत्यारों को फांसी की सजा सुनाई है। विशेष न्यायाधीश एससी एसटी एक्ट कोर्ट रामप्रताप सिंह ने फैसला सुनाते हुए टिप्पणी की है कि जिस भरोसे से आश्रय दिया, अभियुक्तों ने उसी का कत्ल कर दिया। इस कृत्य से समाज पर यह प्रतिकूल प्रभाव पड़ता है।

लालू ने खटखटाया हाईकोर्ट का दरवाजा

नई दिल्ली। भूमि के बदले जमीन मामले में सीबीआई की प्राथमिकी रद करने की मांग को लेकर आरजेडी प्रमुख व पूर्व मुख्यमंत्री लालू प्रसाद यादव ने दिल्ली हाईकोर्ट का दरवाजा खटखटाया है। लालू यादव ने मामले में सीबीआई के 3 आरोपपत्रों के साथ-साथ उक्त आरोपपत्रों पर संज्ञान लेने वाले ट्रायल कोर्ट के आदेशों को भी रद करने की मांग की है।

300वीं जयंती पर होने वाला आयोजन है खास

31 मई को देवी अहिल्याबाई होलकर की 300वीं जयंती के उपलक्ष्य में भोपाल के जंबूरी मैदान में देवी अहिल्याबाई होलकर महिला सशक्तिरकरण सम्मेलन होने जा रहा है। इस विशाल महा सम्मेलन में प्रदेश भर की 2 लाख से अधिक महिलाएं शामिल होंगी। पूरा कार्यक्रम महिला केंद्रित है। हमारी मातृशक्ति के मान, सम्मान और गौरव को स्थापित करने वाला है। इस अवसर पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, सुशासन और न्याय की प्रतीक देवी अहिल्याबाई होलकर के नाम से एक टिकट एवं सिक्का जारी करेंगे, एवं महिला शक्ति पर आधारित पुरस्कारों का वितरण होगा।

प्रधानमंत्री मोदी महिला शक्ति को करेंगे संबोधित

- ▶▶ इस ऐतिहासिक सम्मेलन में देश के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी महिला शक्ति को संबोधित करेंगे।
- ▶▶ सम्मेलन के अवसर प्रदेश के नागरिकों की खुशहाली समृद्धि की अनेकों सौगातें भी मिलेंगी।
- ▶▶ जल, स्थल और वायु तीनों क्षेत्रों में जनहित की योजनाएं प्रारंभ करने जा रहे हैं।
- ▶▶ जल योजना में - शिप्रा के किनारे 30 किमी घाटों का भूमि पूजन कार्यक्रम, संत समाज होगा शामिल
- ▶▶ स्थल योजना में - प्रधानमंत्री जी की गरिमामयी उपस्थिति में इंदौर मेट्रो का लोकार्पण होगा, जिसमें अधिक से अधिक महिलाएं शामिल होंगी।

वायू सेवा के क्षेत्र में प्रदेश के दो प्रमुख नगरों में हवाई अड्डों का लोकार्पण

- ▶▶ पहला-दतिया- एमओएस, ...दतिया से भोपाल के आवागमन की सुविधा आसान होगी
- ▶▶ दूसरा- सतना- जिसमें सभी स्थानीय जनप्रतिनिधि एवं सभी मंत्री शामिल होंगे. विमान महिला पायलट चलाएंगी।

नारी शक्ति करेंगी पीएम मोदी का स्वागत

- ▶▶ *सम्मेलन में शामिल होने पधार रहे प्रधानमंत्री का स्वागत भी महिलाओं के द्वारा होगा। वे ही उनका अभिनंदन करेंगी।*
- ▶▶ *यह भी खास बात है कि पूरे कार्यक्रम का प्रबंधन महिलाएं करेंगी व पीएस, सुरक्षा, सुविधा व संचालन सब महिलाओं के द्वारा संचालित होगा।*
- ▶▶ *कार्यक्रम में शामिल होने के लिए प्रदेश के विभिन्न नगरों, गांवों से आने वाली बसों की ऑनलाइन ट्रैकिंग होगी।*
- ▶▶ *वृहद प्रदर्शनी लगाई जाएगी, जो जनता के लिए खुली रहेगी।*
- ▶▶ *प्रदर्शनी महिला सशक्तिकरण व महत्वपूर्ण विषयों पर आधारित होगी*
- ▶▶ *जो हमारी विरासत व संस्कृति, और देवी अहिल्या बाई को समर्पित रहेगी - महिला सशक्तिकरण पर सरकार द्वारा किए जा रहे प्रयासों पर केन्दित होगी इसके साथ ही कौशल विकास भी प्रमुख विषय शामिल होगा।*
- ▶▶ *रोड शो - एक और खास बात है कि इस सम्मेलन में पधार रहे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी जी जनता के बीच में रोड शो भी करेंगे*

उन्नति | नजीर: मध्यप्रदेश में पहला ऑल-वुमेन होटल

पुरुषों के प्रभुत्व वाले उद्योगों को बेहतर संभाल रहीं महिलाएं

▶▶ नर्मदापुरम

पचमढ़ी की सुंदर पहाड़ियों में ये होटल स्थित है। ये होटल ना केवल महिलाओं के सशक्तिकरण का वादा करता है, बल्कि भारत के सबसे सुंदर स्थानों में से एक जगह पर जाकर शांति और प्राकृतिक सुंदरता की तलाश करने वाले पर्यटकों के लिए किसी जन्नत से कम नहीं है। महिला ट्रैवलर्स के लिए अच्छी खबर है। पंचमढ़ी मध्यप्रदेश में पहला ऑल-वुमेन होटल खुल गया है। महिला सशक्तिकरण की दिशा में इसे एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में देखा जा सकता है। इसके संचालन के हर पहलू मैनेजमेंट से लेकर ड्राइवर तक केवल महिलाओं द्वारा ही संभाला जा रहा है। यह होटल जिसका नाम अमलतास है हिल स्टेशन पचमढ़ी में मौजूद है।

पर्यटन विभाग द्वारा महिला सशक्तिकरण को बढ़ावा देने के लिये होटल अमलतास का पूरा संचालन महिला कर्मचारियों द्वारा किये जाने की पहल की है। इसके लिये 23 स्थानीय महिलाओं को प्रशिक्षित कर नियुक्त किया गया है। जिसके अंतर्गत प्रबंधक, हाउसकीपर, स्वागतकर्ता, किचिन स्टाफ, फूड एण्डक ब्रेवरेजस, माली, चौकीदार, शेफ जैसी जिम्मेहदारी भी महिलाओं द्वारा निभाई जाएगी।

सुंदर और मनोहर पहाड़ियां

पचमढ़ी की सुंदर पहाड़ियों में ये होटल स्थित है। यहां पर्यटक आसपास की हरियाली के अद्भुत दृश्यों के साथ एक शांतिपूर्ण वातावरण में 2 पल शांति से बिता सकते हैं। एकांत और शांति चाहने वाले पर्यटकों के लिए ये जगह किसी जन्नत से कम नहीं है।

11 करोड़ पर्यटक आकर्षित

अमलतास का उद्घाटन राज्य के तेजी से बढ़ते पर्यटन उद्योग में योगदान दे सकता है। मध्यप्रदेश पर्यटन उद्योग को अगले साल 11 करोड़ पर्यटकों को आकर्षित करने की उम्मीद है। महिलाएं पर्यटन और भारत की सांस्कृतिक विरासत दोनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं ऐसे में ये मजबूत कदम है।

सौगात: मप्र पहला राज्य है जहां सरकारी नौकरियों में महिलाओं को मिलता है 35 प्रतिशत आरक्षण

▶▶ भोपाल

मध्यप्रदेश डॉ.मोहन यादव सरकार के वादों और इरादों में कोई अंतर नहीं है। राज्य सरकार ने माता-बहनों और बेटियों के चेहरे पर मुस्कान लाने के लिए नित नई योजनाएं चलाई हैं, जिनके परिणाम उत्साह बढ़ाने वाले हैं। इन प्रयासों के चलते ही मध्यप्रदेश में महिलाएं अब मजबूर नहीं बल्कि मजबूत होकर उभरी हैं।

नारी सशक्तिकरण के नव प्रतिमान गढ़ते मध्यप्रदेश ने सफलता की अनेकों कहानियां लिखकर राष्ट्रीय स्तर पर नई पहचान बनाई है। राज्य सरकार द्वारा किये जा रहे सतत प्रयासों ने महिलाओं को स्वाबलंबी और आत्मनिर्भर बनाया है। मध्यप्रदेश देश का पहला ऐसा राज्य है, जिसने शासकीय सेवाओं में महिलाओं के आरक्षण को 33 प्रतिशत से बढ़ा कर 35 प्रतिशत किया है। साथ ही पंचायत एवं नगरीय निकाय निर्वाचन में 50 प्रतिशत आरक्षण की व्यवस्था लागू की है। उद्यमी महिलाओं को राज्य सरकार 2 प्रतिशत दर से ऋण भी उपलब्ध करा रही है। आजीविका मिशन के माध्यम से 40 लाख से अधिक महिलाओं को स्व-रोजगार से जोड़ा गया है। बेटियां वरदान कहीं जाने लगी हैं। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के संकल्प से सिद्धि के मंत्र को मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने आत्मसात करते हुए लाड़ली बहनों को आत्मनिर्भर और सशक्त बनाने के लिए दिन-रात एक कर दिए हैं।

उनके सफल प्रयासों की सफलताओं के नवांकुर आज राज्य को अलंकृत कर रहे हैं। महिलाओं को मजबूर से मजबूत बनाने का अभियान आज उनके सशक्त और आत्मनिर्भरता की कहानी उनकी जुबानी कह रहा है। देश के कई राज्यों ने महिला सशक्तिकरण को लेकर मध्यप्रदेश द्वारा उठाए गए कदमों को सराहा है और अपने राज्यों में लागू भी किया है।

लाड़ली बहना योजना के माध्यम से राज्य की लगभग एक करोड़ 29 लाख महिलाओं को मासिक 1250 रुपए की राशि सीधे उनके खाते में भेजी जा रही है। महिला सशक्तिकरण की यह अनूठी पहल अन्य राज्यों के लिये अनुकरणीय होकर क्रियान्वित की जा रही है।

महिला एवं बाल विकास विभाग का बजट 81% बढ़ा

प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में हमारी सरकार महिला सशक्तिकरण के हर संकल्प को पूर्ण करने शिद्दत से कार्य कर रही है। राज्य सरकार ने चालू वित्तीय वर्ष 2024-25 में महिला एवं बाल विकास विभाग का बजट 81 प्रतिशत बढ़ाते हुए 26 हजार 560 करोड़ रुपए का प्रावधान किया है। इसमें लाड़ली बहना योजना के लिये 18 हजार 984 करोड़ रुपये से ज्यादा का प्रावधान किया गया है। उन्होंने कहा कि प्रदेश की एक करोड़ 25 लाख से अधिक लाड़ली बहनें इस योजना से लाभान्वित हो रही है। राज्य सरकार उनके मान-सम्मान और स्वाभिमान को सुरक्षित रखने में कोई कसर नहीं छोड़ेगी।

D-16021/25

जबलपुर

शुक्रवार, 30 मई 2025
- ज्येष्ठ मास शुक्ल पक्ष–3
- वर्ष : 20, अंक : 30
- पृष्ठ : 14 मूल्य : 3.00 *

मौसम

अधि. 39
न्यूर.27

हरिभूमि

मध्यप्रदेश, छत्तीसगढ़, हरियाणा व दिल्ली से एक साथ प्रकाशित

समाचार ही नहीं, विचार भी

haribhoomi.com

सरगना हाफिज सईद का बेटा भी था साथ

सार्वजनिक रैली में नजर आया पहलगाम हमले का 'मास्टरमाइंड' लश्कर कमांडर सैफुल्ला

नेताओं और दूसरे वांछित आतंकवादियों के साथ मंच भी साझा किया

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले का मास्टरमाइंड और लश्कर-ए-तैयबा (एलईटी) कमांडर सैफुल्ला कसूरी बुधवार को पाकिस्तान में सार्वजनिक रूप से नजर आया। उसने एक राजनीतिक रैली में नेताओं और दूसरे वांछित आतंकवादियों के साथ मंच साझा किया। पाकिस्तान के परमाणु परीक्षणों की वार्षिक स्मृति यौम-ए-तकबीर के मौके पर पाकिस्तान मरकजी मुस्लिम लीग (पीएमएमएल) की ओर से आयोजित इस रैली में भड़काऊ भाषण दिए गए और भारत विरोधी नारे लगाए गए। इस रैली में लश्कर-ए-तैयबा के संस्थापक हाफिज सईद का बेटा और भारत की ओर से घोषित आतंकवादी तल्हा सईद भी शामिल था। कसूरी ने पाकिस्तान के हिस्से वाले पंजाब प्रांत के कसूर में आयोजित रैली में कहा कि मुझे पहलगाम आतंकवादी हमले का मास्टरमाइंड बताया गया, अब मेरा नाम पूरी दुनिया में मशहूर है।

खालिद के नाम से भी जाना जाता है कसूरी

भीड़ के सामने बोलते हुए कसूरी (जिसे खालिद के नाम से भी जाना जाता है) ने इलाहाबाद में 'मुदस्सिर शहीद' के नाम पर एक केंद्र, सड़क और अस्पताल बनाने की योजना की भी घोषणा की। मुदस्सिर अहमद पहलगाम नरसंहार के बाद भारत के जवाबी कदम परेशन सिंदूर में मारे गए कई कुख्यात आतंकवादी गुर्गों में से एक था।

भारत-पाक सीजफायर पर ट्रंप सरकार के दावे को विदेश मंत्रालय ने किया खारिज, कहा- चर्चा में नहीं उठा टैरिफ का मुद्दा

आतंकियों को सौंपे और पीओके खाली करे- पाकिस्तान के साथ द्विपक्षीय संबंधों पर विदेश मंत्रालय की 'दो टूक'

हम दोहराना चाहेंगे कि आतंकवाद और बातचीत साथ-साथ नहीं चल सकते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारत सरकार ने पाकिस्तान को एक बार फिर कड़ा संदेश दिया है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने साफ कहा है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। उन्होंने यह भी स्पष्ट किया कि पाकिस्तान से कोई भी बातचीत तभी होगी जब वो पाकिस्तान अधिकृत कश्मीर को खाली कर भारत को सौंप देगा। पहलगाम आतंकी हमले और ऑपरेशन सिंदूर के बाद सीमा पर चले संघर्ष के दौरान भारत ने अपना पक्ष साफ कर दिया है कि आतंकवाद और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते हैं। वहीं, विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि जहां तक पाकिस्तान के साथ हमारे संबंधों का सवाल है, हमारा रुख स्पष्ट है।

सिंधु जल संधि रहेगी स्थगित

जायसवाल ने कहा कि जम्मू-कश्मीर पर बातचीत तभी होगी जब पीओके खाली हो जाएगा और पाकिस्तान हमें वह इलाका सौंप देगा। इसके साथ ही सिंधु जल संधि पर भी भारत का सख्त रुख रखते हुए उन्होंने कहा- जहां तक सिंधु जल संधि का सवाल है, यह तब तक स्थगित रहेगी जब तक पाकिस्तान सीमा पार आतंकवाद को अपना समर्थन विश्वसनीय और अपरिवर्तनीय रूप से त्याग नहीं देता। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता ने इस दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की बात को दोहराते हुए कहा कि आतंक और बातचीत एक साथ नहीं चल सकते। आतंक और व्यापार भी एक साथ नहीं हो सकते। और पानी और खून एक साथ नहीं बह सकते।

ईरान में लापता 3 भारतीयों को लेकर चिंतित

जायसवाल ने बताया कि ईरान के तेहरान शहर में तीन भारतीय नागरिक लापता हो गए हैं। उन्होंने कहा कि तीनों भारतीय नागरिक कुछ समय पहले तेहरान पहुंचे थे, लेकिन अब उनका कोई पता नहीं चल पा रहा है। हम ईरानी अधिकारियों के संपर्क में हैं और वे हमारी सहायता कर रहे हैं। विदेश मंत्रालय इन तीनों नागरिकों के परिवारों के संपर्क में है और उन्हें हर संभव मदद दी जा रही है।

inh 24x7

छत्तीसगढ़ एवं मध्यप्रदेश का सर्वाधिक लोकप्रिय चैनल देखें

TATA PLAY चैनल नं. 1155 | airtel चैनल नं. 366

IPL आज का मुकाबला

गुजरात मुंबई

शाम 7.30 बजे से

पटना में पीएम मोदी के रोड शो में उमड़ी भारी भीड़, ऑपरेशन 'सिंदूर' के रंग में रंगा शहर

6 महीने में 4 बार बिहार आए पीएम मोदी महिलाओं के हाथ में शंख-मांग में सिंदूर

ऑपरेशन सिंदूर और ब्रह्मोस मिसाइल की थीम पर स्टेज भी तैयार किया गया

एजेंसी ▶▶ पटना

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिनों के बिहार दौरे पर गुरुवार को पटना पहुंचे। पहले दिन पीएम मोदी ने पटना के जयप्रकाश नारायण अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे के नए टर्मिनल के उद्घाटन और बिहटा हवाई अड्डे की आधारशिला रखने के बाद रोड-शो किया। पटना की सड़कों के दोनों तरफ महिलाओं के हाथ में सिंघोरा और मांग में सिंदूर बता रहा था कि ऑपरेशन सिंदूर बिहार चुनाव में एनडीए का सबसे बड़ा हथियार बनने जा रहा है।

पीएम मोदी बीते छह महीने में चौथी बार बिहार दौरे पर आए हैं। इन दौरों का मकसद केवल विकास परियोजनाओं तक सीमित नहीं है बल्कि कहीं न कहीं बिहार चुनाव भी है। सड़कों पर सैकड़ों महिलाएं मांग में सिंदूर और हाथों में मेहंदी से सजा सिंघोरा (शंख) लिए खड़ी थीं, जो 'ऑपरेशन सिंदूर' की सफलता का उत्सव मना रही थीं। यह ऑपरेशन, जिसने पहलगाम आतंकी हमले के जवाब में पीओके में नौ आतंकी ठिकानों को नष्ट किया।

- मोदी ने पटना एयरपोर्ट के नए टर्मिनल का उद्घाटन किया
- भाजपा का लक्ष्य 243 सीटों में से 225 सीटें जीतना है
- महिलाओं का उत्साह भाजपा के लिए हो सकता है गेम-चेंजर

अब भाजपा का टारगेट बिहार

2020 के विधानसभा चुनाव में भाजपा ने 74 सीटें जीती थीं और 2024 के लोकसभा चुनाव में 12 सीटों के साथ उसने अपनी पकड़ मजबूत की। लेकिन इस बार भाजपा का लक्ष्य 243 सीटों वाली बिहार विधानसभा में 225 सीटें जीतने का है। पीएम मोदी की रैलियां और रोड शो, खासकर शाहाबाद और मिथिलांचल जैसे क्षेत्रों में जहां भाजपा का आधार पहले से मजबूत है, इस लक्ष्य को हासिल करने की रणनीति का एक बड़ा हिस्सा है।

◆ ऑपरेशन सिंदूर बिहार चुनाव में एनडीए का सबसे बड़ा हथियार बनने जा रहा। राज्य में राष्ट्रवाद की यह एक नई लहर

6 महीने में बिहार को विशेष महत्व

पिछले छह महीनों में पीएम मोदी ने बिहार को विशेष महत्व दिया। 13 नवंबर 2024 को दरभंगा में उन्होंने एम्स सहित 12,100 करोड़ की परियोजनाओं की सौगात दी। 24 फरवरी 2025 को भागलपुर में पीएम किसान सम्मान निधि की राशि जारी की गई। 24 अप्रैल 2025 को मधुबनी में राष्ट्रीय पंचायती राज दिवस पर 13,480 करोड़ रुपए की परियोजनाएं शुरू की गईं। अब, मई 2025 में पटना और बिक्रमगंज में 50,000 करोड़ रुपए की परियोजनाएं बिहार की सियासत को गर्म कर रही हैं। इन दौरों में छह से अधिक रैलियां और रोड शो हुए, जो भाजपा की रणनीति को दर्शाते हैं।

पीएम की एक झलक देखने के लिए पूरा शहर उमड़ पड़ा

पटना में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के रोड शो के दौरान उनकी एक झलक देखने के लिए पूरा शहर गुरुवार को सड़कों पर उमड़ पड़ा। रोड शो पटना हवाई अड्डे से प्रारंभ हुआ। इससे बहुत पहले से ही बड़ी संख्या में लोग सड़कों के किनारे अपने नेता का इंतजार करते दिखे। पटना की सड़कों पर सुरक्षा घेरे के दोनों तरफ अपार जनसमूह नजर आ रहा था। जब प्रधानमंत्री का रोड शो शुरू हुआ तो पूरा पटना 'मोदी जिंदाबाद' और 'ऑपरेशन सिंदूर' से जुड़े नारों से गुंजायमान हो गया। पीएम मोदी ने हाथ हिलाकर लोगों का अभिनंदन स्वीकार किया। वह अपने वाहन पर बैठे आगे बढ़ते जा रहे हैं।

मोदी राजभवन में रात को रुकेंगे, आज सुबह जाएंगे रोहतास

प्रधानमंत्री मोदी राजभवन पहुंचे। यहां राज्यपाल आरिफ मोहम्मद खान उनका स्वागत किया। प्रधानमंत्री रात में राजभवन में ही रुकेंगे। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार से भी उनकी दोबारा मुलाकात होने की संभावना है। मुख्यमंत्री ने गुरुवार शाम पीएम मोदी का एयरपोर्ट पर स्वागत किया था। तब राज्यपाल भी वहीं थे। राज्यपाल और मुख्यमंत्री पीएम मोदी के साथ एयरपोर्ट टर्मिनल के उद्घाटन समारोह में मौजूद रहे थे। शुक्रवार सुबह वह रोहतास के विक्रमगंज के लिए रवाना होंगे।

खबर संक्षेप

एलन मस्क ने ट्रंप सरकार का छोड़ा साथ

वाशिंगटन। टेस्ला के सीईओ एलन मस्क ने डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन से अलग करने का ऐलान किया है। उन्होंने एक्स पर एक पोस्ट में यह जानकारी दी। पिछले दिनों मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के 'बिग ब्यूटीफुल' टैक्स बिल की खुलकर आलोचना की थी, इसके बाद ट्रंप और मस्क के बीच मतभेद की खबरें आईं थीं। मस्क ने लिखा कि मेरा विशेष सरकारी कर्मचारी के रूप में मेरा निर्धारित समय समाप्त हो रहा है, मैं ट्रंप को व्यर्थ व्यय को कम करने के अवसर के लिए धन्यवाद देना चाहता हूं।

सप्ताह में छह दिन कर पाएंगे सोमनाथ की यात्रा

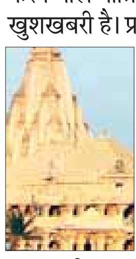

नई दिल्ली। सोमनाथ की यात्रा करने वाले यात्रियों के लिए खुशखबरी है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने हाल ही में गुजरात के लोगों को एक नई वंदे भारत एक्सप्रेस ट्रेन की सौगात दी है, जो साबरमती (अहमदाबाद) से वेरावल (सोमनाथ मंदिर) तक चलेगी। यह ट्रेन कुल 438 किमी की दूरी को महज 7 घंटे में पूरा करेगी, जिससे पर्यटक बिना किसी लंबी थकावट के आसानी से सोमनाथ मंदिर पहुंच सकेंगे। इस वंदे भारत ट्रेन का संचालन छह दिन प्रति सप्ताह किया जाएगा और गुरुवार को यह ट्रेन नहीं चलाई जाएगी। ट्रेन की टाइमिंग यात्रियों की सहूलियत को ध्यान में रखकर तय की गई है।

राहुल गांधी 3 जून को आएंगे भोपाल

कांग्रेस संगठन के 'सृजन' अभियान का करेंगे शुभारंभ

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

- करीब 7 घंटे रहकर नेताओं की बैठकें लेंगे

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के 31 मई के भोपाल दौरे के ठीक 2 दिन बाद 3 जून को लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी भोपाल के दौरे पर रहेंगे। इस दौरान वह कांग्रेस के संगठन 'सृजन' अभियान की शुभारंभ करेंगे। राहुल करीब 7 घंटे भोपाल में रहकर कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं की अलग-अलग बैठकें लेंगे। इसके अलावा वो एआईसीसी और पीसीसी डेलीगेट्स और कांग्रेस के जिला और ब्लॉक अध्यक्षों के अधिवेशन को भी संबोधित करेंगे। नेता प्रतिपक्ष उमंग सिंघार ने बताया कि राहुल गांधी के मार्गदर्शन में शुरू होने वाला यह संगठन सृजन अभियान कांग्रेस को जमीनी स्तर पर और सशक्त करेगा।

आरोपी की तलाश में जुटी पुलिस

राजगढ़ में नाबालिग के साथ रेप जान से मारने की धमकी भी दी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ राजगढ़

- खेत के नजदीक पीड़िता से जबरदस्ती

जिले के छापीहेड़ा थाना क्षेत्र के एक गांव में नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म का मामला सामने आया है। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ दुष्कर्म और जान से मारने की धमकी देने सहित पॉस्को एक्ट की धाराओं में मामला दर्ज कर लिया है। जानकारी के मुताबिक 16 साल 8 माह की पीड़िता ने पुलिस को बताया कि 28 जनवरी 2025 को शाम लगभग 6 बजे गांव के ही पास स्थित एक खेत की खाली जगह पर आरोपी धर्मेंद्र निवासी ढाबली ने उसके साथ जबरन दुष्कर्म किया। पीड़िता का यह भी आरोप है कि घटना के बाद आरोपी ने उसे जान से मारने की धमकी दी ताकि वह इस बारे में किसी को न बताए।

स्कूटी लावारिस हालत में मिली, अंतिम लोकेशन ट्रैकिंग क्षेत्र में पाई गई

हनीमून पर गए इंदौर के नवदंपती का छह दिन बाद भी... सुराग नहीं

हरिभूमि न्यूज ▶▶ इंदौर

इंदौर से मेघालय घूमने गया नवविवाहित जोड़ा छह दिन से लापता है। उनकी स्कूटी लावारिस हालत में मिली हैं, उनकी अंतिम लोकेशन ट्रैकिंग क्षेत्र में पाई गई। पुलिस और एसडीआरएफ टीमें उन्हें तलाश रही हैं। शिलांग के ईस्ट खासी हिल्स जिला पुलिस ने अभियान को तेज कर दिया है।

चार खोज और बचाव टीमें क्षेत्र में सक्रिय हैं, जिनमें मेघालय पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, होम गाड्र्स और स्थानीय ग्रामीण शामिल हैं। सर्च टीम का ध्यान नोंग्रियात और मावलाखियात के आस-पास के बीहड़ इलाकों पर केंद्रित है, जो ट्रैकिंग और पर्यटन के लिए लोकप्रिय हैं। दंपती की आखिरी लोकेशन भी यहीं पर पाई गई है।

मेघालय पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, होम गाड्र्स और स्थानीय ग्रामीण कर रहे तलाश

राजा के बड़े भाई भी तलाश में जुटे

इस बीच, गांव के मुखिया ने स्थानीय प्रशासन को सूचित किया, जिससे खोज अभियान की शुरुआत हुई। राजा के बड़े भाई भी तुरंत मेघालय पहुंचे। वे खुद भी खोज अभियान में शामिल हैं। लेकिन, हर गुजरते दिन के साथ अनिश्चितता बढ़ती जा रही है। ईस्ट खासी हिल्स जिला पुलिस ने अभियान को तेज कर दिया है। चार खोज और बचाव टीमें क्षेत्र में सक्रिय हैं, जिनमें मेघालय पुलिस, राज्य आपदा प्रतिक्रिया बल, होम गाड्र्स और स्थानीय ग्रामीण शामिल हैं।

छतरपुर में तेज बारिश से हेलीपैड पर पानी भरने के साथ ही आंधी में सभास्थल का टेंट उखड़ गया

मानसून आगे बढ़ा बांग्लादेश के तटों पर डीप डिप्रेशन

खजुराहो सहित आधा दर्जन जिलों में तेज बारिश का दौर छतरपुर में आंधी बारिश से गौरिहार में सीएम का दौरा रद्द

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

प्रदेश में जारी प्री-मानसून बारिश कई जिलों में अभी से मुसीबत बन रही है। गुरुवार को खजुराहो सहित आधा दर्जन जिलों में आंधी के साथ तेज बारिश हुई। छतरपुर में दो घंटे से अधिक समय तक चली तेज बारिश से मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव का गौरिहार का दौरा रद्द हो गया। यहां दोपहर 11 बजे के बाद से ही बारिश का दौर शुरू हो गया। इससे गौरिहार में बने हेलीपैड पर पानी भर गया। इस बीच आंधी से सभास्थल पर लगा टेंट भी उखड़ गया। इससे मुख्यमंत्री का दौरा रद्द कर दिया गया। सीएम डॉ. यादव की छतरपुर के गौरिहार और मऊसहानियां में जनसभा होनी थी। मौसम केंद्र के अनुसार शुक्रवार सुबह से खजुराहो, खरगोन, बुरहानपुर, खंडवा, हरदा और बैतूल में तेज से भारी बारिश होने की उम्मीद है।

प्रदेश से गुजर रही ट्रफ से आज भी एक दर्जन जिलों में अलर्ट

सुबह से शाम तक यहां बारिश

श्योपुर कलां, पांढुर्णा, सागर, रायसेन में हल्की बारिश हुई। मुरैना, नीमच, गुना, शाजापुर, शिवपुरी में आंधी बारिश हुई। अशोकनगर, ग्वालियर, छतरपुर, पन्ना, बैतूल, सिवनी, बालाघाट, छिंदवाड़ा, सतना, मैहर, रीवा, नरसिंहपुर और उमरिया में भी मध्यम से तेज बारिश हुई है। इन जिलों में शुक्रवार सुबह तक के लिए अलर्ट जारी किया गया है। यहां 50 से 60 किमी की रफ्तार से आंधी भी चल सकती है।

पश्चिमी प्रदेश में गर्मी पूर्वी इलाके में गिरा पारा

गुरुवार को पश्चिमी मप्र के भोपाल, गुना, नर्मदापुरम, इंदौर, रायसेन, रतलाम सहित अधिकांश जिलों में पारा 3 से 6 डिग्री तक बढ़ गया। भोपाल में पारा 3.7 डिग्री बढ़कर 39.5 डिग्री रहा। सर्वाधिक बढ़त रायसेन में 5.6 डिग्री की रही। यहां पारा 39 डिग्री रहा। वहीं, पूर्वी मप्र के दमोह, नौगांव, रीवा, सतना, उमरिया आदि जिलों में पारा एक से 3 डिग्री तक गिरा। प्रदेश में औसत अधिकतम तापमान 39 डिग्री रहा।

इंदौर से 5 जुलाई को रवाना होगी

दक्षिण भारत के तीर्थों की सैर कराएगी भारत 'गौरव ट्रेन'

उज्जैन, शुजालपुर रानी कमलापति इटारसी, बैतूल एवं नागपुर जैसे स्टेशनों से होकर गुजरेगी

हरिभूमि न्यूज ▶▶ भोपाल

देश के पर्यटन स्थलों को बढ़ावा देने के उद्देश्य से इंडियन रेलवे कैटरिंग एंड टूरिज्म कॉरपोरेशन ने भारत गौरव पर्यटक ट्रेन के माध्यम से दक्षिण दर्शन यात्रा यात्रियों को करवा रहा है। यह ट्रेन 5 जुलाई को इंदौर से रवाना होगी।

यह विशेष पर्यटक ट्रेन इंदौर, उज्जैन, शुजालपुर, सीहोर, रानी कमलापति, इटारसी, बैतूल एवं नागपुर जैसे स्टेशनों से होकर गुजरेगी। वहां से यात्री यात्रा के लिए इस ट्रेन में सवार हो सकते है। भोपाल मंडल के अंतर्गत आने वाले रानी कमलापति एवं इटारसी स्टेशनों से यह ट्रेन होकर गुजरेगी, जिससे इस क्षेत्र के यात्रियों को भी इस यात्रा में भाग लेने का अवसर मिलेगा।

वायुसेना प्रमुख ने ये भी कहा

- लड़ाकू विमानों की डिलीवरी में हो रही देरी ने कई प्रमुख परियोजनाओं को प्रभावित किया है, जिसमें तेजस एमके 1 ए लड़ाकू विमान भी शामिल हैं।
- तेजस एमके1 की डिलीवरी में देरी हो रही है।
- तेजस एमके2 का प्रोटोटाइप अभी तक रोल आउट नहीं हुआ है।
- स्टील्थ एएमसीए फाइटर का अभी तक कोई प्रोटोटाइप नहीं है।

डिलीवरी में देरी पर कहा- नहीं दे सकते तो वादा मत करो

प्राण जाए पर वचन न जाए कहते हुए वायुसेना प्रमुख बोले- एक बार जो हमने 'कमिट' किया, फिर अपने आप की भी नहीं सुनते

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

वायुसेना प्रमुख एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने गुरुवार को 'ऑपरेशन सिंदूर' को राष्ट्रीय की जीत बताया। उन्होंने कहा कि सभी भारतीय बलों ने मिलकर इसे बहुत ही पेशेवर तरीके से अंजाम दिया। सीआईआई बिजनेस समिट में अपने संबोधन में उन्होंने यह भी कहा, हम सच्चाई के रास्ते पर चल रहे थे, मुझे लगता है कि इसमें भगवान भी हमारे साथ थे। इस दौरान उन्होंने 'प्राण जाय पर वचन न जाए...' और एक बार हमने जो कमिट कर लिया है, उसके बाद अपने आपकी भी नहीं सुनता जैसी बातें भी कहीं।

वायुसेना प्रमुख ने कहा, हम जिस ऑपरेशन सिंदूर के बारे में बात कर रहे हैं, यह एक राष्ट्रीय जीत है। मैं हर भारतीय का शुक्रिया अदा करता हूं। मुझे यकीन है कि हर भारतीय इस जीत की उम्मीद कर रहा था। उन्होंने कहा, जैसा कि बार-बार कहा जाता रहा है कि यह एक ऐसा ऑपरेशन था, जिसे सभी ने बहुत ही पेशेवर तरीके से अंजाम दिया, सभी एजेंसियां, सभी बल, हम सभी एक साथ आए और जब सच्चाई आपके साथ होती है, तो सब कुछ अपने आप हो जाता है।

वायु सेना के बिना नहीं कर सकते कोई भी ऑपरेशन

चाहे वह जमीन की ताकत हो या जल की, वायुसेना हमेशा रहेगी। वायु सेना को इन दोनों के लिए दिलचस्प होना होगा। हम जो भी ऑपरेशन करते हैं, हम उसे वायु सेना के बिना नहीं कर सकते। मुझे लगता है कि इस ऑपरेशन के दौरान भी यह बहुत अच्छी तरह से साबित हुआ है। हम सिर्फ भारत में उत्पादन के बारे में बात नहीं कर सकते। हमें भारत में ही डिजाइनिंग और विकास शुरू करने की जरूरत है। जब संख्या में उत्पादन की बात आती है तो क्षमता सामने आती है।

युद्ध का चरित्र बदला है और ऐसा होता रहेगा: नौसेना प्रमुख

इससे पहले सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में नौसेना प्रमुख एडमिरल दिनेश के त्रिपाठी ने भी हिस्सा लिया। उन्होंने कहा, ...युद्ध का चरित्र तेजी से बदला है और ऐसा होता रहेगा। सबसे पहले युद्ध और शांति के बीच की रेखाएं तेजी से धुंधली होती जा रही हैं। दूसरे, वाणिज्यिक प्रौद्योगिकी युद्ध को लोकतांत्रिक बनाती है, जिससे यह गैर-सरकारी लोगों के लिए उपलब्ध हो जाता है। अंत में, सटीकता के युग में प्रवेश करते हुए, जहां अत्यधिक सटीक क्षमताएं और बड़ी संख्या दोनों ही हमारे लिए महत्वपूर्ण हैं।

हम ऐसा वादा क्यों करें जो पूरा नहीं हो सकता

वायुसेना प्रमुख सिंह ने कहा, समयसीमा एक बड़ा मुद्दा है। इसलिए एक बार समयसीमा तय हो जाने के बाद मुझे लगता है कि एक भी परियोजना समय पर पूरी नहीं हुई है। इसलिए हमें इस पर गौर करना होगा। हम ऐसा वादा क्यों करें जो पूरा नहीं हो सकता? अनुबंध पर हस्ताक्षर करते समय कभी-कभी हमें यकीन होता है कि यह काम पूरा नहीं होगा, लेकिन हम अनुबंध पर हस्ताक्षर कर देते हैं।

ऑपरेशन सिंदूर एक राष्ट्रीय जीत

सीआईआई वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन 2025 को संबोधित करते हुए एयर चीफ मार्शल एपी सिंह ने कहा, मैं ऑपरेशन सिंदूर को रिकॉर्ड में रखना चाहता हूं, जिसके बारे में हम बात कर रहे हैं। यह एक राष्ट्रीय जीत है। मैं यहां मौजूद हर भारतीय को धन्यवाद देता हूं। मुझे यकीन है कि हर भारतीय ने इस जीत में योगदान दिया है। जैसा कि बार-बार कहा गया है, यह एक ऐसा ऑपरेशन था, जिसे सभी एजेंसियों, सभी बलों की ओर से बहुत ही पेशेवर तरीके से अंजाम दिया गया था। हम सभी एक साथ आए और जब सच्चाई एक साथ होती है, तो सब कुछ अपने आप हो जाता है। उन्होंने कहा, 'जब हम एक राष्ट्र की बात करते हैं तो इसमें हम सभी सेना, नौसेना, वायु सेना, विभिन्न एजेंसियां, उद्योग, डीआरडीओ एक बड़ी श्रृंखला की कड़ी हैं। हम सभी को यह सुनिश्चित करना होगा कि हमारा समूह, जिससे मैं संबंधित हूं, वह कमजोर समूह न हो जिसके कारण यह श्रृंखला टूट जाए।

अभी से भविष्य के लिए तैयार रहना

एयर चीफ मार्शल ने कहा, ऐसा समय था, जब हमें भारतीय उद्योग पर हमेशा संदेह रहता था कि यह वह उत्पाद नहीं दे सकता जो हम चाहते थे और हम बाहर की ओर अधिक देखते थे, लेकिन पिछले एक दशक से अधिक समय में चीजें काफी बदल गई हैं। अब दुनिया की मौजूदा स्थिति ने हमें एहसास दिलाया है कि आत्मनिर्भरता ही एकमात्र समाधान है, हमें अभी से भविष्य के लिए तैयार रहना होगा।

खबर संक्षेप

एक्ट्रेस बोली- कराची एयरपोर्ट पर पानी खत्म

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के कराची एयरपोर्ट पर पानी खत्म हो गया है।

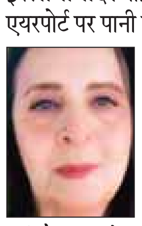

पाकिस्तानी एक्ट्रेस हिना ख्वाजा ने वीडियो बनाकर बताया कि एयरपोर्ट के वॉशरूम में पानी नहीं है। हिना ने सवाल उठाते हुए कहा कि,आज के दिन जब हमें पाकिस्तान की उपलब्धियों को लेकर जश्न मनाना चाहिए, यहां किसी वॉशरूम में पानी नहीं आ रहा है। लोग वुजू करना चाह रहे हैं, बच्चों को लेकर वॉशरूम जाना चाह रहे हैं और पानी नहीं है। हमारे एयरपोर्ट्स का, हमारे इंस्टीट्यूशन्स का, हमारे सिस्टम्स का यह हाल क्यों हो गया है।

ब्रिटिश कोलंबिया विधानसभा पहुंचे 3 पंजाबी सिंगर

अमृतसर। जिने मेरा दिल लुटेया, 'नाग' और 'जवानी' जैसे गाने

वाले पंजाबी सिंगर जैजी बी एक बार फिर विवाद में घिर गए है। इस बार मामला ब्रिटिश कोलंबिया की राजधानी विक्टोरिया में प्रांतीय विधान सभा का है, जिसका जैजी बी ने दो अन्य पंजाबी सिंगरों चन्नी नट्टन और इंद्रपाल मोगा के साथ दौरान किया। संसदीय डाइनिंग रूम में लंच किया, विधायकों के साथ फोटो सेशन कराया। इनके फोटो सोशल मीडिया पर आते ही विवाद भी शुरू हो गया है।

पीओके के लोग हमारे अपने: राजनाथ सिंह

पीओके खुद लौटकर आएगा और कहेगा...मैं आ गया हूं

आतंकवाद और पीओके पर ही बातचीत होगी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने पाकिस्तान की नींद उड़ाने वाला बयान दिया है। उन्होंने दिल्ली में एक कार्यक्रम में कहा कि पीओके में रहने वाले ज्यादातर लोग भारत से गहरा जुड़ाव महसूस करते हैं, बस कुछ ही लोग हैं जिन्हें गुमराह किया गया है। उन्होंने कहा, पीओके में रहने वाले हमारे भाइयों की स्थिति वीर योद्धा महाराणा प्रताप के छोटे भाई शक्ति सिंह जैसी ही है। भारत हमेशा दिलों को जोड़ने की बात करता है। पीओके के लोग हमारे अपने हैं। हम 'एक भारत, महान भारत' के संकल्प के लिए प्रतिबद्ध हैं। प्रेम, एकता और सच्चाई के रास्ते पर चलते हुए वो दिन दूर नहीं जब हमारा अपना हिस्सा पीओके वापस आएगा और कहेगा, मैं भारत हूं, मैं वापस आया हूं। ऑपरेशन सिंदूर के दौरान भारत की स्वदेशी प्रणालियों ने पूरी दुनिया को चौंका दिया क्योंकि हमारे प्लेटफॉर्म, सिस्टम ने अपनी ताकत दिखाई।

पाकिस्तान को आतंक फैलाना भारी पड़ेगा

आज पाकिस्तान को आतंकवाद का कारोबार चलाने की भारी कीमत का एहसास हो गया है। हमने आतंकवाद के खिलाफ भारत के रुख को फिर से तैयार और परिभाषित किया है। हमने पाकिस्तान के साथ अपने संबंधों और बातचीत के दायरे को फिर से निर्धारित किया है। अब से जब भी बातचीत होगी, तो वह केवल आतंकवाद और पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पीओके) के बारे में होगी। पाकिस्तान के साथ किसी अन्य मुद्दे पर कोई चर्चा नहीं होगी।

अब 23,500 करोड़ का हुआ रक्षा निर्यात

रक्षा मंत्री ने कार्यक्रम में बताया कि भारत का रक्षा निर्यात अब 23,500 करोड़ रुपए के रिकॉर्ड आंकड़े पर पहुंच गया है। आज हम सिर्फ लड़ाकू विमान या मिसाइल सिस्टम नहीं बना रहे हैं। हम नए जमाने की युद्ध तकनीक की भी तैयारी कर रहे हैं। आज यह साबित हो गया है कि रक्षा में मेक-इन-इंडिया भारत की सुरक्षा और समृद्धि दोनों के लिए आवश्यक है।

भारतीय प्रतिनिधिमंडल ने इंडोनेशिया को बताई पाकिस्तान की करतूत

इंडोनेशिया ने भारत को दिलाया भरोसा कहा आतंकवाद के खिलाफ लड़ाई में देंगे पूरा साथ

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

जनता दल यूनाइटेड (जेडीयू) नेता संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल इंडोनेशिया दौरे पर है। संजय कुमार झा के नेतृत्व वाले प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को इंडोनेशिया के विचारकों, विद्वानों और शोधकर्ताओं के साथ महत्वपूर्ण चर्चा की।

इंडोनेशिया ने कहा पूरी दुनिया से आतंक खत्म होना जरूरी

सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व कर रहे जेडीयू सांसद संजय कुमार झा ने बातचीत में कहा कि हमने आसियान के महासचिव से मुलाकात की। हम यहां के उप विदेश मंत्री और स्थानीय थिंक टैंक के प्रतिनिधियों से भी मिले। हमें बहुत सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली है। इंडोनेशिया एक बहुसांस्कृतिक समाज है, जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं, लेकिन भारत के रुख को लेकर यहां बहुत सम्मान है। हाल में भारत पर हुए हमले की यहां के राष्ट्रपति ने निंदा की थी। हमने इस घटना और 'ऑपरेशन सिंदूर' के संबंध में यहां अपना पक्ष स्पष्ट रूप से रखा है। भाजपा सांसद बृजलाल ने बातचीत में कहा, इंडोनेशिया में बहुत अच्छी बातचीत हुई है।

हमने यहां नेताओं से बात की, फिर कल शाम हमने आसियान राजदूतों से बातचीत की और गुरुवार को हमने थिंक टैंक से मुलाकात की। हमने उनके साथ भारत की स्थिति साझा की। हमने कहा कि भारत एक शांतिप्रिय देश है। हम अब दुनिया की चौथी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था हैं और 2047 तक विकसित राष्ट्र बनने का लक्ष्य रखते हैं। हालांकि, हमारे पड़ोसी की मानसिकता सही नहीं है। समय-समय पर वह आतंकवादी गतिविधियों में लिप्त रहता है, जो हमारे विकास में बाधा डालता है। हमने इसे यहां स्पष्ट रूप से व्यक्त किया है।

- इंडोनेशिया बहुसांस्कृतिक समाज का देश है, जहां मुस्लिम बहुसंख्यक हैं
- भारत के रुख को लेकर इंडोनेशिया बहुत सम्मान देता है

इंडोनेशिया ने भारत को दिया समर्थन

कांग्रेस नेता सलमान खुर्शीद ने बताया, मुझे खुशी इस बात से है कि इंडोनेशिया की समझ और सोच बहुत ही सकारात्मक है। इंडोनेशिया का अनुभव और यहां की जनसंख्या की स्थिति भारत से काफी मिलती-जुलती है। हमें यहां आकर काफी सकारात्मक प्रतिक्रिया मिली। इंडोनेशिया भी आतंकवाद को लेकर चिंतित है और वह भी इसका सामना कर चुके हैं, इसलिए हमारी चिंताएं और परेशानियां उन्हें अच्छी तरह समझ आती हैं। उन्होंने आतंकवादी हमले की निंदा की और भारत को अपना समर्थन भी दिया है। मैं मानता हूं कि हमारे प्रतिनिधिमंडल का इंडोनेशिया दौरा काफी सफल रहा है।

आतंकवाद पर पाकिस्तान का विरोध

भाजपा सांसद अपराजिता सारंगी ने कहा कि इंडोनेशिया में बहुत अच्छा अनुभव रहा है। हमारे प्रतिनिधिमंडल के सभी सदस्यों ने यहां के राजनेताओं से मुलाकात की और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिकों से भी बातचीत की। यह कहना अतिशयोक्ति नहीं होगा कि सभी लोग आतंकवाद के खिलाफ हैं। सभी ने आतंकवाद के उन्मूलन की इच्छा जाहिर की। सभी का मानना है कि भारत एक शांतिप्रिय देश है और आतंकवाद को बर्दाश्त नहीं करता। भारत लगातार अपने विकास पर केंद्रित है। अगर पाकिस्तान आतंकवाद को बढ़ावा देता है, तो इसका विरोध अंतरराष्ट्रीय समुदाय करेगा।

पाक ने आतंकियों के खिलाफ कुछ नहीं किया

जेडीयू सांसद संजय झा के नेतृत्व में सर्वदलीय प्रतिनिधिमंडल के सदस्य और टीएमसी सांसद अभिषेक बनर्जी ने इंडोनेशिया की राजधानी जकार्ता में कहा, 'पाकिस्तान अपनी अर्थव्यवस्था में संकट का सामना कर रहा है, जबकि भारत तेजी से विकास कर रहा है। हम चाहते हैं कि आप सही के लिए खड़े हों और इस मुद्दे को महत्वपूर्ण बहुपक्षीय मंचों पर उठाएं।

पाकिस्तान पर अफगानिस्तान ने किया हमला

बीएलए ने किया दावा कहा दोनों देशों के बीच जंग शुरू

अफगानिस्तान की सेना पाक के अंदर घुसी

एजेंसी ▶▶ काबुल

भारत के साथ ऑपरेशन सिंदूर में तगड़ी मार खाने के बाद पाकिस्तान पर एक और बड़ी मुसीबत आ गई है। बलूचिस्तान आर्मी ने दावा किया है कि पाकिस्तान पर अफगानिस्तान की सेना ने हमला शुरू कर दिया। बीएलए का दावा है कि अफगानिस्तान की सेना पाकिस्तान के अंदर घुस गई है।

बीएलए ने एक वीडियो भी शेयर किया है, जिसमें पाकिस्तान-अफगानिस्तान के बॉर्डर पर बमबारी और टैंकों की तैनाती दिखाई गई है। बताया जा रहा है कि पहले पाकिस्तान ने अफगानिस्तान के कुछ इलाकों पर गोलीबारी की थी। इसके बाद अफगानिस्तान की ओर से

तालिबान आर्मी ने जवाबी कार्रवाई शुरू की है। रिपोर्टों के अनुसार, अफगानिस्तान की ओर से पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में हमला किया गया है। इस हमले का दावा बलूचिस्तान लिबरेशन आर्मी (बीएलए) ने किया है। घटना के बाद दोनों देशों के बीच सैन्य गतिरोध बढ़ गया है और सीमावर्ती इलाकों में हाई अलर्ट जारी कर दिया गया है।

कम्युनिस्ट पार्टी से जुड़े होने का शक

अमेरिका बड़े पैमाने पर चीनी छात्रों का रद्द करेगा वीजा

वॉशिंगटन। अमेरिका ने चीनी छात्रों के वीजा को बड़े पैमाने पर रद्द करने की घोषणा की है। विदेश मंत्री मार्को रुबियो ने कहा कि विदेश मंत्रालय, गृह सुरक्षा मंत्रालय के साथ मिलकर यह काम करेगा। रुबियो ने बताया कि ऐसे चीनी छात्रों का वीजा रद्द किया जाएगा, जिनका चीनी कम्युनिस्ट पार्टी (सीसीपी) से संबंध है या जो टेक्निकल फिल्ड में पढ़ाई कर रहे हैं। उन्होंने कहा, हम भविष्य में चीन और हॉन्गकॉन्ग से आने वाले वीजा आवेदनों की जांच को और सख्त करेंगे। अमेरिका का दावा है कि यह फैसला राष्ट्रीय सुरक्षा के लिए जरूरी है। सीसीपी छात्रों के जरिए संवेदनशील जानकारी हासिल कर सकता है। यह कदम अमेरिका में चीनी छात्रों की संख्या को कम करेगा। इस पर चीनी विदेश मंत्रालय की प्रवक्ता माओ निंग ने कहा-अमेरिका ने विचारधारा और राष्ट्रीय अधिकारों के नाम पर चीनी छात्रों के वीजा को गलत तरीके से रद्द किया है।

नरवाल में सड़क किनारे मिले तीन मोर्टार, पुलिस ने किए नष्ट

सुरक्षाबलों ने पकड़े दो आतंकी, दो एके-56 समेत कई हथियार बरामद

एजेंसी ▶▶ जम्मू

जम्मू-कश्मीर में सुरक्षाबलों को बड़ी सफलता मिली है। शोपियां में एक ऑपरेशन के दौरान दो हाइब्रिड आतंकियों ने सरेंडर किया है। सुरक्षाबलों ने दहशतगर्दों के पास से भारी मात्रा में हथियार बरामद किए हैं। जानकारी के अनुसार, विशेष इनपुट के बाद सुरक्षाबलों ने बसकुचन में एक कासो लॉन्च किया। सुरक्षाबलों ने इलाके को घेर लिया। पास के एक बाग में आतंकवादियों की गतिविधि देखी गई थी। अभियान के बाद लश्कर के दो हाइब्रिड आतंकी इरफान बशीर और उजैर सलाम ने आत्मसमर्पण कर दिया।

4 मैगजीन, 102 राउंड, 2 हैंड ग्रेनेड मिले

उनके पास से दो एके-56 राइफलें, चार मैगजीन, 102 राउंड, दो हैंड ग्रेनेड, दो पाउच आदि बरामद किए गए। शोपियां पुलिस ने बताया कि संबंधित धाराओं के तहत एफआईआर दर्ज कर ली गई है और जांच जारी है। वहीं, जम्मू शहर के नरवाल ट्रांसपोर्ट नगर में आरटीओ कार्यालय जाने वाली सड़क किनारे तीन मोर्टार मिले।

बम निरोधक दल ने की जांच

बुधवार को नरवाल पुलिस को सूचना मिली थी कि ट्रांसपोर्ट नगर में सड़क किनारे मोर्टार पड़ा है। इसके बाद पुलिस और बम निरोधक दस्ता मौके पर पहुंचा। जांच की तो दो और मोर्टार मिले। इसके बाद दो और बम निरोधक दस्ते पहुंचे और पूरे इलाकों को खंगाला।

300 बच्चों का रेपिस्ट डॉ. डायरी में कबूलता रहा गुनाह

पेरिस। फ्रांस की एक अदालत ने 74 वर्षीय रिटायर्ड सर्जन को 20 साल की जेल की सजा सुनाई है। वह 25 वर्षों तक अस्पतालों में काम करते हुए करीब 300 मरीजों का यौन शोषण और रेप करता रहा, पीड़ितों में ज्यादातर बच्चे थे। डॉक्टर ने अदालत ने अपना जुर्म कबूल कर लिया है। उसके पास एक डायरी भी मिली है, जिसमें उसने खुद को यौन विकृति से ग्रसित इंसान बताया और यह भी लिखा कि यह टैग उसे खुशी देता है। जानकारी के अनुसार, 'हैवान' डॉक्टर जोएल ले स्कुअर्ने ने जिन 300 मरीजों का यौन शोषण किया, उनमें से 256 पीड़ित 15 साल से कम उम्र के थे।

दरार के पीछे एक विधेयक है और नौकरियां जाने से अमेरिकियों की नाराजगी

बिग ब्यूटीफुल बिल पर मस्क और ट्रंप के बीच मतभेद

दो हजार करोड़ की फंडिंग करने वाले मस्क ने राष्ट्रपति ट्रंप से खफा होकर तोड़ लिया नाता

▶▶ सरकारी अमले में करीब 12 प्रतिशत की कटौती कर दी

एजेंसी ▶▶ वॉशिंगटन

अरबपति कारोबारी एलन मस्क ने ट्रंप प्रशासन से अलग होने का एलान कर दिया है। मस्क अब सरकारी दक्षता विभाग (डोओजीई) के प्रमुख नहीं होंगे। मस्क ने सोशल मीडिया मंच एक्स पर साझा एक पोस्ट के जरिए इसकी जानकारी दी। मस्क ने बताया कि बतौर विशेष सरकारी कर्मचारी उनका समय खत्म हो गया है। खास बात ये है कि मस्क ने अचानक से पद छोड़ने का ऐलान किया है और व्हाइट हाउस के अधिकारियों ने बताया कि मस्क का इस तरह से अचानक ट्रंप सरकार से नाता तोड़ना हैरान कर रहा है। खासकर तब जब मस्क, ट्रंप के धुर समर्थक

2 लाख 60 हजार लोगों को नौकरी से निकाला

रहे और मस्क ने चुनाव प्रचार के दौरान न सिर्फ ट्रंप की प्रचार टीम को करीब दो हजार करोड़ रुपए की भारी-भरकम फंडिंग की बल्कि ट्रंप के पक्ष में जमकर रैलियां भी कीं।

सरकारी दक्षता विभाग के कामकाज पर उठे सवाल

सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर एलन मस्क ने सरकारी खर्च को कम करने के लिए अमेरिका सरकार के कार्यबल में करीब 12 प्रतिशत की कटौती की। इससे करीब 2,60,000 लोगों की नौकरियां गईं। इसे लेकर सरकारी दक्षता विभाग के प्रति लोगों में नाराजगी तो थी ही, साथ ही कई विपक्षी नेताओं और सरकारी वॉचडॉग्स ने सरकारी दक्षता विभाग पर अपारदर्शी और मनमाने तरीके से काम करने का आरोप लगाया था। साथ ही मस्क पर अपने अधिकारक्षेत्र से बाहर जाकर काम करने का भी आरोप लगा।

नौकरियां जाने से लोगों के निशाने पर आए ट्रंप

एलन मस्क को सरकारी दक्षता विभाग के प्रमुख के तौर पर सरकारी खर्च में कटौती का लक्ष्य दिया गया था। इसके लिए मस्क ने कई गैरजरूरी विभागों को या तो बंद करने की सलाह दी या फिर उनकी फंडिंग कम करने का सुझाव दिया। इसके चलते अमेरिका में बड़े पैमाने पर लोगों की नौकरियां गईं। नौकरियां जाने से लोगों के मन में एलन मस्क के प्रति नाराजगी आई। इसका असर ये हुआ कि लोगों ने मस्क की इलेक्ट्रिक कार निर्माता कंपनी टेस्ला और उसकी कारों को निशाना बनाना शुरू कर दिया। इससे टेस्ला की बिक्री कम हुई और उसके शेयरों में भी गिरावट देखी गई।

अप्रवासन को बढ़ावा देने वाला विधेयक

दावा किया जा रहा है कि एलन मस्क और डोनाल्ड ट्रंप की दोस्ती में दरार आ गई है और कुछ मुद्दों पर दोनों के बीच मतभेद हैं। टेस्ला के मालिक एलन मस्क ने अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के सबसे अहम विधेयक 'बिग ब्यूटीफुल बिल' की खुलकर आलोचना की है। टैक्स में कटौती और कड़ी अप्रवासन नीति को बढ़ावा देने के लिए यह विधेयक लाया जा रहा है। इस विधेयक को अमेरिकी संसद के निचले सदन से मंजूरी मिल चुकी है और अब इसे उच्च सदन सीनेट में पेश किया जाएगा। एलन मस्क इस विधेयक से नाराज बताए जा रहे हैं। उनका कहना है कि इस विधेयक से सरकारी खर्च और सरकारी घाटा, दोनों बढ़ेंगे।

अवैध ट्रैवल एजेंटों के झांसे में न फंसने की दी सलाह

तहरान से लापता हुए 3 भारतीयों की तलाश में जुटी ईरानी एजेंसी

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

ईरान में लापता हुए तीन भारतीय नागरिकों को खोजने के लिए जांच शुरू कर दी गई है। साथ ही ईरान ने एक एडवाइजरी जारी कर भारतीय नागरिकों से अवैध ट्रैवल एजेंटों के झांसे में न आने की एडवाइजरी जारी की है।

ईरान में लापता हुए तीन नागरिक पंजाब के संगरूर, नवांशहर और होशियारपुर जिलों के रहने वाले हैं। नई दिल्ली में ईरानी दूतावास ने एक बयान जारी कर गुरुवार को कहा कि तीन भारतीय नागरिकों के लापता होने के मामले की जांच ईरान के विदेश मंत्रालय के कांसुलर मामलों के

विभाग द्वारा संबंधित न्यायिक अधिकारियों के साथ समन्वय में की जा रही है। जानकारी के अनुसार, तीनों व्यक्तियों को एक अवैध ट्रैवल एजेंट ने ऑस्ट्रेलिया में वर्क परमिट का वादा करके धोखा दिया था। इसके बजाय एजेंट ने उन्हें कुख्यात 'डंकी रूट' के माध्यम से ईरान भेज दिया जो मानव तस्करों द्वारा अवैध प्रवासन के लिए अक्सर इस्तेमाल किया जाता है।

हाईकोर्ट ने पिता और बेटी दोनों के दावों के जांच के आदेश दिए, गिरफ्तारी पर सुरक्षा दी

नाबालिग बेटी को तलाशने लगाई याचिका, पिता पर ही लगाया उत्पीड़न का आरोप, एफआइआर के निर्देश

हरिभूमि . जबलपुर

मप्र उच्च हाईकोर्ट में एक बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका की सुनवाई के नाबालिग बेटी ने पिता पर ही उत्पीडऩ का आरोप लगाया और पिता के साथ जाने से इनकार कर दिया। मामले को गंभीरता से लेते हुए जस्टिस अतुल श्रीधरन और जस्टिस अनुराधा शुक्ला की डिवीजन बेंच ने पिता पर पॉक्सो एक्ट के तहत प्रकरण दर्ज करने के आदेश दिए। साथ ही यह भी कहा कि पिता और बेटी के दावों की जांच करने की जरूरत है, इसलिए याचिकाकर्ता को आवश्यक नहीं होने पर गिरफ्तारी नहीं की जाए।

मामला जबलपुर का है। जहां के निवासी व्यक्ति ने बंदी प्रत्यक्षीकरण याचिका दाखिल कर नाबालिग बेटी की तलाश करने के लिए हाईकोर्ट से गुहार लगाई। उसने कोर्ट को बताया कि नाबालिग बेटी रहस्यमय ढंग से गायब हो गई थी। जिसकी शिकायत तिलवारा थाना में दर्ज कराई थी। लेकिन पुलिस उसे तलाश नहीं कर पाई। पिता ने बेटी को बहकाने और घर छुड़वाने में कुछ लोगों की भूमिका का भी उल्लेख किया था। साथ ही बेटी को बंधक बनाकर रखने का संदेह जताया था। हाईकोर्ट के निर्देश पर पुलिस ने नाबालिग को ढूंढ निकाला और कोर्ट के समक्ष पेश किया।

पिता पर गंभीर आरोप

अपने बयान में नाबालिग ने पिता पर ही गंभीर आरोप लगाए। उसने बताया कि एक लाख रुपए लेकर पिता ने शादी तय कर दी थी। व्यवहार भी ठीक नहीं था और गलत तरीके से छूते हुए उत्पीडऩ करते थे। पिता के साथ खुद को असुरक्षित महसूस करती थी, इसलिए वह सहेली के पास चली गई थी और उसी के साथ रहना चाहती है। उसने पिता के साथ जाने से इनकार कर दिया। पिछले महीने दिए गए फैसले में कोर्ट ने कहा कि लडक़ी के आरोप गंभीर हैं, इसलिए पुलिस को मामला दर्ज करना चाहिए। हालांकि, अदालत ने स्पष्ट किया कि पुलिस को पहले जांच करनी होगी और आरोपों में सच्चाई मिलने पर ही गिरफ्तारी करनी चाहिए। अदालत ने यह भी निर्देश दिया कि जब तक लडक़ी 18 वर्ष की नहीं हो जाती, वह नारी निकेतन में ही रहेगी। उसके बाद उसे अपनी इच्छानुसार भविष्य का निर्णय लेने की स्वतंत्रता होगी।

अधिवक्ता का मोनो व बोर्ड का गलत इस्तेमाल करने वालों पर होगी कार्रवाई

जबलपुर। अधिवक्ता का मोनो व बोर्ड का गलत इस्तेमाल करने वालों पर अब कड़ी कार्रवाई की जाएगी। स्टेट बार काउंसिल ने इस संबंध में विधि छात्रों व न्यायिक कर्मचारियों को चेतावनी दी है। मप्र राज्य अधिवक्ता परिषद के वाइस चेयरमेन आरके सिंह सैनी ने बताया कि प्रदेश से कई शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि विधि की पढ़ाई करने वाले छात्र न्यायालय में काला कोट पहनकर स्वयं को अधिवक्ता बताकर में पैरवी कर रहे हैं। साथ ही पुलिस थाने में भी स्वयं को अधिवक्ता बताकर पक्षकार की पैरवी कर रहे हैं। विधि के छात्रों द्वारा अपने घरों में अधिवक्ता का बोर्ड भी लगाया जा रहा है और उनके द्वारा पक्षकारों को गलत सलाह दी जा रही है।

प्रदेश के कई तहसीलों व जिलों से इस तरह की कई शिकायतें प्राप्त हो रही हैं कि संघों के कुछ पदाधिकारियों द्वारा ऐसे छात्रों का दुरोपयोग किया जा रहा है और अपने अवैध कार्यों को कराये जाने के लिये उनका इस्तेमाल किया जा रहा है जो कि विधि विरूद्ध है। सैनी ने स्पष्ट किया है कि ऐसे विधि के छात्रों का नाम परिषद के पास हैं। उन्हें पढ़ाई पूरी होने के बाद परिषद में नामांकन के समय दिक्कत का सामना करना पड़ेगा। उन्होंने कहा कि जब तक परिषद में नामांकन नहीं हो जाता तब तक कोई भी अपने घर या अपने वाहनों में अधिवक्ता का बोर्ड या एडवोकेट मोनो नहीं लगा सकते। ऐसा करने वालों के खिलाफ संबंधित प्रधान जिला न्यायाधीश के समक्ष शिकायत की जायेगी, क्योंकि यह विधि विरुद्ध व दंडनीय है।

कुशवाहा समाज के चुनाव पर रोक लगाने से इनकार

जबलपुर। व्यवहार न्यायाधीश वर्ग-1 फरहान मसूद कुरैशी की अदालत ने जबलपुर संभागीय कुशवाहा समाज के चुनाव पर रोक लगाने से इनकार कर दिया। दरअसल, श्री पंचमुखी हनुमान मंदिर ₹कुशवाहा धाम₹ गौरीघाट जबलपुर के मुख्य चुनाव अधिकारी वृन्दावन वर्मा ने संभागीय कुशवाहा समाज का चुनाव कार्यकम घोषित किया है। इसके अनुसार 8 जून 2025 को मतदान होना है। जबलपुर निवासी खेमचन्द पटैल व अन्य ने उक्त चुनाव रोकने कोर्ट में परिवाद दायर किया था। परिवाद में मन्जूलाल पटेल, राजेन्द्र पटेल, बैजनाथ पटेल एवं रजिस्ट्रार फर्म एवं सोसायटी को पक्षकार बनाया गया था। अनावेदकों की ओर से अधिवक्ता धनराज सिंह चौधरी व शशिभूषण सिंह ने दलील दी कि चुनाव वैधानिक रूप से हो रहे हैं। चुनाव प्रक्रिया प्रारम्भ हो जाने के बाद चुनाव नहीं रोके जा सकते। कोर्ट ने स्टे आवेदन निरस्त कर दिया।

डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश अभियान के तहत गौरीघाट में किया गया जनसम्पर्क

नर्मदा आरती में शामिल श्रद्धालुओं को प्रवेश प्रक्रिया की दी जानकारी

जबलपुर।

प्रदेश के पॉलिटेक्निक महाविद्यालयों में प्रवेश हेतु रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया से जन सामान्य एवं पात्र विद्यार्थियों को जागरूक एवं अवगत कराने आज गुरुवार को कलानिकेतन पॉलिटेक्निक महाविद्यालय जबलपुर की एनसीसी यूनिट ने कैप्टन कमलेश मेहरा और एचओडी प्रिंटिंग टेक्नोलॉजी संजय शर्मा के नेतृत्व में गौरीघाट में नर्मदा महाआरती में शामिल हुये श्रद्धालुओं को रजिस्ट्रेशन प्रक्रिया से अवगत कराया तथा जन सामान्य और विशेष रूप से छात्र छात्राओं को जागरूक किया। कलानिकेत पॉलिटेक्निक कॉलेज के प्राचार्य डॉ आर पी पांडे के अनुसार नर्मदा महाआरती में शामिल श्रृद्धालुओं को बताया गया कि महाविद्यालय में प्रवेश प्रक्रिया में सहायता के लिए महाविद्यालय में मार्गदर्शन कक्ष भी कार्य कर रहा है, जो कि पूरे समय छात्र छात्राओं को सहायता करता है।प्राचार्य ने बताया कि महाविद्यालय द्वारा गौरीघाट में प्रदर्शक केनोपी स्थापित की जा रही है, जहाँ अपरान्ह 3 बजे से रात्रि 9 बजे तक जागरुकता एवं मार्गदर्शन हेतु कार्य किया जाएगा।

जल्दी चिकिन मांगने पर दुकानदार ने ग्राहक को बका मारा

जबलपुर। पनागर थाना अतंर्गत ग्राम बघेली में जल्दी चिकिन मांगने की बात पर दुकानदार ने युवक के साथ मारपीट कर जान से मारने की नीयत से बका से हमला कर दिया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है। पनागर पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार ग्राम बघेली पनागर निवासी 23 वर्षीय लवकेश यादव गत शाम 7 बजे मल्लू गोटिया की चिकिन की दुकान पर चिकिन लेने गया था, जहां पर काफी भीड़ थी। लवकेश ने मल्लू से जल्दी चिकिन देने को कहा तो, मल्लू गालीगलौज करने लगा, विरोध करने पर हत्या करने की नीयत से बका से उसके पेट पर हमला कर घायल कर दिया। पुलिस ने आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 109 बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

4 बदमाशों ने चाकू से आटो चालक पर किया जानलेवा हमला

जबलपुर। रांझी थाना अतंर्गत कलारी के पास चार बदमाशों ने एक आटो चालक के साथ मारपीट कर चाकू से प्राणघातक हमला कर दिया। घायल युवक को उपचार के लिए अस्पताल में भर्ती कराया गया है।रांझी पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गोकलपुर रांझी निवासी 25 वर्षीय आटो चालक मनोज सेन गत रात 10 बजे कलारी के पास सवारी उतार रहा था, तभी आकाश बग्गा एवं सागर चौधरी अपने दो साथियों के साथ बाईके से आये और गालीगलौज कर आज कल तू बहुत छेड़छाड़ कर रहा है कहते हुए आकाश बग्गा एंव सागर चौधरी ने उस पर चाकू से हमला कर दिया तथा अन्य दो लोगों ने उसके साथ मारपीट कर पैरो में चोटे पहुंचा दी तथा चारों ने जान से मारने की धमकी दी। घायल को उपचार के लिए मेडीकल कॉलेज रेफर कर दिया गया है। पुलिस ने चारों आरोपियों के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 109, 351(2), 3(5) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

खमरिया ऑर्डनेंस फैक्ट्री में हड़ताल की तैयारी

स्ट्राइक बैलेट में 2598 कर्मचारियों का समर्थन

जबलपुर।

इंडियन नेशनल डिफेंस वर्कर्स फेडरेशन के राष्ट्रव्यापी आह्वान पर आयुध निर्माणी खमरिया में 9 जुलाई को प्रस्तावित हड़ताल को लेकर माहौल गर्म है। हड़ताल के समर्थन में सुरक्षा कर्मचारी यूनियन (इंटक) की खमरिया इकाई द्वारा फैक्ट्री के सभी गेटों पर स्ट्राइक बैलेट कराया गया, जिसमें भारी संख्या में कर्मचारियों ने भाग लिया। इस हड़ताल का उद्देश्य निगमीकरण रद्द करने, पुरानी पेंशन योजना बहाल करने और श्रम कानूनों में किए गए संशोधनों का विरोध जताना है। यूनियन नेताओं के अनुसार, कर्मचारियों में इन मुद्दों को लेकर लंबे समय से असंतोष है और अब वे संगठनात्मक तरीके से अपनी आवाज़ उठाने को तैयार हैं।

स्ट्राइक बैलेट प्रक्रिया में कुल 3021 औद्योगिक और अनौद्योगिक कर्मचारी सूचीबद्ध थे, जिनमें से 2642 कर्मचारी मतदान के लिए उपस्थित रहे। 379 कर्मचारी अनुपस्थित रहे, वहीं 32 कर्मचारियों ने मतदान नहीं किया। केवल 12 कर्मचारियों ने हड़ताल के विरोध में मत डाला, जबकि भारी बहुमत यानी 2598 कर्मचारियों ने हड़ताल के समर्थन में वोट दिया। यह आंकड़ा साफ दर्शाता है कि फैक्ट्री के अधिकांश कर्मचारी 9 जुलाई की हड़ताल को लेकर एकमत हैं।

मतदान प्रक्रिया को शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराया गया, जिसमें यूनियन के प्रमुख प्रतिनिधि अरुण दुबे, आनंद शर्मा, अखिलेश पटेल, राकेश शर्मा, महेंद्र रजक, धर्मेंद्र रजक, राकेश रंजन, अमित चौबे और मुकेश विनोदिया ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। सभी गेटों पर कर्मचारियों से संपर्क कर उन्हें हड़ताल के महत्व और उसके उद्देश्यों से अवगत कराया गया।

यूनियन नेताओं ने कहा कि यह हड़ताल कर्मचारियों के अधिकारों की रक्षा और भविष्य को सुरक्षित करने के लिए आवश्यक कदम है। यदि सरकार और प्रबंधन की ओर से कर्मचारियों की मांगों पर गंभीरता से विचार नहीं किया गया, तो 9 जुलाई को आयुध निर्माणियों में बड़े पैमाने पर कार्यबहिष्कार देखा जा सकता है।

नाती ने नानी का गला दबाकर, हाथ मरोड़ा

जबलपुर। गोराबाजार थाना अतंर्गत टेमरभीटा इमली मोहल्ला में शराब पीने के लिए रुपए नहीं मिलने की बात पर एक नाती ने अपनी नानी के साथ गालीगलौज कर गला दबाते हुए धक्का देकर नीचे गिरा दिया और हाथ मरोड़कर जान से मारने की धमकी दी।

गोराबाजार पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार टेमरभीटा इमली मोहल्ला निवासी 95 वर्षीय श्रीमति सम्पत बाई पटेल के घर गुरुवार की सुबह 8 बजे नाती विजय पटेल आया और शराब पीने के लिए 500 रुपए की मांग करने लगा, रुपए देने से मना करने पर गालीगलौज कर गला दबा दिया और धक्का देकर नीचे गिरा दिया तथा हाथ मरोड़ दिया। चिल्लाने की आवाज सुनकर घर के लोग आए तो आरोपी ने जान से मारने की धमकी दी। पुलिस ने आरोपी नाती के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 296, 119(1), 351(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

वीवीआईपी मूवमेंट को लेकर प्रशासन अलर्ट

जबलपुर में कांग्रेस की शक्ति प्रदर्शन की तैयारी चरम पर

जबलपुर। कल 31 मई को जबलपुर के ऐतिहासिक शहीद स्मारक मैदान में प्रस्तावित जय हिन्द सभा को लेकर कांग्रेस की तैयारियाँ अपने चरम पर हैं। इस सभा को ऐतिहासिक बनाने के लिए मध्य प्रदेश कांग्रेस कमेटी (पीसीसी) के अध्यक्ष जीतू पटवारी की अगुवाई में कांग्रेस का समूचा जिला और शहर संगठन एकजुट होकर जुटा हुआ है।सभा को सफल बनाने के लिए जबलपुर में विधानसभा-वार और वार्ड-वार बैठकें लगातार चल रही हैं। शहर से भीड़ जुटाने की जिम्मेदारी कांग्रेस के पार्षदों, वार्ड अध्यक्षों और मंडल अध्यक्षों को दी गई है, वहीं ग्रामीण इलाकों से भीड़ लाने की जिम्मेदारी विधानसभा प्रभारियों को सौंपी गई है।

प्रमुख नेता करेंगे सभा को संबोधित

सभा में कांग्रेस के दिग्गज नेताओं के शामिल होने की संभावना है। इसमें छत्तीसगढ़ के पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल, कांग्रेस के राष्ट्रीय महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला, मध्य प्रदेश के पूर्व मुख्यमंत्री कमलनाथ और दिग्विजय सिंह, प्रदेश अध्यक्ष जीतू पटवारी और राज्यसभा सांसद विवेक कृष्ण तन्खा का आना लगभग तय माना जा रहा है। हालांकि, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी और कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा का कार्यक्रम में शामिल न होना लगभग निश्चित है। इसके बावजूद पार्टी कार्यकर्ताओं में उत्साह की कोई कमी नहीं दिख रही है।

बारिश बनी सबसे बड़ी चुनौती

सभा आयोजन के लिहाज से सबसे बड़ी चुनौती मौसम बनकर उभर रही है। मौसम विभाग ने बारिश की आशंका जताई है, जिसे देखते हुए आयोजन स्थल पर विशाल वाटरप्रूफ डोम बनाया जा रहा है, ताकि सभा के दौरान बारिश से कार्यक्रम बाधित न हो।

सुरक्षा व्यवस्था कड़ी

कार्यक्रम में वीवीआईपी मूवमेंट को देखते हुए जिला प्रशासन भी पूरी तरह अलर्ट मोड में आ गया है। सुरक्षा व्यवस्था के तहत अतिरिक्त पुलिस बल की तैनाती, सभा स्थल के आसपास यातायात नियंत्रण, विवेकापूर्ण पार्किंग व्यवस्था, और नाका बिंदुओं पर विशेष निगरानी जैसी तैयारियाँ की जा रही हैं।

उत्तर मध्य में बैठक

सभा की तैयारियों को लेकर विधानसभा वार बैठकों का दौर जारी है। गुरुवार को उत्तर मध्य विधानसभा की बैठक आजाद पैलेस में आयोजित की गई. वहीं बैठक के बाद सभी नेताओं ने गोलबाजार में सभा स्थल का निरीक्षण किया।

डीएपी व सुपरफास्फेट खाद की पर्याप्त आपूर्ति की जाए

जबलपुर। देश में समय से पूर्व मानसून ने दस्तक दे दी है जो कि अतिशीघ्र केरल पहुंचकर आगे बढ़ेगा। ऐसे समय में किसानों को खरीफ सीजन में धान की बोआई के लिए आधार खाद के रूप में डीएपी व सुपरफास्फेट की आवश्यकता होती है। जिसको लेकर भारतीय किसान संघ महाकौशल प्रांत के महामंत्री प्रहलाद सिंह पटेल ने सरकार व प्रशासन से किसानों को डीएपी व सुपरफास्पेट खाद उपलब्ध कराने के लिए पर्याप्त आपूर्ति कर भंडारण करने की मांग की है। श्री पटेल ने कहा कि पंद्रह जून से किसानों के धान के रोपा की बोआई शुरू हो जाएगी। जिसके लिए किसानों को पर्याप्त डीएपी उपलब्ध कराकर उसके वितरण की समुचित व्यवस्था अभी से बनाई जाए। जिससे किसानों को लाईन में लगकर होने वाली परेशानी से बचाया जा सके।

खाद वितरण केंद्रों की सूची जारी हो

किसान संघ के प्रांत उपाध्यक्ष मोहन तिवारी ने कहा कि पिछले वर्ष खाद वितरण केंद्रों में भारी अव्यवस्था के चलते किसानों को घंटों लाइन में लगकर परेशान होना पड़ा था। साथ ही खुले बाजार में खाद की जमकर कालाबाजारी की गई थी। पिछले वर्ष जैसी स्थिति निर्मित न हों इसलिए सभी खाद वितरण केंद्र डबल लॉक पर अभी से खाद की आपूर्ति व भंडारण कर उन केंद्रों की सूची जारी की जाए। जिससे सभी किसानों को पारदर्शिता के साथ खाद वितरण सुनिश्चित हो सके।

नकली खाद व बीज विक्रेताओं पर हो कार्यवाही

किसान संघ के जिला मंत्री धनंजय पटेल ने प्रशासन से मांग करते हुए कहा कि खाद व बीज की कालाबाजारी रोकने के लिए अभी से ही कड़े कदम उठाए जाए। जिससे किसानों को गुणवत्तायुक्त खाद बीज आसानी से उपलब्ध हो सके। श्री पटेल ने बताया कि बाजार में दुकानों पर महंगी दरों पर धान के बीज 40 से 60 हज़ार रुपए प्रति क्विंटल की दर से विक्रय किए जा रहे हैं। प्रशासन से मांग है कि इन बीजों की गुणवत्ता की जांच की जाए, जिससे किसानों को नकली बीजों के कारण नुकसान न उठाना पड़े।

देवी अहिल्या की त्रिशताब्दी जयंती पर भाजपा ने किया संगोष्ठी का आयोजन

लोक कल्याण का कार्य कर रही हमारी सरकारें : श्रीमती पंकजा मुंडे

जबलपुर। लोकमाता देवी अहिल्या ने जिस तरह लोक कल्याण, सुशासन, महिला सशक्तीकरण के साथ ही अपनी संस्कृति और परंपरा को अक्षुण बनाए रखने के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया, उनके कार्यों को ही आदर्श मानकर केंद्र में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और राज्यों में हमारे मुख्यमंत्रीयों के नेतृत्व में हमारी सरकारें लोककल्याण का कार्य कर रही है, यह बात भाजपा को वरिष्ठ नेत्री महाराष्ट्र सरकार में कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे ने देवी अहिल्या बाई जी की जयंती के अवसर पर भाजपा द्वारा आयोजित संगोष्ठी को संबोधित करते हुए भाजपा कार्यालय रानीताल में कही।

देवी अहिल्या जी के त्रिशताब्दी जयंती के अवसर पर भाजपा द्वारा 10 दिवसीय कार्यक्रमों की श्रृंखला मे संगोष्ठी का आयोजन मप्र की पूर्व सह प्रभारी एवं महाराष्ट्र की कैबिनेट मंत्री पंकजा मुंडे के मुख्य आतिथ्य, भाजपा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर, सांसद आशीष दुबे, प्रदेश कोषाध्यक्ष अखिलेश जैन, वरिष्ठ नेता डॉ जितेंद्र जामदार, नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, पूर्व विधायक हरेंद्रजीत सिंह बब्बू, पूर्व महापौर सदानंद गोडबोले, स्वाति गोडबोले, दीपांकर बैनर्जी, राममूर्ति मिश्रा, राजकुमार मेहता, महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री अश्वनी परांजपे, जय सचदेवा, रूपा राव की उपस्थिति में भाजपा कार्यालय रानीताल में किया गया।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए श्रीमती पंकजा मुंडे ने कहा आज के कार्यक्रम की शुरुआत हमने हमारे संगठक और प्रेरणाश्रोत डॉश्यामा प्रसाद मुखर्जी पं दीनदयाल उपाध्याय जी और पुण्यश्लोक देवी अहिल्या के तैलय चित्र पर पुष्पांजलि के साथ की है हम सभी जानते है कि डॉ श्यामा प्रसाद मुखर्जी जी का सपना था कश्मीर से धारा 370 को हटाना, पं दीनदयाल जी का सपना था अंत्योदय को लाना और हमारे प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने हमारे पूर्वजों के सपने को पूरा करने का कार्य किया है और इन विचारो का उद्गम पुण्यश्लोक देवी अहिल्या जी के त्रिशताब्दी वर्ष कार्यक्रमों के माध्यम से लोगो के बीच पुण्यश्लोक के विचारो और कार्यों को ले जाने का कार्य कर रहे है।

स्वागत उद्बोधन एवं प्रस्तावना जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने रखते हुए कहा आज हम पुण्य अवसर पर एकत्र हुए एक ऐसी वीरांगना और सम्राज्ञी जिन्होंने धर्म संस्कृति और सनातन की रक्षा के लिए अपना जीवन समर्पित कर दिया और सुशासन के साथ ही अपनी प्रजा के उत्थान के लिए कार्य किया है।

संगोष्ठी को संबोधित करते हुए सांसद श्री आशीष दुबे ने कहा भारतीय जनता पार्टी जब किसी कार्यक्रम की रचना करती है तो उसके पीछे कोई विशेष कारण होता है। हमारा राष्ट्र सर्वोपरि है पर राष्ट्र को बचाना है तो इसकी संस्कृति, परंपरा को बचाना होगा और हमारे महापुरुषों और महादेवियो के योगदान को जन जन तक पहुंचाना होगा। देवी अहिल्या जी के 300वीं जयंती पर भाजपा ने 10 दिवसीय कार्यक्रमों की रचना की और विभिन्न कार्यक्रमों के माध्यम से हमने भारत के इतिहास के उन पन्नों को पलटने का प्रयास किया है जिन्हे वर्तमान की युवा पीढ़ी और आने वाली पीढ़ी नही जानती थी और देवी अहिल्या के जीवन में किए कार्यों को हमने जाना और समझा है।

इस अवसर पर संदीप जैन, वाणी अहलूवालिया, अभय सिंह ठाकुर, कैलाश साहू, रोहित जैन, अंजु भार्गव, तृष्णा चटर्जी, डिंपी विश्वकर्मा, रेणु कोरी, मधुबाला राजपुत, रीना राय, लालू यादव, कुंडल राव, सुमन यादव, प्रियंका श्रीवास्तव, शोभना बिलैया, आभा साहू, संजय यादव, शिवा चौधरी, कमलेश अग्रवाल, श्रीराम शुक्ला, नंदकुमार यादव, दीप महदेले, चक्रेश नायक, संतोष यादव, शैलेंद्र विश्वकर्मा, प्रशांत दुबे, राहुल रजक, अकील अंसारी, सुषमा जैन, विभा उपाध्याय, कल्पना तिवारी, दीपमाला सोनकर, माधुरी सोनकर, नीता रजक, दीपमाला केसरवानी, अर्चना अग्रवाल, लवलीन आनंद, दीपिका चौहान, श्रीकान्त साहू, रवि शर्मा, ट्विंकल शाह आदि उपस्थित थे।

खबर संक्षेप

अंकित धनगर जबलपुर (शहर) प्रतिनिधि नियुक्त

जबलपुर। देवी अहिल्या कल्याण बोर्ड मध्यप्रदेश शासन भोपाल के चेयरमेन डॉ. राजेन्द्र सिंह पाल ने अंकित धनगर रामपुर निवासी को जबलपुर शहर का बोर्ड प्रतिनिधि नियुक्त किया है। इनकी नियुक्ति पर धनगर समाज में खुशी की लहर दौड़ गई और धनगर समाज के प्रदेशाध्यक्ष ने बधाई दी।

निजीकरण के विरोध में 26 जून को होगी राष्ट्रव्यापी हड़ताल

जबलपुर। मध्यप्रदेश विद्युत कंपनी जनता यूनियन ने निजीकरण के विरोध में 26 जून को होने जा रही राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन करते हुए कहा कि फरवरी 2025 में नागपुर में देश भर के तमाम कर्मचारी इंजीनियर प्रतिनिधियों का कनवर्सन हुआ था, जिसमें सर्वसम्मति से 26 जून को देशव्यापी हड़ताल करने का प्रस्ताव पारित किया गया, इसी परिप्रेक्ष्य में मप्र विद्युत कंपनियों की जनता यूनियर द्वारा इस राष्ट्रव्यापी हड़ताल का समर्थन किया गया है। यूनियन की बैठक में निर्णय लिया गया कि पूरे देश के इंजीनियर कर्मचारियों को इस हड़ताल में शामिल करने का प्रयास किया जाएगा।

शिवांगी तोमर ने जीता रजत पदक

जबलपुर। जबलपुर डिस्ट्रिक्ट वेटलिफ्टिंग एसोसिएशन के सचिव एस तन्देलु और जागरूक खेल संघ के जिला अध्यक्ष रॉबर्ट मार्टिन ने एक प्रेस विज्ञप्ति के माध्यम से बताया कि अभी हाल ही में कोल्हापुर महाराष्ट्र में दिनांक 20/5/2025 से 25/5/2025 तक नेशनल सब जूनियर, जूनियर क्लासिक पॉवर लिफ्टिंग चैम्पियनशिप का आयोजन किया गया जिसमें संस्कारधानी के लिफ्टरों ने शानदार प्रदर्शन करते हुए पदक हासिल किया जिसमें शिवांगी तोमर ने 52 किलोग्राम बॉडी वेट में 330 किलोग्राम वजन उठाकर सिल्वर मेडल जीता, वहीं शशांक जोशी ने गोल्ड मेडल और नैन्सी ने भी गोल्ड मेडल जीतकर संस्कारधानी का नाम रोशन किया। सभी खेल प्रेमियों ने उन्हें बधाई दी है। उनकी इस सफलता पर डिस्ट्रिक्ट एसोसिएशन के अध्यक्ष कमलेश अग्रवाल, विंसेंट लाल, जगदीश रजक, ललित जॉन, सचिव एस तन्देलु, प्रसांत मिश्रा, राकेश श्रीवास, दीनू स्वामी, रॉकसन, रोमित आदि ने बधाई दी।

मावे का प्रयास रंग लाया: स्वावलंबी महिला, सशक्त राष्ट्र

हजारों महिलाओं को उनके हुनर से अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाकर अर्चना भटनागर ने बना दिया उन्हें सफल महिला उद्यमी

जबलपुर। मध्यप्रदेश एसोसिएशन फॉर वूमेन इंटरप्रेन्योर (मावे) के अध्यक्ष श्रीमती अर्चना भटनागर ने अब तक हजारों महिलाओं को आर्थिक एवं सामाजिक रूप से सशक्त बनाकर उनके हुनर को अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर पहचान दिलाकर उन्हें सफल महिला उद्यमी बना चुकी हैं।

श्रीमती भटनागर ने बताया कि वह लगभग 25 सालों से उद्यमिता से जुड़ी हैं और स्वयं उनकी केमिकल इंडस्ट्रीज हैं। उन्होंने छोटे स्तर पर घरों से काम करने वाली महिलाओं को देखा और उनकी आर्थिक स्थिति में सुधार करने तथा उनके छोटे से काम को बढ़ा स्वरूप प्रदान करने उन्होंने वर्ष 2000 में मावे की स्थापना की। शुरूआती समय में कुछ महिला उद्यमियों को मावे से जोड़ा उस समय मावे का सफर बहुत कठिन था। साथ जुड़ी महिला उद्यमियों यह समझाना मुश्किल था कि सरकार के साथ मिलकर किस तरह से कार्य किया जाए, जिससे उनके व्यवसाय के लिए सही माहौल एवं अच्छे मौके उपलब्ध हो सकें। साथ ही सरकार द्वारा महिला उद्यमियों को आगे बढ़ाने चलाई जा रही विभिन्न योजनाओं का किस तरह लाभ प्राप्त किया जा सके। अध्यक्ष मावे ने कहा कि उनके संगठन का दृष्टिकोण सिर्फ जबलपुर अकेले नहीं बल्कि भोपाल, कटनी, सतना, रीवा के साथ राष्ट्रीय स्तर पर कर्नाटक एवं महाराष्ट्र की महिला उद्यमियों को साथ लेकर उन्हें अंतर्राष्ट्रीय मंच तक पहुंचाना है। साथ ही उन्हें अंतर्राष्ट्रीय स्तर के ट्रेड फेयर में अपने स्टॉल लगाने के मौके प्रदान करना है, जिससे कि वह स्वयं को सफल एवं सशक्त महिला उद्यमी के रूप स्थापित कर सकें। उन्होंने ने बताया कि मावे का मकसद लोकल से लेकर अंतर्राष्ट्रीय की महिला उद्यमियों को एक साथ जोड़ना है। उन्होंने मावे की खासियत बताते हुए कहा कि वह केन्द्र एवं राज्य सरकार की उद्यम से जुड़ी सभी योजनाओं का इस्तेमाल करते हुए महिला उद्यमियों और उनके अपने व्यवसाय को आगे बढ़ाने प्रेरित करतीं हैं। उन्होंने बताया कि घर से व्यवसाय चलाने वाली महिला उद्यमियों के पास पर्याप्त साधन-संसाधन नहीं होते है। इसके लिए उन्होंने मल्टी स्टोरेज फ्लेटेड फैक्ट्री कॉम्पलेक्स के लिए मुहिम चलाई है। जहां वे अपने छोटे-छोटे कार्य और अपनी फैक्ट्री चला सकें इसके लिए वे संगीत के सफर को विराम देकर पिछले एक वर्ष से कड़ी मेहनत और तैयारी कर रही हैं।

आँखों की रोशनी गई पर नहीं मानी हार

यूं तो लोग कहते है कि पद चिन्ह हजार हैं और उन पर चलने वाले भी हजार हैं, लेकिन अपने हौसलों से हम कुछ ऐसे पद चिन्ह बनायेंगे जिन पर चलकर लोग सफलता पाएंगे। यह कहना है आत्म विश्वास से भरी नेत्र दिव्यांग अंजलि सोनी का जो देश भर में अपनी विशिष्ट पहचान बना चुके जबलपुर के श्री जानकी बैंड की एक महत्वपूर्ण सदस्य हैं। अपनी सुरीली आवाज से महिलाओं के इस बैंड को ऊंचाइयां प्रदान कर रही अंजलि कहती हैं कि आस है तो आसमान भी टिका हुआ है और इसी विश्वास के साथ अपने पूरे परिवार की उम्मीदों को लेकर वो आगे बढ़ रही हैं। खुशी इस बात की है कि आज सरकार भी हर कदम पर उसके साथ है।

संगीत की शिक्षा से बढ़ा हौसला

अंजलि के जीवन को संभावी बाल भवन जबलपुर की डॉ. शिप्रा सुल्लेरे द्वारा दी गई संगीत की शिक्षा ने नई दिशा दी है। संगीत में स्नातक अंजलि आज श्री जानकी बैंड की एक महत्वपूर्ण सदस्य है। यह उनकी कठोर मेहनत और लगन का ही प्रमाण है कि उन्होंने बैचलर ऑफ एजुकेशन, हिंदी साहित्य में मास्टर डिग्री एवं सीटीईटी परीक्षा में 90 प्रतिशत अंक प्राप्त कर सफलता की नई ऊंचाइयों को हासिल किया है। अंजलि का सपना सरकारी प्रशासनिक या शैक्षिक संगठन में सेवा करना है।

देवी अहिल्या त्रिशताब्दी जयंती पर वॉकथान आयोजित

तिरंगा ध्वज लेकर खिलाड़ी स्टेडियम से पहुंचे भंवरताल

जबलपुर। पुण्यश्लोक लोकमाता देवी अहिल्या बाई जी की 300 वीं जयंती पर आयोजित कार्यक्रमो के अन्तर्गत भारतीय जनता पार्टी जबलपुर महानगर द्वारा जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर के नेतृत्व में वॉकथान का आयोजन किया गया। भाजपा द्वारा आयोजित वॉकथान राइट टाउन स्थित स्टेडियम से प्रारंभ हुई जिसका समापन भंवरताल उद्यान स्थित रानी दुर्गावती की प्रतिमा के समक्ष हुआ। भारतमाता की जय और रानी अहिल्या अमर रहे के नारों के पूरे उत्साह सेवॉकथान में बड़ी संख्या में खिलाड़ी बच्चो ने भाग लिया।

वॉकथान के समापन पर जिला अध्यक्ष रत्नेश सोनकर ने उपस्थित जनों को संबोधित करते हुए देवी अहिल्या बाई के जीवन से जुड़े संस्मरण सुनाए और बताया कि देवी अहिल्या बाई को आज 300 वर्ष भी हम इसीलिए याद कर रहे है क्योंकि उन्होंने विपरीत परिस्थितियों में भी महिला सशक्तिकरण, शिक्षा, संस्कृति और सनातन धर्म के उत्थान के लिए अभूतपूर्व कार्य किए हमे उनसे प्रेरणा लेनी चाहिए। इस अवसर पर कार्यक्रम की संभाग प्रभारी अश्वनी परांजपे, जिला संयोजक जय सचदेवा, सुधांशु गुप्ता, रूपा राव, कुंडल राव, पंकज मिश्रा, राजेश रोहरा, प्रमोद चोहटेल, कल्पना तिवारी, सुमन यादव, श्रीकान्त साहू, रवि शर्मा, राजेंद्र चौकसे, के साथ बड़ी संख्या में खिलाड़ी उपस्थित थे।

बिलहरी शिव शारदा मंदिर में किया स्वच्छता श्रमदान एवं वृक्षारोपण

जबलपुर। स्वच्छ भारत मिशन के अंतर्गत नगर पालिक निगम जबलपुर की IEC टीम एवं नगर निगम अध्यक्ष रिंकू विज, विधायक अनुज विजय रोहणी, महिला मंडल से विभा उपाध्याय और नगर निगम स्वच्छता चैंपियन सत्यजीत राय और शैलवी धुसिया की उपस्थिति में शिव शारदा मंदिर बिलहरी में स्वच्छ सर्वेक्षण 2025 के संदर्भ में मंदिर की सफाई कर श्रमदान कार्यक्रम चलाया गया एवं वृक्षारोपण कार्यक्रम किया गया। इस अभियान का उद्देश्य केवल वृक्षारोपण करना नहीं था, बल्कि स्वच्छता के प्रति सामाजिक चेतना को बढ़ावा देना भी था। सभी प्रतिभागियों ने जबलपुर शहर को स्वच्छ एवं सुंदर बनाने और स्वच्छता सर्वेक्षण 2025 में अग्रणी स्थान दिलाने हेतु पूर्ण सहयोग का आश्वासन दिया।नगर पालिक निगम जबलपुर द्वारा इस प्रकार की जन-जागरूकता गतिविधियाँ भविष्य में भी निरंतर जारी रहेंगी, जिससे जबलपुर स्वच्छ, सुंदर और पर्यावरण अनुकूल शहर के रूप में विकसित हो सके और इस अवसर पर उपस्थित सभी लोगों ने स्वच्छता की शपथ भी ग्रहण की।

क्षत्रिय समाज ने निकाली गौरव यात्रा

जबलपुर। रांझी स्थित लक्ष्मी नारायण स्कूल से प्रतिवर्ष की भांति इस वर्ष भी समस्त सकल क्षत्रिय समाज के द्वारा महाराणा प्रताप जयंती पर गौरव यात्रा निकाली गई। इस अवसर पर अध्यक्ष गजराज सिंह ने बताया कि यात्रा में बड़ी संख्या में समस्त पुरुष एवं महिलाएं, युवा साथी तथा बच्चे शामिल रहे। गौरव यात्रा क्षेत्र के विभिन्न मार्गों का भ्रमण करने के पश्चात रावण पार्क पर समाप्त हुई, जहां सभा का आयोजन किया गया। तत्पश्चात सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गई जिसका सभी ने आनंद प्राप्त किया। शोभा यात्रा के शुरुआत में सभी का साफा बंधन किया गया। शोभा यात्रा में आकर्षक झांकियां शामिल रहीं जो आकर्षण का केंद्र बिंदु रहीं। सभी ने महाराणा प्रताप के जय घोष के साथ कदमताल करते यात्रा की सहभागिता की। अध्यक्ष गजराज सिंह ने सभी को उपस्थिति के लिए धन्यवाद प्रेषित किया।

अस्पताल के सामने खड़ा ई-रिक्शा चोरी

जबलपुर। लार्डगंज थाना अतंर्गत छवि नेत्रालय के सामने रोड पर खड़ा एक ई रिक्शा अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। लार्डगंज पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार गेट नंबर 2 मदनमहल निवासी 28 वर्षीय वेल्डर राज नायडू का ई रिक्शा एमपी 20 आरए 0926 को उसके यहां काम करने वाला कर्मचारी दादा गुड्डू चलाता है। जो ई रिक्शे में सामान लाने और ले जाने का काम करता है। गत शाम 6 बजे दादा गुड्डू ने छवि नेत्रालय के सामने रोड की दूसरी तरफ उक्त ई रिक्शा खड़ा कर दिया था। लगभग 1 घंटे बाद जाकर देखा तो ई रिक्शा गायब था। आसपास तालाश करने पर भी ई रिक्शा नहीं मिला जिसे अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। पुलिस ने अज्ञात आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 303(2) भारतीय न्याय संहिता के तहत अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

कायस्थ महासभा ने किया शौर्य यात्रा का स्वागत

जबलपुर। शौर्य शिरोमणि महाराणा प्रताप जी की 484वीं जयंती पर अखिल भारतीय क्षत्रिय महासभा द्वारा शौर्य यात्रा निकाली गई ,जोकि सिविक सेंटर, समदड़िया माल,चौपाटी, राजीव गांधी चौक से होती हुई नगर निगम स्थित महाराणा प्रताप परिसर पहुंचकर समाप्त हुई। शौर्य यात्रा का भव्य स्वागत नगर निगम तीन पत्ती चौराहे पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव के द्वारा किया गया ।साथ ही शौर्य यात्रा में उपस्थित कि सभी नागरिकों का कायस्थ समाज के सदस्यों द्वारा पुष्पवर्षा कर किया गया । स्वागत के इस अवसर पर अखिल भारतीय कायस्थ महासभा के प्रदेश अध्यक्ष चमन श्रीवास्तव सुनील श्रीवास्तव विवेक खरे मयंक श्रीवास्तव नवनीत श्रीवास्तव एड भावना निगम रश्मि श्रीवास्तव शालिनी निगम गौरव श्रीवास्तव कपिल खरे अकांक्ष श्रीवास्तव स्वपनिल श्रीवास्तव आशीष श्रीवास्तव अशोक श्रीवास्तव सहित बड़ी संख्या में कायस्थ जन उपस्थिति रहे।

जनसुनवाई में जिलाध्यक्ष को सौंपी झूठा शपथ पत्र देकर प्लाट नामांतरण कराने की शिकायत

जबलपुर। कलेक्ट्रेट में आयोजित जनसुनवाई में बिल्डर रविंदर सिंह सेठी द्वारा झूठा शपथ पत्र देकर प्लाट नामांतरण कराने की शिकायत सौंपी गई। प्रीत विहार कॉलोनी आदर्श नगर ग्वारीघाट रोड जबलपुर निवासी आवेदक महेश कुमार ने बताया कि बिल्डर रविंदर सिंह सेठी पिता स्व. तेजवंत सिंह सेठी कॉलोनी ग्वारीघाट रोड आदर्श नगर में बहैसियत मुखत्यारआम विजय कुमार, अशोक कुमार भार्गव सभी के आत्मज स्व. श्याम सुंदर भार्गव की ओर से गोरखपुर न्यायालय तहसीलदार नजूल राजेश श्रीवास्तव जबलपुर के समक्ष दिनांक 19/04/2006 को प्रस्तुत किया था। यह कि ग्राम रामपुर नं. बं. 1 प.ह.नं. 28/32 ख.कं. भूमि कुल रकबा 1.064 हेक्टेयर है हमारी निजी भूमि स्वामी हक की भूमि है बिल्डर सिंह सेठी द्वारा विजय कुमार, महेश कुमार एवं डॉ. अशोक कुमार भार्गव से मात्र 43000 वर्गफुट भूमि पॉवर ऑफ अर्टानी के द्वारा एवं इकरारनामा द्वारा ली गई थी एवं बिल्डर रविंदर सिंह सेठी ने नगर निगम जबलपुर में सन 1996 में नक्शा पास करने हेतु पॉवर ऑफ अटार्नी लगाई थी एवं उसके द्वारा पूर्व से पश्चिम 85 फुट चौड़ी एवं उत्तर से दक्षिण 519 फुट लंबी भूमि 2.0 का नक्शा पास कराया गया था जिसमें 22.5 फुट गहरे प्लाट एवं 5 फीट कंजरवेंशी एवं सीवर लाईन द्वारा कॉलोनी बनी थी ऐसा नक्शे में इनके द्वारा पॉवर ऑफ अटार्नी के दस्तावेज लगाये गये थे परंतु इनके द्वारा न्यायालय तहसीलदार गोरखपुर के यहाँ जो 1.064 हेक्टेयर भूमि स्वामी का शपथ पत्र प्रस्तुत किया गया है, उसकी जांच कर उचित कार्यवाही करने की कृपा करें। क्योंकि ये झूठा शपथपत्र पेश किया गया है। नगर निगम में भूमि संबंधी जो जानकारी दी गई है वह अलग है और ये अलग है। अतः मामले में निष्पक्ष कार्यवाही की जाए।

अहिल्याबाई के जीवन दर्शन पर निबंध प्रतियोगिता आयोजित

सिहोरा। शासकीय श्यामसुंदर अग्रवाल स्नातकोत्तर महाविद्यालय सिहोरा में लोकमाता अहिल्या बाई की 300 वीं जयंती पर उनके जीवन और दर्शन पर एक निबंध प्रतियोगिता का आयोजन किया गया । जिसमें 28 छात्राओं और 7 छात्रों ने भाग लिया । प्राचार्य डॉक्टर श्रीकृष्ण तिवारी ने कहा कि सर्वश्रेष्ठ निबंधों को पुरस्कृत किया जाएगा एंव अन्य छात्रों को सहभागिता प्रमाण पत्र वितरित किए जाएंगे । इस अवसर पर डॉ.अजय कोष्टा, डॉ.राजेश वाहने, डॉ.जे.पी.सोयाम, अमित साहू ,कु.काजल पटेल,रागिनी आदि उपस्थित रहे । प्रतियोगिता का आयोजन एवं संचालन डॉ.एस.के.मेहरोलिया द्वारा किया गया तथा कार्यक्रम भारतीय ज्ञान परंपरा प्रकोष्ठ के तत्वाधान में आयोजित किया गया।

नगर के मध्य से बहने वाले नाले की सफाई कब होगी

पाटन। नगर परिषद क्षेत्र पाटन नगर के बीच से बहने वाले नल की सफाई आज तक स्थानीय प्रशासन द्वारा नहीं कराई गई। प्रावधान यह है कि इस नाले की सफाई साल में दो बार होनी चाहिए। वर्षा ऋतु प्रारंभ हो गई है और आज तक नल की सफाई का कोई अता पता नहीं। बरसात में नाले के किनारे रहने वाले मकान में पानी भर जाता है जिससे रहवासी लोगों को भारी दिक्कत और परेशानी का सामना करना पड़ता है। इसी तरह भगवती शिशु मंदिर के पास नाले में अत्यधिक गंदगी एवं घास लगी हुई है। जिससे साप्ताहिक बाजार में बैठने वाले सभी व्यापारियों को भारी परेशानी होती है मच्छर पनप रहे और जीव जंतु भी निकल रहे हैं नगर परिषद द्वारा तत्काल ही नाले की सफाई की व्यवस्था किए जाने हेतु स्थानीय वार्ड निवासियों ने आग्रह किय।

पूर्व विधायक के घर के बाहर जिला समिति का प्रदर्शन नपा अध्यक्ष ने दिया जिला का लिखित प्रस्ताव

सिहोरा। हाथो में शंख घंटा और थाली लिए लक्ष्य जिला सिहोरा आंदोलन समिति के पदाधिकारी गुरुवार को सिहोरा पूर्व विधायक दिलीप दुबे के आवास पहुंचे।दिलीप भैया हमें बताओ,उमा भारती कौन है,के नारे लगा पूर्व विधायक के कार्यकाल में हुई जिला की अपूर्ण घोषणा के लिए उन्हें आड़े हाथों लिया। वहीं उनकी पत्नी नगर पालिका अध्यक्ष संध्या दुबे ने नपा सिहोरा द्वारा पास किए गए सिहोरा जिला के प्रस्ताव की प्रति समिति को सौंपी। प्रदर्शन कर रहे समिति के सदस्यों ने पूर्व विधायक को स्मरण दिलाया कि आपके विधायक कार्यकाल में 6 जून 2004 को सिहोरा आकर मुख्यमंत्री सुश्री उमा भारती ने जिला की घोषणा की थी।22 वर्षो में भी वह घोषणा अमली जामा न पहन सकी इसके जवाब में उन्होंने ने कहा कि यद्यपि यह घोषणा मेरे विधायक कार्यकाल में हुई थी पर वर्तमान विधायक के माध्यम से यह बात सरकार के समक्ष जाए तो अच्छा होगा।पूर्व विधायक ने आश्वस्त किया कि वे सिहोरा जिला की मांग पूरी कराने में पूरी ईमानदारी से विधायक संतोष बरकड़े के साथ होंगे।नगर पालिका अध्यक्ष श्रीमती संध्या दुबे ने नगर पालिका परिषद सिहोरा द्वारा सिहोरा जिला बनाए जाने की प्रस्ताव को कार्य समिति में पास कर उसकी प्रति घर आए समिति सदस्यों को सौंपी। इस अवसर पर जिला आन्दोलन समिति के अन्नू गर्ग,प्रदीप दुबे,गौरी राजे,वीरू दुबे,आशीष भार्गव,जितेंद्र श्रीवास,नीतेश खरया,विकास दुबे,सुशील जैन,कृष्ण कुमार कुररिया,शरद सेठ,निसार अहमद,नत्थू पटेल,रामजी शुक्ला,राकेश मिश्रा,राजेश दुबे,संतोष पांडे,नरेंद्र गर्ग,रवि दुबे,अशोक कोल सहित अनेक सदस्य मौजूद रहे।

श्री राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा- गुलौआ चौक गोटनीदाई का मंदिर, गढ़ा निवासी श्री राजेन्द्र प्रसाद मिश्रा का निधन हो गया है। वे अमर (बंटी) मिश्रा,अनीता गर्ग,सविता के पिताश्री एवं डॉ.अरुण मिश्रा के बहनोई थे।अंतिम संस्कार रानीताल मुक्तिधाम में सम्पन्न हुआ।

श्रीमती पूना बाई सैनी- आमनपुर मदनमहल निवासी श्री राधे लाल सैनी की धर्मपत्नी श्रीमती पूना बाई सैनी (93) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री ओम प्रकाश श्रीवास- साउथ सिविल लाइन स्थित सोनिया अपार्टमेंट के पास निवासी श्री ओम प्रकाश श्रीवास (70) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शैलेंद्र यादव- छोटा फुहारा हरदौल मंदिर के पास निवासी श्री शैलेंद्र यादव (49) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्रीमती राजकुमारी मिश्रा- गली नं. 16, शांतिनगर दमोहनाका निवासी डॉ. ओम प्रकाश मिश्रा की

धर्मपत्नी श्रीमती राजकुमारी मिश्रा (65) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री श्याम कुमार कतिया- एमईएस कॉलोनी कटंगा कैंट निवासी श्री श्याम कुमार कतिया (55) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री चरण लाल पटेल- गली नं. 2, शक्तिनगर गुप्तेश्वर निवासी श्री चरण लाल पटेल (74) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्रीमती जयंती विश्वकर्मा- गुप्तेश्वर निवासी श्री हीरा लाल विश्वकर्मा की धर्मपत्नी श्रीमती जयंती विश्वकर्मा (86) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गुप्तेश्वर मोक्षधाम में किया गया।

श्री कार्तिक जायसवाल- चुन्नीलाल का बाड़ा दरहाई निवासी श्री राजेश जायसवाल के पुत्र श्री कार्तिक जायसवाल (22) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री बहादुर चौधरी- वल्दी कोरी की दफाई शीतलामाई निवासी श्री बहादुर चौधरी (47) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री एएस पटेल- दुर्गा नगर रामपुर निवासी श्री एएस पटेल (79) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री हरि लाल कश्यप- फूटाताल दुर्गा चौक निवासी श्री हरि लाल कश्यप (71) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल- पुरानी चरहाई जवाहरगंज निवासी श्री लक्ष्मी नारायण अग्रवाल (67) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार गौरीघाट मुक्तिधाम में संपन्न हुआ।

श्री शंकर लाल सोंधिया- फूटाताल बढ़ई मोहल्ला निवासी श्री शंकर लाल सोंधिया (85) का निधन हो गया। अंतिम संस्कार करियापाथर श्मशान भूमि में किया गया।

हरिभूमि
बिजी/शोक/उठावन, पगड़ी रस्म, पुण्यतिथि संबंधी संदेश प्रकाशित कराने के लिए
अब मात्र 40/- प्रति स्क्वायर से.मी.
फिक्स साइज:- 10x4 से.मी. ब्लैक&व्हाईट 300/-
फिक्स साइज:- 10x4 से.मी. रंगीन 400/-
फिक्स साइज 10x8 से मी. रंगीन 1100/-
सम्पर्क करें विज्ञापन विभाग:- 9303308294, 9407362160

युवक ने लगाई फांसी

जबलपुर। कोतवाली थाना अतंर्गत दरहाई में एक युवक ने फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। आत्महत्या का कारण अज्ञात है। पुलिस ने मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है। कोतवाली पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार दरहाई निवासी 24 वर्षीय कार्तिक जायसवाल ने घर में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने पंचनामा कार्रवाई कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भिजवाते हुए मर्ग कायम कर मामला जांच में लिया है।

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 14652842N RANK HAV NAME PAPARAO BUDATI S/O RAMA KRISHNA OF UNIT 506, ARMY BASE WORK SHOP, JABALPUR (MP) I, have changed name of my DAUGHTER from SRI LASYA BUDATI (name as per my Army service records) to BUDATI SRI LASYA (name as per my DAUGHTER, AADHAR CARD AND BIRTH CERTIFICATE vide affidavit dated 29/05/2025 formerly before Public Notary JABALPUR (MP) (Name and place of Court).
CORRECT NAME
BUDATI SRI LASYA
INCORRECT NAME
SRI LASYA BUDATI

CHANGE OF NAME
I, ARMY NO. 14652842N RANK HAV NAME PAPARAO BUDATI S/O RAMA KRISHNA OF UNIT 506, ARMY BASE WORK SHOP, JABALPUR (MP) I, have changed name of my DAUGHTER from SUJANA B (name as per my Army service records) to BUDATI SUJANA (name as per my DAUGHTER, AADHAR CARD AND BIRTH CERTIFICATE vide affidavit dated 29/05/2025 formerly before Public Notary JABALPUR (MP) (Name and place of Court).
CORRECT NAME
BUDATI SUJANA
INCORRECT NAME
SUJANA B

सेमीकंडक्टर के क्षेत्र में चीन को चुनौती देने की स्थिति में है भारत

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

'फैबलेस चिप' बनाने वाली कंपनी थर्ड आईटेक की मुख्य कार्यपालक अधिकारी (सीईओ) वृंदा कपूर ने कहा है कि सेमीकंडक्टर उद्योग में चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए कुशल कार्यबल के साथ भारत एकमात्र देश है।

- दुनिया के 20 फीसदी चिप डिजाइनर भारत के बेंगलुरु, हैदराबाद व पुणे में

सीईओ ने कहा कि दुनिया की 20 प्रतिशत सेमीकंडक्टर डिजाइन प्रतिभा बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में है। उन्होंने कहा कि दशकों से वैश्विक प्रौद्योगिकी दिग्गजों द्वारा भारत में बड़े अनुसंधान एवं विकास केंद्र स्थापित करने के कारण बनी इस अद्वितीय बढ़त ने देश को वैश्विक सेमीकंडक्टर क्षमता में, खासकर रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में चीन के प्रभुत्व को चुनौती देने की स्थिति में रखा है।

चीन से प्रतिस्पर्धा करने भारत के पास कुशल कार्यबल

भारत को प्रतिभा का लाभ होगा

हालांकि, उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत को इस प्रतिभा का पूरी तरह से लाभ तभी मिलेगा जब भारतीय उत्पाद कंपनियां उभरेंगी और घरेलू पूंजी से मजबूत समर्थन प्राप्त होगा। कपूर ने कहा, "दुनिया की कुल सेमीकंडक्टर डिज़ायन प्रतिभा का 20 प्रतिशत तीन भारतीय शहरों - बेंगलुरु, हैदराबाद और पुणे में स्थित है।

70 के दशक में विदेशी कंपनियां भारत आई

70 के दशक से ही अमेरिकी कंपनियां भारत आई हैं। यूरोपीय कंपनियां भारत आई हैं और उन्होंने विशाल प्रौद्योगिकी केंद्र स्थापित किए हैं। इसलिए, हमारे जीसीसी (वैश्विक क्षमता केंद्र) आखिरकार रंग ला रहे हैं।

क्वालकॉम का चिप 100 फीसदी भारत में तैयार

क्वालकॉम का 5जी चिप 100 प्रतिशत भारत में डिज़ायन किया गया था। तो, क्या बदलने की ज़रूरत है? भारतीय उत्पाद कंपनियों को उभरने की ज़रूरत है, और भारतीय पूंजी को उनका समर्थन करने की ज़रूरत है।

चीन की हिस्सेदारी 65 फीसदी रहने की उम्मीद

रक्षा इलेक्ट्रॉनिक्स में 2030 तक चीन की हिस्सेदारी 65 प्रतिशत रहने की संभावना है। उद्योग मंडल भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वैश्विक व्यापार शिखर सम्मेलन-2025 को संबोधित करते हुए कपूर ने कहा, "भारत एकमात्र ऐसा देश है जिसके पास चीन के साथ प्रतिस्पर्धा करने के लिए पर्याप्त कुशल जनशक्ति है।

अगली पीढ़ी के चिप का उत्पादन करना

थर्ड आईटेक अमेरिकी स्पेस फोर्स और भारत सेमी (थर्ड आईटेक की होल्डिंग कंपनी) के साथ एक रणनीतिक साझेदारी का हिस्सा है, जिसका उद्देश्य एक सेमीकंडक्टर संयंत्र स्थापित करना है जो सैन्य हार्डवेयर और अगली पीढ़ी के दूरसंचार में उपयोग किए जाने वाले चिप का उत्पादन करेगा।

खबर संक्षेप

स्कोडा ट्यूब्स को दूसरे दिन 8.11 गुना अभिदान मिला

नई दिल्ली। स्टेनलेस स्टील ट्यूब और पाइप विनिर्माता स्कोडा ट्यूब्स के आरंभिक सार्वजनिक निर्गम (आईपीओ) को बृहस्पतिवार को बोली के दूसरे दिन 8.11 गुना अभिदान मिला। एनएसई के आंकड़ों के अनुसार, निवेशकों ने 1,18,46,169 शेयरों की पेशकश पर 9,60,85,200 शेयरों के लिए बोली लगाई।

सोना 500 रुपए टूटा, चांदी स्थिर

नई दिल्ली। कमजोर वैश्विक संकेतों के बीच बृहस्पतिवार को राष्ट्रीय राजधानी के सराफा बाजार में सोने की कीमत 500 रुपये घटकर 98,500 रुपये प्रति 10 ग्राम रह गई। अखिल भारतीय सराफा संघ ने यह जानकारी दी।
99.5 प्रतिशत शुद्धता वाले सोने की कीमत 500 रुपये घटकर 98,000 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रह गई।

वेलस्पन कॉर्प का शुद्ध लाभ 143 प्रतिशत से अधिक

नई दिल्ली। वेलस्पन कॉर्प लिमिटेड (डब्ल्यूसीएल) का जनवरी-मार्च तिमाही में एकीकृत शुद्ध लाभ 143 प्रतिशत से अधिक बढ़कर 699.19 करोड़ रुपये हो गया। कंपनी का पिछले वर्ष इसी अवधि में मुनाफा 287.28 करोड़ रुपये रहा था। उसकी आय घटकर 3,966.86 करोड़ रुपये रह गई, जो एक साल पहले इसी अवधि में 4,543.70 करोड़ रुपये थी।

इंसेक्टिसाइड्स इंडिया का शुद्ध मुनाफा 84.70% बढ़ा

नई दिल्ली। इंसेक्टिसाइड्स इंडिया लिमिटेड का बीते वित्तवर्ष 2024-25 की चौथी तिमाही में एकीकृत शुद्ध मुनाफा 84.70 प्रतिशत बढ़कर 13.89 करोड़ रुपये हो गया है। बिक्री बढ़ने से कंपनी का मुनाफा बढ़ा है। कंपनी ने शेयर बाजारों को यह जानकारी दी। एक साल पहले की इसी अवधि में कंपनी ने 7.52 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा कमाया था।

इफको के लाभ में 2,823 करोड़ रुपए का इजाफा

नई दिल्ली। प्रमुख सहकारी उर्वरक कंपनी इफको का वित्त वर्ष 2024-25 में शुद्ध मुनाफा 16 प्रतिशत बढ़कर 2,823 करोड़ रुपये रहा है। राजस्व बढ़ने से कंपनी का मुनाफा भी बढ़ा है। कंपनी ने इससे पिछले वित्त वर्ष में 2,443 करोड़ रुपये का शुद्ध मुनाफा अर्जित किया था। 2024-25 में उसका कुल कारोबार 4.5 प्रतिशत बढ़कर 41,244 करोड़ रुपये हो गया।

संवर्धन मदरसन का मुनाफा 19% बढ़ाकर 1,050 करोड़

नई दिल्ली। वाहन कलपुर्जा बनाने वाली संवर्धन मदरसन इंटरनेशनल का एकीकृत शुद्ध लाभ पिछले वित्त वर्ष की जनवरी-मार्च तिमाही में बिक्री बढ़ने से 19 प्रतिशत बढ़कर 1,050 करोड़ रुपये रहा है। वित्त वर्ष 2023-24 की समान तिमाही में कंपनी का शुद्ध लाभ 879 करोड़ रुपये रहा था। बृहस्पतिवार को शेयर बाजार को दी सूचना में बताया कि उसकी कुल परिचालन आय समीक्षाधीन तिमाही में बढ़कर 29,317 करोड़ रुपये रही, जो 2023-24 की समान तिमाही में 27,666 करोड़ रुपये थी।

आरबीआई ने जारी की वर्ष 2024-25 के लिए वार्षिक रिपोर्ट

रिजर्व बैंक के बही-खाते का आकार 33 फीसदी बढ़कर हुआ 76.25 लाख करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶| मुंबई

विदेशी मुद्रा लेनदेन में करीब 33 प्रतिशत की बढ़ोतरी से वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बही-खाते का आकार बढ़कर 76.25 लाख करोड़ रुपये हो गया है। इसके दम पर ही केंद्रीय बैंक ने सरकार को 2.7 लाख करोड़ रुपये का बड़ा लाभांश दिया है।

- विदेशी मुद्रा लेनदेन में करीब 33 फीसदी की वृद्धि
- केंद्रीय बैंक ने सरकार को दिया 2.7 लाख करोड़ रुपए का लाभांश
- भारत दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) ने बृहस्पतिवार को जारी अपनी 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि देश वित्त वर्ष 2025-26 में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। इसमें कहा गया कि मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी आंकड़ों और सक्रिय नीतिगत उपायों के समर्थन से 2024-25 में अर्थव्यवस्था ने जुझारू क्षमता दिखाई।

मुद्रास्फीति चार फीसदी पर रहने का भरोसा

वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि अब 12 महीने की अवधि में कुल मुद्रास्फीति के चार प्रतिशत के लक्ष्य के अनुरूप बने रहने को लेकर " अधिक भरोसा " है। इसमें सुझाव दिया गया कि ब्याज दर जोखिम की गतिशील प्रकृति को ध्यान में रखते हुए बैंकों को व्यापार और बैंकिंग दोनों प्रकार के बही जोखिमों से निपटने की आवश्यकता है, खासकर शुद्ध ब्याज 'मार्जिन' में कमी के मद्देनजर।

2000 के 98 फीसदी से अधिक नोट बैंकिंग प्रणाली में वापस

कम मूल्यवर्ग के बैंक नोट (10 रुपये, 20 रुपये और 50 रुपये) की चलन वाले कुल बैंक नोट में हिस्सेदारी 31.7 प्रतिशत रही। मई, 2023 में 2000 रुपये के बैंक नोट को चलन से वापस लेने की शुरुआत की गई थी, जो गत वित्त वर्ष में भी जारी रही। घोषणा के समय चलन में रहे 3.56 लाख करोड़ रुपये में से 98.2 प्रतिशत 31 मार्च, 2025 तक बैंकिंग प्रणाली में वापस आ गए।

500 रुपए के नोट की हिस्सेदारी 86 फीसदी

रिपोर्ट के मुताबिक, " 2024-25 के दौरान 500 रुपये के बैंक नोट की हिस्सेदारी 86 प्रतिशत रही, जो मूल्य के हिसाब से मामूली रूप से घटी है। इसमें कहा गया है कि मात्रा की दृष्टि से प्रचलन में मौजूद कुल बैंक नोट में 500 रुपये मूल्यवर्ग के नोट की हिस्सेदारी सबसे अधिक 40.9 प्रतिशत रही। इसके बाद 10 रुपये मूल्यवर्ग के नोट की हिस्सेदारी 16.4 प्रतिशत रही।

ई-रूपी का मूल्य 334 प्रतिशत बढ़ा

वित्त वर्ष 2024-25 में चलन में मौजूद ई-रुपी का मूल्य 334 प्रतिशत बढ़ा। चलन में मौजूद मुद्रा में बैंक नोट, केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) और सिक्के शामिल हैं। वर्तमान में दो रुपये, पांच रुपये, 10 रुपये, 20 रुपये, 50 रुपये, 100 रुपये, 200 रुपये, 500 रुपये के मूल्यवर्ग के नोट चलन में हैं।

छह मूल्य वर्ग के सिक्के चलन में

सिक्कों की बात करें तो 50 पैसे और एक रुपये, दो रुपये, पांच रुपये, 10 रुपये और 20 रुपये मूल्यवर्ग के सिक्के चलन में मौजूद हैं। जाली नोटों के संबंध में रिपोर्ट में कहा गया कि 2024-25 के दौरान बैंकिंग क्षेत्र में जब्त किए गए कुल जाली भारतीय मुद्रा नोट (एफआईसीएन) में से 4.7 प्रतिशत रिजर्व बैंक में पकड़े गए।

स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए ट्राई से मांगे सुझाव

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

दूरसंचार विभाग ने 800 मेगाहट्र्ज, 900 मेगाहट्र्ज, 1,800 मेगाहट्र्ज, 2,100 मेगाहट्र्ज और 2,300 मेगाहट्र्ज सहित आठ मौजूदा बैंड में मोबाइल स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए आरक्षित मूल्य, ब्लॉक आकार, मात्रा एवं अन्य तौर-तरीकों पर भारतीय दूरसंचार विनियामक प्राधिकरण (ट्राई) से सुझाव मांगे हैं। सूत्रों ने यह जानकारी दी। सूत्रों ने बताया कि इनके अलावा 2,500 मेगाहट्र्ज, 3,300 मेगाहट्र्ज और 2,6 गीगाहट्र्ज बैंड के बारे में दूरसंचार विभाग (डीओटी) ने दूरसंचार नियामक ट्राई से सुझाव मांगे हैं। दूरसंचार विभाग ने दूरसंचार नियामक से 600 मेगाहट्र्ज बैंड में स्पेक्ट्रम की नीलामी के लिए भी सुझाव देने को कहा है। ट्राई को हाल ही में पहचाने गए 6,425-6,725 मेगाहट्र्ज और 7,025-7,125 मेगाहट्र्ज बैंड के लिए नीलामी की संभावना पर विचार करने को भी कहा गया है ताकि नीलामी के समय, बैंड योजना, आरक्षित मूल्य एवं नियम व शर्तों को लेकर सुझाव दिए जा सकें। इससे पहले 2024 में आयोजित नीलामी में, सुनील भारती मित्तल की एयरटेल मोबाइल फोन वॉइस एवं डेटा सिग्नल को संचारित करने के लिए उपयोग की जाने वाली रेडियो तरंगों के लिए सबसे बड़ी बोली लगाने वाली कंपनी के रूप में उभरी थी।

- दूरसंचार विभाग ने आठ मौजूदा बैंड के मोबाइल स्पेक्ट्रम की नीलामी करने जा रहा

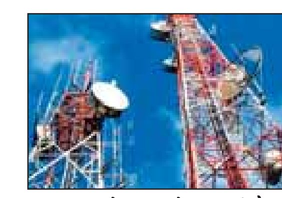

शुरुआती कीमत 96,238 करोड़ रुपए थी

वर्ष 2024 की नीलामी में कुल 141.4 मेगाहट्र्ज रेडियो तरंगें 11,340.78 करोड़ रुपये में बेची गई थीं। सरकार ने 800 मेगाहट्र्ज से 26 गीगाहट्र्ज के बीच कुल 10 गीगाहट्र्ज स्पेक्ट्रम की पेशकश की थी, जिसकी कीमत आधार या नीलामी की शुरुआती कीमत पर 96,238 करोड़ रुपये थी।

जवाबी शुल्क पर अमेरिकी अदालत की रोक के बाद शेयर बाजार में तेजी

एजेंसी ▶▶| मुंबई

स्थानीय शेयर बाजार में लगातार दो दिन की गिरावट के बाद बृहस्पतिवार को तेजी रही। अमेरिका में एक अदालत ने राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप प्रशासन के 'जवाबी शुल्क' के फैसले पर रोक लगा दी है, जिससे वैश्विक बाजारों में उछाल आया। इससे स्थानीय शेयर बाजार भी चढ़ गया।

- सेंसेक्स 321 अंक चढ़ा, निफ्टी में भी 81 अंक की तेजी

तीस शेयरों पर आधारित बीएसई सेंसेक्स 320.70 अंक यानी 0.39 प्रतिशत चढ़कर 81,633.02 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 504.57 अंक चढ़कर 81,816.89 अंक तक पहुंच गया था। निफ्टी 81.15 अंक या

0.33 प्रतिशत चढ़कर 24,833.60 अंक पर बंद हुआ।

जियोजीत इन्वेस्टमेंट लिमिटेड के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा, "अमेरिकी अदालत ने ट्रंप की 'जवाबी' शुल्क नीति पर रोक लगाई, जिसके बाद वैश्विक धारणा में सुधार हुआ। हालांकि, कच्चे तेल की कीमतों में वृद्धि और अमेरिकी 10-वर्षीय बॉन्ड पर प्रतिफल बढ़ने से घरेलू बाजार दिन में ज्यादातर समय तक एक दायरे में कारोबार करता रहा।"

इन शेयरों में रही घट-बढ़

सेंसेक्स में शामिल शेयरों में इंडसइंड बैंक 2.41 प्रतिशत चढ़ गया। इसके अलावा सन फार्मा, अदाणी पोर्ट्स, टाटा स्टील, टेक महिंद्रा और एक्सिस बैंक के शेयर भी फायदे में रहे। वहीं, बजाज फाइनेंस, आईटीसी, बजाज फिनसर्व और एशियन पेंट्स के शेयर नीचे आए।

जमाखोरी रोकने सरकार ने गेहूं की स्टॉक सीमा बढ़ाई

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

सरकार ने जमाखोरी और सट्टेबाजी रोकने तथा खाद्य सुरक्षा सुनिश्चित करने के मकसद से व्यापारियों, थोक विक्रेताओं, खुदरा विक्रेताओं और बड़ी खुदरा श्रृंखला के विक्रेताओं के लिए गेहूं का स्टॉक रखने की समयसीमा का अगले साल मार्च तक के लिए विस्तार किया है।

एक सरकारी बयान में कहा गया है कि 27 मई को जारी किए गए निर्दिष्ट खाद्य पदार्थों (संशोधन) आदेश, 2025 के तहत लाइसेंस आवश्यकताओं, स्टॉक सीमा और परिवहन प्रतिबंधों को हटाने का निर्देश 31 मार्च, 2026 तक लागू रहेगा। फसल वर्ष 2024-25 (जुलाई-जून) में 11.75 करोड़ टन के रिकॉर्ड गेहूं उत्पादन के बावजूद गेहूं पर स्टॉक रखने की सीमा बढ़ाई गई है। नए नियमों के तहत, व्यापारी और थोक व्यापारी 3,000 टन गेहूं तक का स्टॉक कर सकते हैं, जबकि खुदरा विक्रेता प्रत्येक खुदरा बिक्री केन्द्र के लिए 10 टन तक का स्टॉक रख सकते हैं।

गेहूं की कमी को रोकने बारीकी से निगरानी

केंद्र और राज्य सरकार के अधिकारी कृत्रिम गेहूं की कमी को रोकने के लिए प्रवर्तन की बारीकी से निगरानी करेंगे। केंद्र ने 27 मई, 2025 तक एजेंसियों और भारतीय खाद्य निगम के माध्यम से 298.17 लाख टन गेहूं की खरीद की है, जो सार्वजनिक वितरण प्रणाली, खुला बाजार बिक्री योजना और अन्य बाजार हस्तक्षेप कार्यक्रमों की आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए पर्याप्त है।

लिम्का 2024 में बना 2,800 करोड़ रुपए का ब्रांड

नई दिल्ली। नींबू के स्वाद वाले शीतलपेय ब्रांड लिम्का ने वर्ष 2024 में 2,800 करोड़ रुपये के राजस्व का आंकड़ा पार कर लिया, जिसमें ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों की अहम भूमिका रही। कोका-कोला इंडिया ने कहा कि पांच दशक पुराने ब्रांड लिम्का ने 2024 के दौरान दिल्ली, पंजाब और हरियाणा जैसे प्रमुख राज्यों में मजबूत दहाई अंक में वृद्धि दर्ज की। वर्ष 1971 में अपनी स्थापना के बाद से ही लिम्का की मांग शहरी और ग्रामीण दोनों बाजारों में बढ़ती रही है। फिलहाल कोका-कोला के भारतीय उत्पादों में थम्स अप, स्प्राइट और माजा के रूप में तीन ऐसे ब्रांड हैं जो एक अरब डॉलर से अधिक के हैं। कोका-कोला ने 1993 में माजा, थम्स अप और लिम्का का अधिग्रहण किया था।

अमेरिकी अर्थव्यवस्था में पहली तिमाही में 0.2% की गिरावट

वाशिंगटन। राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के व्यापार युद्ध के बीच अमेरिकी अर्थव्यवस्था में जनवरी-मार्च की पहली तिमाही में 0.2 प्रतिशत की गिरावट आई है। तीन साल में पहली बार अमेरिका के सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) में गिरावट आई है।

- तीन साल में पहली बार जीडीपी में गिरावट दर्ज

सरकार ने बृहस्पतिवार को दूसरा अनुमान जारी किया, जो उसके पिछले अनुमान से कुछ बेहतर है। पहली तिमाही की वृद्धि में गिरावट आयात में भारी वृद्धि के कारण आई, क्योंकि अमेरिका में कंपनियों के बीच राष्ट्रपति द्वारा भारी आयात शुल्क लगाने से पहले विदेशी सामान लाने में जल्दबाजी दिखी। जनवरी-मार्च में सकल घरेलू उत्पाद (देश में वस्तुओं और सेवाओं का उत्पादन) में आई गिरावट ने 2024 की चौथी तिमाही में हुई 2.4 प्रतिशत की वृद्धि को उलट दिया। आयात 42.6 प्रतिशत की दर से बढ़ा, जो 2020 की तीसरी तिमाही के बाद सबसे तेज गति है।

इसने जीडीपी वृद्धि में पांच प्रतिशत से अधिक की कमी की।

सुजलॉन का शुद्ध लाभ पांच गुना होकर 1,181 करोड़

नई दिल्ली। सुजलॉन एनर्जी का एकीकृत शुद्ध लाभ बीते वित्त वर्ष की चौथी जनवरी-मार्च तिमाही में पांच गुना से अधिक होकर 1,181 करोड़ रुपये रहा है। मुख्य रूप से आय बढ़ने के कारण कंपनी का लाभ बढ़ा है। कंपनी ने बृहस्पतिवार को शेयर बाजार यह जानकारी दी। इससे पिछले वित्त वर्ष 2023-24 की इसी तिमाही में कंपनी ने 254 करोड़ रुपये का शुद्ध लाभ कमाया था। सुजलॉन एनर्जी की कुल आय मार्च, 2025 को समाप्त तिमाही में बढ़कर 3,825.19 करोड़ रुपये रही जो एक साल पहले इसी तिमाही में 2,207.43 करोड़ रुपये थी। पूरे वित्त वर्ष 2024-25 में कंपनी का एकीकृत शुद्ध लाभ बढ़कर 2,072 करोड़ रुपये रहा जो इससे पिछले वित्त वर्ष में 660 करोड़ रुपये था।

मुख्य आर्थिक सलाहकार नागेश्वरन ने कर्मियों का लाभ बढ़ाने कहा

भारतीय कंपनियां लाभ के अनुरूप कर्मचारियों का बढ़ाएं वेतन

एजेंसी ▶▶| नई दिल्ली

मुख्य आर्थिक सलाहकार (सीईए) वी अनंत नागेश्वरन ने बृहस्पतिवार को 6.5 प्रतिशत से अधिक की दर से वृद्धि करने और वर्ष 2047 तक एक विकसित राष्ट्र बनने के लिए भारतीय कंपनियों से अपना पूंजीगत व्यय बढ़ाने और लाभप्रदता वृद्धि के अनुरूप कर्मचारियों का वेतन बढ़ाने को कहा। नागेश्वरन ने 'निवेश के पुण्य चक्र' की महत्ता पर प्रकाश डालते हुए कहा कि बढ़े हुए निवेश से न केवल क्षमता बढ़ेगी बल्कि अधिक वेतन वाली अधिक नौकरियां पैदा होंगी जिसका नतीजा बढ़ी हुई घरेलू बचत के रूप में निकलेगा।

- भारतीय कंपनियां पूंजीगत व्यय को बढ़ाएं

आत्मनिर्भिरता बढ़ती है

'निवेश का पुण्य चक्र' एक ऐसी स्थिति है जहां निवेश से उत्पन्न सकारात्मक परिणाम आगे के निवेश को प्रोत्साहित करते हैं, जिससे एक आत्मनिर्भर और लगातार बढ़ती हुई आर्थिक वृद्धि की स्थिति बनती है।

लाभप्रदता व पूंजी निर्माण में एक फासला रहा

नागेश्वरन ने कहा, "ऐसे में, लाभप्रदता की वृद्धि दर और पूंजी निर्माण की वृद्धि दर में एक छोटा फासला रहा है। अगर हमें वास्तविक रूप से न्यूनतम 6.5 प्रतिशत की सतत वृद्धि हासिल करनी है और उच्च वृद्धि दर का लक्ष्य रखना है तो इस अंतर को कम करना होगा।'

घरेलू आय और बचत में वृद्धि की जरूरत

सीईए ने कहा कि इसके साथ ही निजी क्षेत्र को पूंजी और श्रम के संतुलित उपयोग पर भी ध्यान केंद्रित करना चाहिए। उन्होंने कहा कि भारत को अगले 25 वर्षों में बुनियादी ढांचे के क्षेत्र सहित क्षमता निर्माण में बहुत अधिक निवेश की जरूरत होगी। उन्होंने कहा कि भारत की पूंजी जरूरतों को पूरा करने के लिए घरेलू आय और बचत में स्थिर वृद्धि की जरूरत होगी जो तभी संभव हो सकता है जब उनकी आय बढ़े।

भारत का पूंजी निर्माण केवल तीन फीसदी बढ़ा

सीईए ने यहां उद्योग मंडल सीआईआई के एक कार्यक्रम में कहा कि इस तरह की चुनौती का सामना आमतौर पर विकसित देशों को करना पड़ता है, न कि भारत जैसे विकासशील देशों को। मुख्य आर्थिक सलाहकार ने कहा, "उदाहरण के तौर पर, भारत के निजी क्षेत्र की लाभप्रदता मार्च, 2024 तक 7.2 लाख करोड़ रुपये से चार गुना बढ़कर 28.7 लाख करोड़ रुपये हो गई लेकिन दूसरे दशक में पूंजी निर्माण केवल तीन गुना बढ़ा।"

पूंजी निर्माण ने भर्तियों को पीछे छोड़ा

नागेश्वरन ने कहा, "हम ऐसी चुनौती का सामना कर रहे हैं कि लाभप्रदता में वृद्धि न केवल पूंजी निर्माण में वृद्धि से अधिक हो गई है, बल्कि लाभ कमाने की क्षमता में वृद्धि ने वेतन वृद्धि और भर्तियों को भी पीछे छोड़ दिया है। यह कुछ ऐसी स्थिति है जिसे हम अगले 25 या 30 वर्षों तक नहीं झेल सकते हैं।"

हिताची इंडिया के एमडी के रूप में वेणु की नियुक्ति

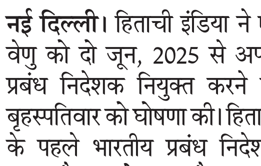

नई दिल्ली। हिताची इंडिया ने एन वेणु को दो जून, 2025 से अपना प्रबंध निदेशक नियुक्त करने की बृहस्पतिवार को घोषणा की। हिताची के पहले भारतीय प्रबंध निदेशक भरत कौशल को एक अप्रैल, 2025 से कंपनी के कार्यकारी चेयरमैन के रूप में पदोन्नत करने के बाद वेणु की नियुक्ति की गई है। वेणु हिताची एनर्जी इंडिया के सीईओ और हिताची एनर्जी में दक्षिण एशिया के क्षेत्रीय प्रमुख की अपनी मौजूदा भूमिकाओं के साथ हिताची इंडिया के प्रबंध निदेशक का दायित्व भी संभालेंगे।

चिंतन

अर्थव्यवस्था के आकार में वृद्धि ठीक, पर आर्थिक सुधार जरूरी

अर्थव्यवस्था के मोर्चे पर नई उपलब्धियों से भारत का आर्थिक आकार और बड़ा हो गया है। केंद्रीय बैंक के आकार में 33 फीसदी की बढ़ोतरी हुई है। इस बढ़ोतरी से वित्त वर्ष 2024-25 में भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के बही-खाते का आकार बढ़कर 76.25 लाख करोड़ रुपये हो गया है। यह 31 मार्च, 2024 तक 70.47 लाख करोड़ रुपये था। यह उपलब्धि विदेशी मुद्रा लेनदेन में हुई वृद्धि के चलते हासिल हुई है। अभी कुछ दिन पहले ही रिजर्व बैंक ने केंद्र सरकार को 2.7 लाख करोड़ रुपये का बड़ा लाभांश दिया है। यह बड़ी धनराशि है, जो रिजर्व बैंक की मजबूती को दिखाता है। नीति आयोग के मुताबिक, क्रय शक्ति समता (पीपीपी) के संदर्भ में भारतीय अर्थव्यवस्था का आकार पहले से ही 15,000 अरब डॉलर है, जो अमेरिकी अर्थव्यवस्था के आधे से भी अधिक है। अमेरिका की अर्थव्यवस्था 29,000 अरब डॉलर पर है। क्रय शक्ति समता (पीपीपी) का उपयोग विभिन्न देशों के बीच मुद्राओं के सापेक्ष मूल्य की तुलना करने के लिए किया जाता है। बाजार विनिमय दर का उपयोग करने के बजाय, पीपीपी उन वस्तुओं और सेवाओं की मात्रा पर ध्यान केंद्रित करता है जिन्हें प्रत्येक देश में मुद्रा की एक निश्चित राशि के साथ खरीदा जा सकता है। नीति आयोग ने अभी आंकड़े जारी कर कहा था कि भारत विश्व की चौथी बड़ी अर्थव्यवस्था बन गया है। इसको लेकर कुछ आलोचना भी हुई, क्योंकि भारत के अधिकांश आर्थिक संकेतक या तो नीचे हैं या सुस्त हैं। इस पर ही नीति आयोग ने एक तरह से सफाई दी है कि बड़ी या छोटी अर्थव्यवस्था बाजार मूल्यों पर आंके जाते हैं, जबकि उत्पादकता को मापने का वास्तविक तरीका क्रय शक्ति समता (पीपीपी) है। भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के वार्षिक व्यापार शिखर सम्मेलन में नीति आयोग ने आंकड़ा दिया कि हम बाजार मूल्यों पर 4,000 अरब डॉलर के जीडीपी पर हैं, पर पीपीपी के संदर्भ में, हम 15,000 अरब डॉलर की अर्थव्यवस्था हैं। आरबीआई ने अपनी 2024-25 की वार्षिक रिपोर्ट में भरोसा दिया है कि देश वित्त वर्ष 2025-26 में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। दीर्घकालीन भू-राजनीतिक तनाव और भू-आर्थिक विखंडन के बीच, मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी आंकड़ों और सक्रिय नीतिगत उपायों के समर्थन से 2024-25 में अर्थव्यवस्था ने जुझारू क्षमता दिखाई। रिजर्व बैंक को महंगाई दर चार फीसदी के लक्ष्य के अनुरूप रहने की पूरी उम्मीद है, इससे कर्ज महंगे होने की संभावना क्षीण दिखाई दे रही है। महंगाई दर में गिरावट के बाद केंद्रीय बैंक ने लगातार दो समीक्षाओं में प्रमुख नीतिगत दर रेपो में कटौती की है। भारतीय रिजर्व बैंक ने अपनी रिपोर्ट में यह भी कहा है कि देश में डिजिटल मुद्रा का चलन बढ़ रहा है। मार्च 2025 के अंत तक केंद्रीय बैंक डिजिटल मुद्रा (सीबीडीसी) या ई-रुपये का मूल्य बढ़कर 1,016 करोड़ रुपये हो गया, जो इससे एक साल पहले 234 करोड़ रुपये था। अब सीबीडीसी के जरिये सीमापार भुगतान को प्रायोगिक आधार पर शुरू करने की संभावनाओं पर विचार किया जा रहा है। यह रिजर्व बैंक का डिजिटल अर्थव्यवस्था को बढ़ावा देने का भविष्योन्मुखी प्लान है। अर्थव्यवस्था के आकार में वृद्धि और डिजिटल करेंसी की दिशा में प्रगति से भारतीय अर्थव्यवस्था की मूल समस्याएं ज्यों की त्यों हैं। जीडीपी सुस्त है, निर्यात घट रहा है, व्यापार घाटा चिंताजनक स्तर पर है, विदेशी निवेश में उत्साह नहीं है, औद्योगिक उत्पादन सूचकांक और आठ कोर इंडस्ट्री सेक्टर में गिरावट है। देश को तत्काल आर्थिक सुधार की जरूरत है।

नवाचार से बढ़ रहा कोयला क्षेत्र

उपलब्धियां
जी. किशन रेड्डी

> 'शक्ति नीति' में संशोधन कोयला क्षेत्र में सुधारों की एक सतत श्रृंखला में से एक है जिसका उद्देश्य थर्मल पावर प्लांट्स (टीपीपी) को पारदर्शी तरीके से कोयला आवंटित करना और इसके आसपास की प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। यह पिछले वित्तीय वर्ष में कोयला उत्पादन और प्रेषण में 1 बिलियन मीट्रिक टन को पार करने वाली भारत की दोहरी उपलब्धि के बाद आया है, जो सीधे तौर पर खनन से जुड़े लगभग 5 लाख श्रमिकों की कड़ी मेहनत का प्रमाण है। अनेक लोग और भी हैं जो अप्रत्यक्ष रूप से इस क्षेत्र में योगदान करते हैं। भारत को ये उपलब्धियां एक दशक के अथक प्रयास, कड़े परिश्रम, गहन सुधारों और ऐतिहासिक निर्णयों का परिणाम है।

बीते दिनों जब सीमा पर संघर्ष चरम पर था और भारतीय वीर जवान ऑपरेशन सिंदूर के द्वारा हमारे निर्दोष लोगों की हत्या और हमारी 'नारी शक्ति' के अपमान का बदला दुश्मन से ले रहे थे, तब आर्थिक मामलों की मंत्रिमंडलीय समिति (सीसीईए) ने ऊर्जा सुरक्षा के लिए 'शक्ति नीति' में संशोधन को मंजूरी दी, जिससे एक बार फिर दिखा कि सरकार की बहु-कार्य क्षमताएं कई मुद्दों पर कई परिणामों को एक साथ प्राथमिकता दे सकती हैं। 'शक्ति नीति' में संशोधन कोयला क्षेत्र में सुधारों की एक सतत श्रृंखला में से एक है जिसका उद्देश्य थर्मल पावर प्लांट्स (टीपीपी) को पारदर्शी तरीके से कोयला आवंटित करना और इसके आसपास की प्रक्रियाओं को सरल बनाना है। यह पिछले वित्तीय वर्ष में कोयला उत्पादन और प्रेषण में 1 बिलियन मीट्रिक टन को पार करने वाली भारत की दोहरी उपलब्धि के बाद आया है, जो सीधे तौर पर खनन से जुड़े लगभग 5 लाख श्रमिकों की कड़ी मेहनत का प्रमाण है। इसके अलावा अनेक लोग और भी हैं जो अप्रत्यक्ष रूप से इस क्षेत्र में योगदान करते हैं।

भारत को ये उपलब्धियां रातों-रात प्राप्त नहीं हुई है, बल्कि ये परिवर्तन एक दशक के अथक प्रयास, कड़े परिश्रम, अटूट विश्वास, गहन सुधारों और ऐतिहासिक निर्णयों का परिणाम है। 2014 में कोयला क्षेत्र पूरी तरह अव्यवस्थित था। तेजी से बढ़ती मांग की तुलना में कोयले के उत्पादन में गंभीर घाटा था। कोयला और लिग्नाइट उत्पादन में 2009-2010 में 566 मिलियन टन से 2013-2014 में 610 मिलियन टन की एक मामूली वृद्धि देखी गई। एक बढ़ती अर्थव्यवस्था के रूप में हमारी जरूरतों के लिए 1.5% की संचयी वार्षिक वृद्धि दर पर्याप्त नहीं थी। 2014 में इसे नव निर्वाचित नरेंद्र मोदी सरकार के लिए सबसे बड़ी चुनौतियों में से एक माना जा रहा था। 2015 में सुप्रीम कोर्ट द्वारा 204 कोयला ब्लॉकों को रद करने से सरकार को परिवर्तनकारी बदलाव की तलाश करने का अवसर मिला। ग्यारह साल बाद मार्च-2025 तक, लगभग 150 कोयला खदानों की सफलतापूर्वक नीलामी की जा चुकी है। जून, 2020 में भारत के प्रधानमंत्री द्वारा वाणिज्यिक कोयला खनन के शुभारंभ के बाद से, 11 दौर पूरे हो चुके हैं और वाणिज्यिक कोयला खदान नीलामी का 12वां दौर जो हाल ही में मार्च, 2025 में शुरू किया गया था, प्रगति पर है। परिणाम खुद ही बोलते हैं : पिछले एक दशक में भारत के कोयला उत्पादन में 70% की वृद्धि देखी गई है। ये पारदर्शिता, दक्षता और स्थिरता के साथ एक बड़ी वृद्धि भी है और एक बड़ी उपलब्धि भी, जिसमें राज्य सरकारें सबसे बड़े लाभार्थियों में से एक रही हैं, जिन्होंने पूरे खनन क्षेत्र के लिए लगभग 4.4 लाख करोड़ रुपये और विशेष रूप से कोयला क्षेत्र के लिए 1.6 लाख करोड़ रुपये, केवल नीलामी प्रीमियम और विभिन्न राज्य सरकार के खजाने में प्राप्त रॉयल्टी के माध्यम से प्राप्त किए हैं। स्वतंत्रता के बाद, कोयला उत्पादन को बढ़ाने और विकास के एक नए युग की शुरुआत करने का एक बड़ा अवसर था। मगर निजी क्षेत्र का प्रभावी ढंग से लाभ उठाने के लिए रणनीतिक समझ की कमी नुकसानदेह थी। माल ढुलाई समानीकरण नीति जैसी नीतियों ने खनन क्षेत्रों के करीब उद्योग स्थापित करने के लिए कोई प्रोत्साहन नहीं दिया, बल्कि कारखानों को दूर स्थापित

करने के लिए प्रोत्साहित किया, जिससे सरकारी खजाने को भारी नुकसान हुआ। 17 मई 1957 को तत्कालीन इस्पात, खान और ईंधन मंत्री सरदार स्वर्ण सिंह ने कोयला खनन उद्योग पर अधिक सार्वजनिक नियंत्रण प्राप्त करने के इरादे से लोकसभा में "कोयला धारक क्षेत्र (अधिग्रहण और विकास) विधेयक" पेश किया। 1951 से 1956 के बीच पहली पंचवर्षीय योजना के अंत में भारत का कोयला उत्पादन 38 मिलियन टन था। चर्चा निजी क्षेत्र के अंतर्निहित अविश्वास के इर्द-गिर्द केंद्रित थी। निजी क्षेत्र की नवाचार और जोखिम लेने की क्षमताओं और भारतीय युवाओं की उद्यमशीलता की भावना में इस अविश्वास के परिणामस्वरूप 1990 में कोयला उत्पादन लगभग 200 मिलियन मीट्रिक टन तक ही पहुंच पाया। 2020 से शुरू की गई वाणिज्यिक नीलामी व्यवस्था अतीत से एक महत्वपूर्ण बदलाव है। दशकों से कोयला और खदान क्षेत्र में पर्यावरण संबंधी चिंताओं को नजरअंदाज किया जाता रहा है। मगर पिछले एक दशक में सस्टेनेबिलिटी सबसे आगे आ गई है। वर्तमान में चल रही सौर और पवन परियोजनाओं, पंप स्टोरेज प्लांट और कोल इंडिया के पहले गैर-कोयला महत्वपूर्ण खनिज ब्लॉक अधिग्रहण के साथ विविधीकरण ने गति पकड़ी है। इसके अलावा, कैबिनेट ने 8500 करोड़ रुपये के कोयला गैसीकरण कार्यक्रम को हरी झंडी दे दी है और निवेश को और बढ़ाने की योजना बनाई है। अगले कुछ वर्षों में, खदान बंद करना एक मुख्य प्राथमिकता बनी रहेगी और निर्बाध, प्रगतिशील और टिकाऊ खदान बंद करने की गतिविधियों को सक्षम करने के लिए दिशानिर्देशों को संशोधित किया जा रहा है। भूमिगत खनन के पर्यावरणीय लाभों को पहचानते हुए हमने 2029-30 तक 100 मीट्रिक टन तक पहुंचने के लिए एक स्पष्ट रोडमैप निर्धारित किया है और इसे पूरी प्रतिबद्धता के साथ लागू किया जा रहा है।

इसके अलावा, मंत्रालय फर्स्ट माइल कनेक्टिविटी (एफएमसी) परियोजनाओं को तेजी से आगे बढ़ा रहा है, जिससे यह सुनिश्चित होगा कि 90 प्रतिशत कोयले को कन्वेयर बेल्ट जैसे मशीनीकृत और पर्यावरण के अनुकूल प्रणालियों के माध्यम से लोड किया जाएगा। रिकॉर्ड कोयला उत्पादन के बावजूद, भारत का प्रति व्यक्ति कोयला ऊर्जा उपयोग चीन, अमेरिका और यूरोप से बहुत कम है।

पिछले एक दशक में, बिजली की समग्र स्थापित क्षमता में कोयले का योगदान कम होता गया है। 2014-2015 में स्थापित क्षमता में 60 प्रतिशत योगदान देने से यह अब घटकर 47 प्रतिशत हो गया है, जबकि सौर और अन्य नवीकरणीय स्त्रोतों में तेजी आई है। जैसे-जैसे हम आगे बढ़ते रहेंगे और 2047 तक पूरी तरह से विकसित 35 ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था में तब्दील हो जाएंगे, हमारी ऊर्जा की ज़रूरतें बढ़ती रहेंगी और कोयला हमारे ऊर्जा मिश्रण का एक महत्वपूर्ण स्तंभ बना रहेगा। भारत का कोयला क्षेत्र न केवल भारत के विकास को बढ़ावा दे रहा है, बल्कि यह आधुनिक खनन अर्थव्यवस्था के नियमों को भी पुनः लिख रहा है। कोयला व्यापार विनिमय (कोल ट्रेडिंग एक्सचेंज) जैसे नवाचारों और भविष्य की पहलों के साथ, अब कोयला क्षेत्र में सुरक्षा, दक्षता और डिजिटल जुड़ाव के साथ-साथ एआई, 5जी और जीपीएस ट्रैकिंग को तैनात कर रही है। एक समय भ्रष्टाचार से ग्रस्त, असंतुलित और अकुशल कोयला और खनन क्षेत्र में पिछले दशक में एक बड़ा बदलाव आया है। जब हम आधुनिकीकरण, अंतरराष्ट्रीय सहयोग और टिकाऊ प्रथाओं पर निरंतर ध्यान केंद्रित करते हुए भविष्य की ओर देखते हैं, तो और भी अधिक महत्वपूर्ण उपलब्धियां सामने आएंगी, जो वैश्विक खनन और संसाधन अर्थव्यवस्था में एक अग्रणी के रूप में भारत की भूमिका को मजबूत करेंगी।

(लेखक केंद्रीय कोयला एवं खान मंत्री हैं, ये उनके अपने विचार हैं।
लेख पर अपनी प्रतिक्रिया edit@haribhoomi.com पर दे सकते हैं।

प्रेरणा

सोनम लववंशी

देश को मिजोरम शिक्षा मॉडल की ज़रूरत!

जब भारत के कई राज्य अब भी शिक्षा के बुनियादी लक्ष्यों को छूने के लिए संघर्ष कर रहे हैं, ऐसे समय में मिजोरम ने इतिहास रच दिया है। यह कोई सामान्य उपलब्धि नहीं, बल्कि वह मशाल है, जो देश के लिए दिशा और प्रेरणा दोनों बन सकती है। आवधिक श्रम बल सर्वेक्षण (पीएलएफएस) 2023-24 के अनुसार, मिजोरम ने 98.2 प्रतिशत की साक्षरता दर के साथ 'पूर्ण साक्षरता' का गौरव प्राप्त कर लिया है और इसी के साथ यह भारत का पहला ऐसा राज्य बन गया है जहां हर दस में लगभग दस व्यक्ति पढ़ना-लिखना जानते हैं। यह सिर्फ एक आंकड़ा नहीं, बल्कि उस सामाजिक चेतना, प्रतिबद्ध प्रशासन और शिक्षकों की निःस्वार्थ भागीदारी की गाथा है, जिसने शिक्षा को अधिकार नहीं, ज़िम्मेदारी माना। अक्सर हाशिए पर रखे जाने वाले उत्तर-पूर्वी राज्यों में से एक, मिजोरम ने दिखा दिया है कि विकास केवल संसाधनों पर नहीं, संकल्प और सहभागिता पर निर्भर करता है। शिक्षा को लेकर यह राज्य जिस प्रकार आगे बढ़ा है, वह भारत की समग्र शिक्षा नीति पर एक मौन प्रश्नचिह्न भी है कि जो छोटे और संसाधन वंचित राज्य कर सकते हैं, वह बड़े और अपेक्षाकृत समृद्ध राज्य क्यों नहीं? 2023 में केंद्र सरकार द्वारा शुरू किए गए 'उल्लास' नव-साक्षरता अभियान को मिजोरम ने केवल सरकारी योजना की तरह नहीं लिया, बल्कि उसे एक सामाजिक आंदोलन में तब्दील कर दिया। समग्र शिक्षा और नव भारत साक्षरता कार्यक्रम को जोड़ते हुए इसे मिशन मोड में उतारा गया। राज्य साक्षरता मिशन प्राधिकरण का गठन हुआ और एससीईआरटी के अंतर्गत एक 'राज्य साक्षरता केंद्र' की स्थापना की गई। यहां मिज़ो भाषा में 'वर्टियन' नामक अध्ययन सामग्री तैयार की गई, स्वयंसेवी शिक्षकों के लिए 'मार्गदर्शक' पुस्तिका बनाई गई और छात्रों के लिए 'रोमी' जैसे संसाधन विकसित किए गए। क्लस्टर रिसोर्स सेंटर समन्वयकों ने अगस्त-सितंबर 2023 में घर-घर जाकर 15 वर्ष से अधिक आयु के 3,026 अशिक्षित लोगों की पहचान की। यह अभियान किसी नियम का पालन मात्र नहीं था, यह उस भावना का प्रकटीकरण था जो समाज को पूर्ण ज्ञान से जोड़ना चाहता है।

इनमें से 1,692 लोगों ने स्वयं आगे बढ़कर शिक्षा ग्रहण करने की इच्छा जताई। यह आंकड़े नहीं, बल्कि बदलती चेतना और सामाजिक परिवर्तन के प्रमाण हैं। यही वजह है कि मिजोरम की यह उपलब्धि महज केरल को पीछे छोड़ने की बात नहीं है, बल्कि यह दिखाती है कि शिक्षा जब जीवन के ताने-बाने में बसी हो, तो वह संख्याओं से आगे जाकर एक संस्कृति बन जाती है। जब देश की औसत साक्षरता दर अब भी 85 प्रतिशत के आसपास है, तब मिजोरम का 98.2 प्रतिशत तक पहुंचना यह सिद्ध करता है कि संसाधनों की बहुलता नहीं, दिशा और नीयत महत्वपूर्ण है। यह राज्य, जो भौगोलिक रूप से दूरस्थ और आर्थिक रूप से सीमित है, उसने यह कर दिखाया। भारत के बाकी राज्यों के लिए यह मात्र एक मिसाल नहीं, एक चेतावनी भी है कि अगर शिक्षा अब भी प्राथमिकता नहीं बनी, तो हम अपने सबसे मूल्यवान संसाधन, यानी युवा पीढ़ी को खो बैठेंगे। शिक्षा को लेकर मिजोरम की यह प्रतिबद्धता एक और बात सिद्ध करती है कि कोई भी नीति, चाहे वह कितनी भी सुंदर क्यों न हो, तब तक निष्फल है जब तक समाज उसे अपने मूल्य की तरह नहीं अपनाता। मिजोरम की सफलता का रहस्य केवल सरकारी योजनाओं या आंकड़ों में नहीं छिपा, बल्कि समाज के उस गहरे भाव में है जिसने शिक्षा को आत्मसम्मान, आत्मनिर्भरता और नागरिक चेतना का औजार बना लिया है। वहाँ शिक्षा किसी प्रतियोगी परीक्षा की तैयारी मात्र नहीं है, न ही डिग्री प्राप्ति की दौड़। गाँवों में भी विद्यालय महज सरकारी उपस्थिति का प्रमाण नहीं हैं, बल्कि वहाँ शिक्षक समय पर आते हैं, छात्र पूरे समर्पण से पढ़ते हैं और अभिभावक शिक्षा को जीवन का अविभाज्य हिस्सा मानते हैं। हमें ऐसी व्यवस्था बनानी होगी, जहां शिक्षा केवल मंत्रालयों का विषय न होकर हर नागरिक की साझी जिम्मेदारी बने। ऐसे शिक्षक चाहिए जो केवल पढ़ाएं नहीं, बल्कि प्रेरणा बनें; ऐसे पाठ्यक्रम चाहिए जो स्थानीयता से जुड़े हों और ऐसी व्यवस्थाएं चाहिए जो विद्यालयों को किसी कोने की फाइल नहीं, व्यवस्था का केंद्रीय स्तंभ बनाएं। मिजोरम ने हमें यह दिखाया है कि शिक्षा का वास्तविक अर्थ सामाजिक चेतना, आत्मनिर्भरता और नागरिक जिम्मेदारी में है। अब समय आ गया है कि देश इस मॉडल को केवल सराहे नहीं, बल्कि इसे अपनाए। जब तक हम शब्दों से निकलकर ज़मीन पर नहीं उतरेंगे, तब तक 'ज्ञान की महाशक्ति' बनने का सपना अधूरा ही रहेगा।

(लेखिका स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

असंयम लक्ष्य से विमुख कर देता है

संकलित
दर्शन

भगवान श्रीराम हर पल आत्मस्थिति में रहे। वे तनिक भी असंयमित नहीं हुए। असंयम लक्ष्य विमुख कर देता है। जब हम किसी से प्रतिस्पर्धा का भाव रखते हैं, तब उस व्यक्ति के गुण और उसके कार्यों को हम किसी और ढंग से देखते हैं। उसी व्यक्ति से जब हमारा राग होता है, तो हम उसके हर कार्य में श्रेष्ठता ही देखते हैं। द्वेष होने पर हम न्यूनता और दोषों को ही खोजते हैं। आसक्ति होने पर उसके प्रति हम अपना सर्वस्व न्योछावर करने में भी तनिक संकोच नहीं करते हैं। हमारी यह इंद्रधनुषीय दृष्टि और वृत्ति जब किसी पद और अधिकार प्राप्त व्यक्ति के साथ जुड़ जाती हैं, तब वह व्यक्ति विकार को और भी विकृत कर उसे व्यापक बना देता है, तब उस मनःस्थिति में निर्णय देने, सामाजिक व्यवहार करने में वह अपने अधिकारों का दुरुपयोग करता हुआ स्वयं और समाज को गर्त में डाल देता है। श्रीराम चरित मानस में गुरु वशिष्ठ ने श्रीभरत के अंदर तब इस त्रिपुटी की प्रधानता स्वीकारी, जब श्रीभरत भगवान की पादुकाओं को अपने सिर पर लेकर आए और गुरुदेव वशिष्ठ से पूछा कि यदि आपका मंगलाशासन हो तो मैं पादुका रूप प्रभु को नंदीग्राम जाकर सिंहासनासीन कर वहीं से राज्य का कार्य संभाल लूंगा? तब गुरुदेव ने मानो भरत से यही कहा कि समुझव (समझ) के रूप में तुम्हारे अंदर विधायिका के गुण हैं, कहब (कथन) के रूप में न्यायपालिका के गुण हैं और करब (करनी) के रूप में कार्यपालिका के गुण हैं। भरत ऐसे भक्त हैं, जिन्होंने अपनी समझ, कथन, और करनी का योग भगवान के चरणों में अर्पित कर दिया।

कर्म महत्वपूर्ण है

संकलित
प्रेरणा

एक निक्कमे आदमी की पत्नी ने उसे घर से निकलते हुए कहा आज कुछ न कुछ कमा कर ही लौटना नहीं तो घर में नहीं घुसने दूगीं। आदमी दिन भर इधर-उधर भटकता रहा, लेकिन उसे कुछ काम नहीं मिला। निराश मन से वह जा रहा थी कि उसकी नजर एक मरे हुए सांप पर पड़ी। उसने एक लाठी पर सांप को लटकाया और घर की और जाते हुए सोचने लगा, इसे देखकर पत्नी डर जाएगी और आगे से काम पर जाने के लिए नहीं कहेगीं। घर जाकर उसने सांप को पत्नी को दिखाते हुए कहा, ये कमाकर लाया हूँ। पत्नी ने लाठी को पकड़ा और सांप को घर की छत पर फेंक दिया।वह सोचने लगी कि मेरे पति की पहली कमाई जो कि एक मरे हुए सांप के रूप में मिली, ईश्वर जरुर इसका फल हमें देगें क्योंकि मैंने सुना हैं कि कर्म का महत्व होता हैं। वह कभी व्यर्थ नहीं जाता। तभी एक बाज़ उधर से उड़ते हुए निकला जिसने चोंच में एक कीमती हार दबा रखा था। बाज़ की नजर छत पर पड़े हुए सांप पर पड़ी उसने हार को वहीं छोड़ा और सांप को लेकर उड़ गया। पत्नी ने हार को पति को दिखाते हुए सारी बात बताई। पति अब कर्म के महत्व को समझ चुका था, उसने हार को बेचकर अपना व्यवसाय शुरू किया। कल का एक गरीब इन्सान आज का सफल व्यवसायी बनकर इज्जत की जिंदगी जी रहा हैं। चलने वाला मंजिल पाता, बैठा पीछे रहता हैं, ठहरा पानी सड़ने लगता, बहता निर्मल रहता हैं। पैर मिले हैं चलने को तो, पांव पसारे मत बैठो, आगे-आगे चलना हैं तो, हिम्मत हारे मत बैठो।

सटाका

आज की पाती

क्यों थम गए पाकिस्तान के परमाणु धमकी के बोल?

बहुत सारे बड़बोले पाकिस्तानी नेता, उग्रवादी व सेना के लोग अक्सर भारत को परमाणु बम की खोखली धमकियां देते रहे हैं। जवाब में भारत भी तुरंत कह देता है कि अगर पाकिस्तान हमारे विरुद्ध परमाणु अस्त्रों का प्रयोग करने का दु:साहस करेगा, तो हम पाकिस्तान को तबाह करते हुए समूल ही नष्ट कर देंगे। आश्चर्यजनक रूप से पिछले लगभग एक महीने से हालात और भारत के बयान बिल्कुल ही बदल गए हैं। भारत सरकार के अधिकारी यही कहते हैं कि हम पाकिस्तान की गीदड़ भभकियों से डरने वाले नहीं हैं। ऐसा लगता है कि भारत सरकार और सेना की ओर से कुछ ठोस उपाय किए जा रहे हैं। यही कारण है कि अब पाकिस्तान से आने वाली ऐसी धमकियों पर कुछ हद तक रोक लगी है। भारतीय लोगों को एकजुट रहकर, संयम बनाए रखने की जरूरत है। *– प्रदीप डांगे, भिलाई*

ट्रेंड

घरेलू प्रणालियां मजबूत

आज हम सिर्फ़ लड़ाकू विमान या मिसाइल सिस्टम नहीं बना रहे हैं, बल्कि हम नये युग की युद्ध तकनीक के लिए भी तैयार हो रहे हैं। हमारी घरेलू प्रणालियों ने यह साबित किया है कि हम दुश्मन के किसी भी कवच को भेदने की ताकत रखते हैं।
- राजनाथ सिंह, रक्षा मंत्री

मल्चिंग पेपर तकनीक

नागपुर के धापेवाड़ा स्थित हमारे भक्ति फार्म में मेरी पत्नी कांचन ने एक अनूठा प्रयोग करते हुए, मल्चिंग पेपर तकनीक का इस्तेमाल कर एक किलो तक वज़न वाले ऑर्गेनिक प्याज़ का सफल उत्पादन किया है। इससे खरपतवार नहीं उगती है।
-नितिन गड़करी, केंद्रीय राजमार्ग मंत्री

अंतरराष्ट्रीय योग दिवस

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की पहल पर पूरा विश्व योग दिवस मना रहा है और अब योग हमारी जीवनशैली का अभिन्न अंग बन चुका है। हरियाणा भी 21 जून को 11वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस को लेकर उत्साहित है।
- नायब सिंह सैनी, सीएम, हरियाणा

पुंछ को पुनर्वास पैकेज मिले

पुंछ का दर्द वहां जाकर ही महसूस होता है। आग्रह नहीं, सरकार को ज़िम्मेदारी की याद दिला रहा हूं कि पाकिस्तान की गोलाबारी से प्रभावित इलाकों के लिए ठोस, उदार और तात्कालिक राहत व पुनर्वास पैकेज तैयार किया जाए।
- राहुल गांधी, कांग्रेस सांसद

करंट अफेयर

अमेरिका में कोविड टीका बच्चों को अनिवार्य नहीं

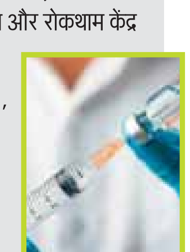

अमेरिका के स्वास्थ्य और मानव सेवा (एचएचएस) मंत्री रॉबर्ट एफ. कैनेडी जूनियर ने 27 मई, 2025 को घोषणा की कि रोग नियंत्रण और रोकथाम केंद्र (सीडीएस)अब स्वस्थ बच्चों और गर्भवती महिलाओं के लिए अनुशंसित टीकाकरण की सूची में कोविड-19 के टीके को शामिल नहीं करेगा। सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा एक वीडियो में की गई यह घोषणा 20 मई को की गई एक अन्य घोषणा की पृष्ठभूमि में आई है, जिसमें खाद्य एवं औषधि प्रशासन (एफडीए) ने खुलासा किया था कि वह केवल 65 वर्ष या उससे अधिक उम्र के वयस्कों और गंभीर कोविड-19 के सबसे अधिक जोखिम वाले लोगों के लिए ही टीके के नए संस्करणों को मंजूरी देगा। एफडीए ने टीके निर्माताओं से यह अपेक्षा की है कि वे चिकित्सीय परीक्षण करें, ताकि यह साबित किया जा सके कि टीका कम जोखिम वाले समूहों के लिए लाभकारी है। द कन्वर्सेशन की अमेरिकी इकाई ने जन स्वास्थ्य संवर्धन से जुड़ी पर्ड्यू विश्वविद्यालय की नर्सिंग प्रोफेसर लिब्बी रिचर्ड्स से पूछा कि वे बताएं कि आम जनता के लिए इन घोषणाओं का क्या अभिप्राय है। क्यों एचएचएस और एफडीए पूर्व की व्यवस्था को समाप्त कर रहे हैं ?

ऑफ बीट

चिर तनाव है मनोभ्रंश जोखिम का कारक

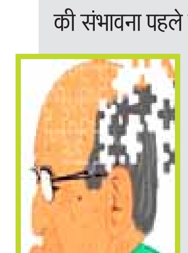

किसी भी अमेरिकी व्यक्ति के अपने जीवनकाल में मनोभ्रंश से ग्रस्त हो जाने की संभावना पहले की अपेक्षा कहीं अधिक हो सकती है। एक अध्ययन में पाया गया कि 55 से 95 वर्ष तक की आयु के लोगों में मनोभ्रंश विकसित होने की औसत संभावना 42 प्रतिशत थी। चिर तनाव संज्ञानात्मक दृष्टिकोण से लोगों की उम्र बढ़ने में क्या भूमिका निभा सकता है तथा उनमें मनोभ्रंश का जोखिम भी कितना बढ़ा सकता है। हालिया शोध से पता चलता है कि वर्तमान में मध्यम आयु वर्ग या उससे अधिक उम्र के अमेरिकी लोग पिछली पीढ़ियों की तुलना में अधिक बार तनावपूर्ण घटनाओं का अनुभव करते हैं। शोध के एक मजबूत निकाय ने कम से कम 14 विभिन्न कारकों के महत्व पर प्रकाश डाला है जो अल्जाइमर रोग- मनोभ्रंश का एक सामान्य और विनाशकारी रूप - और मनोभ्रंश के अन्य रूपों के आपके जोखिम से संबंधित हैं। हालांकि इनमें से कुछ कारक आपके नियंत्रण से बाहर हो सकते हैं, जैसे कि मधुमेह या अवसाद। इनमें से कई कारक उन चीजों से संबंधित हैं जो लोग करते हैं, जैसे कि शारीरिक गतिविधि, स्वस्थ भोजन और सामाजिक जुड़ाव।

हमारा पता
हरिभूमि कार्यालय
66/1 इंडस्ट्रियल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मप्र)
पिन कोड-482002
ई-मेल : edit@haribhoomi.com
वेब-साइट : www.haribhoomi.com

सितारे जमीन पर का नया गाना 'सर आंखों पे मेरे' रिलीज...

मुंबई। आमिर खान अभिनीत फिल्म 'सितारे जमीन पर' का दर्शकों को बड़ी बेसब्री से इंतजार है, जो जल्द सिनेमाघरों में दस्तक देने वाली है। गुरुवार के दिन फिल्म का नया गाना 'सर आंखों पे मेरे' रिलीज किया गया है। इस गाने में आमिर खान और जेनेलिया देशमुख के बीच भावनात्मक अंदाज को देखा जा सकता है। आमिर खान की आगामी फिल्म 'सितारे जमीन पर' का नया गाना 'सर आंखों में मेरे' एक भावनात्मक सॉन्ग है, जिसे अरिजीत सिंह और शरीवा पारुलकर द्वारा गाया गया है। इस गाने में पहली बार आमिर खान और जेनेलिया देशमुख को एक साथ स्क्रीन पर देखा गया है। वीडियो में दोनों कलाकार को उत्सव के माहौल में उदास देखा जा सकता है।

लाइफ Style

हुमा
जम्मू के पर्यटन स्थल को दिया बढ़ावा

बॉलीवुड अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने जम्मू में मारे गए सरकारी अधिकारी के परिवार से मुलाकात की। हुमा ने जम्मू के पर्यटन स्थल को बढ़ावा देने की पहल भी की है। अभिनेत्री हुमा कुरैशी ने बुधवार को जम्मू में एक वरिष्ठ अधिकारी राज कुमार थापा के परिवार से मुलाकात की, जिनकी पाकिस्तानी गोलाबारी में मृत्यु हो गई थी।

एजेंसी ▶▶ मुंबई

हुमा ने जम्मू के पर्यटन स्थल को बढ़ावा देने की पहल भी की है। जम्मू में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए एक पहल शुरू की गई है, जिसमें मशहूर हस्तियों के दौरे शामिल हैं। इसकी शुरुआत हुमा कुरैशी की यात्रा से हुई। वे शांति और आशा का संदेश देने जम्मू पहुंचीं। हुमा ने राजौरी के अतिरिक्त जिला विकास आयुक्त राज कुमार थापा के परिवार से उनके घर पर मुलाकात की। थापा की 10 मई को राजौरी में पाकिस्तानी गोलीबारी में मृत्यु हुई थी। इस दौरान हुमा ने जम्मू और कटरा के होटल व रेस्तरां एसोसिएशन के लोगों से भी बात की। अभिनेत्री ने जम्मू की सुंदरता, आतिथ्य और संस्कृति को बढ़ावा देने की अपील की। उनका कहना था कि मशहूर हस्तियों का समर्थन पर्यटकों का भरोसा बढ़ा सकता है। शाम को भारत-पाक सीमा पर एक सांस्कृतिक कार्यक्रम हुआ, जो एकता और राष्ट्रीय गौरव का प्रतीक था। हुमा कुरैशी ने वहां जम्मू-कश्मीर के लोगों की हिम्मत और भावना की प्रशंसा की। उन्होंने और हस्तियों से इस खूबसूरत क्षेत्र की संस्कृति और आतिथ्य का अनुभव करने की अपील की। अधिकारी ने कहा कि कुरैशी की यात्रा जम्मू-कश्मीर को एक सुरक्षित और आकर्षक पर्यटन स्थल के रूप में बढ़ावा देने का एक मजबूत संदेश है।

हॉलीवुड मसाला

बिना स्क्रिप्ट किया दुष्कर्म सीन

लॉस एंजिल्स। हॉलीवुड स्टंटवुमन डेविना लाबेला ने फिल्म निर्देशक और अभिनेता केविन कॉस्टनर पर गंभीर आरोप लगाए हैं। एक रिपोर्ट के अनुसार कहा गया है कि 'होराइजन 2' फिल्म की शूटिंग के दौरान बिना किसी प्रोटोकॉल और स्क्रिप्ट के डेविना लाबेला को दुष्कर्म वाला सीन करने के लिए मजबूर किया गया था। डेविना ने एक शिकायत दर्ज कराई है, जिसमें बताया कि यह घटना 2 मई, 2023 को यूटा सेट पर हुई, जिसमें उनके साथ गलत हुआ।

एंड्रयू और ट्रिस्टन ट्रेट पर 21 गंभीर आरोप

लॉस एंजिल्स। एंड्रयू टेट और ट्रिस्टन ट्रेट पर ब्रिटेन में पहली बार क्राउन प्रॉसिक्यूशन सर्विस ने आरोपों की पुष्टि की है। हालांकि, पिछले साल भी इन पर आरोप लगाए गए थे और समाचार मीडिया ने गिरफ्तारी वारंट की सूचना भी दी थी। साल 2016 में ही दोनों भाई रोमानिया चले गए थे। अब इन आरोपों की आधिकारिक तौर पर पुष्टि हुई है। 38 वर्षीय एंड्रयू टेट पर तीन महिलाओं से संबंधित 10 आरोप हैं जिनमें दुष्कर्म, शारीरिक नुकसान, मानव तस्करी और लाभ के लिए वेश्यावृत्ति को नियंत्रित करना शामिल है। वहीं, उनके भाई 36 वर्षीय ट्रिस्टन टेट पर एक महिला से संबंधित 11 आरोप हैं जिनमें दुष्कर्म, मानव तस्करी और शारीरिक नुकसान शामिल हैं।

शैतान की दुनिया में हुई मां की एंट्री...

मुंबई। काजोल की हॉरर-थ्रिलर फिल्म मां का ट्रेलर गुरुवार को रिलीज हो गया है। पहली बार काजोल किसी हॉरर-मायथोलॉजी फिल्म में नजर आ रही हैं। पिछले साल आई अजय देवगन और आर माधवन की फिल्म शैतान की दुनिया से ये अगली फिल्म है। फिल्म में काजोल एक मां के किरदार में नजर आ रही हैं। फिल्म के ट्रेलर लॉन्च का इवेंट मुंबई में किया गया। जिसमें अभिनेत्री काजोल ने दमदार अंदाज में एंट्री की। काजोल इवेंट में ब्लैक कलर की साड़ी में पहुंचीं। इस दौरान अजय देवगन भी मौजूद रहे। मां का ट्रेलर रिलीज हो गया है। जिसके साथ ही शैतान की दुनिया में अब मां की भी एंट्री हो गई है। फिल्म आर माधवन भी दोइतो के किरदार में नजर आएंगे। इस मौके पर काजोल ने कहा कि ये मेरी पहली माइथो-हॉरर फिल्म है।

रामायण के सेट से आई पहली तस्वीर...

मुंबई। नितेश तिवारी की 'रामायण' दो पार्ट में रिलीज होगी। 'रामायण' का पहला पार्ट दिवाली 2026 तक रिलीज होने वाला है। दूसरा पार्ट दिवाली 2027 पर आएगा। फिल्म में राम के रोल में रणबीर कपूर, सीता के रोल के लिए साई पल्लवी तो वहीं यश को रावण के रोल के लिए कास्ट किया गया है। प्रोजेक्ट की शूटिंग जोरों से चल रही है। इस मूवी से अब तक कई बड़े नाम जुड़ चुके हैं और कई नाम जुड़ते नजर आ रहे हैं। नितेश तिवारी की 'रामायण' से साउथ सुपरस्टार यश का नाम भी जुड़ चुका है। ऐसे में शूटिंग सेट से यश की कुछ तस्वीरें सामने आई हैं। इन तस्वीरों में एक्टर का नया लुक देखने को मिल रहा है। दरअसल, फिल्मफेयर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर 'रामायण' के शूटिंग सेट से कुछ तस्वीरें पोस्ट की हैं, जो देखते ही देखते इंटरनेट पर वायरल हो गई हैं।

टीवी मसाला

टीवी पर ये महिला किरदार हुए खूब मशहूर

नई दिल्ली। अधिकतर टीवी सीरियल्स की कहानियां महिला किरदारों पर आधारित होती हैं। सास-बहू ड्रामा सीरियल तो टीवी पर सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। इन्हीं टीवी सीरियल्स में कई एक्ट्रेसेस ऐसी बहू के किरदार में नजर आती हैं, जो अपने घर-परिवार को बांधे रखती हैं। इन दिनों भी 'अनुपमा' सीरियल में रुपाली गांगुली ऐसा ही किरदार निभा रही हैं। वैसे अनुपमा से पहले भी टीवी पर कई चर्चित बहुएं रही हैं। लगभग 25 साल पहले सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' में स्मृति ईरानी ने तुलसी विरानी का रोल किया था। वह उस समय टीवी की सबसे चर्चिच बहू बन गई थी। इसी नाम से आज भी स्मृति ईरानी को पहचाना जाता है। इस किरदार के साथ महिला दर्शकों का बहुत गहरा जुड़ाव देखा गया था। साक्षी तंवर सीरियल 'कहानी घर घर की'से 25 साल पहले टीवी पर खूब पॉपुलर हुईं। इस सीरियल में वह पार्वती का किरदार निभाती थीं। पार्वती को भी तुलसी विरानी जैसी ही पॉपुलैरिटी टीवी पर मिली। इस सीरियल और 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी'को एकता कपूर ने ही प्रोड्यूस किया था। साल 2010 में शुरू हुए सीरियल 'साथ निभाना साथिया' में जिया मानेक ने कुछ वक्त तक गोपी बहू का किरदार किया था। यह किरदार भी कुछ ही समय में टीवी की सबसे चर्चित बहुओं की लिस्ट में शामिल हो गया। यहां तक की मीम्स की दुनिया में भी इस किरदार के सीन्स को खूब इस्तेमाल किया जाता है। सीरियल 'छोटी बहू' साल 2008 में टीवी पर टेलीकास्ट हुआ, इस सीरियल में रुबीना दिलैक ने छोटी बहू उर्फ राधिका का किरदार निभाया था।

पिता साथ में नहीं मना पाते थे कोई त्योहार

नई दिल्ली। कपिल शर्मा का कहना है कि उनके पिता पुलिस थे और कड़ी मेहनत करते थे। हालांकि. परिवार के साथ वक्त बिताने के लिए छुट्टी नहीं मिलती थी। उन्होंने पुलिस की जॉब को नाशुक्रगुजार बताया है। कपिल शर्मा की बातचीत में उनके पिता का जिक्र कम ही रहता है। हालांकि, वह उनकी बीमारी और जॉब से जुड़ी बातें कुछेक बार बता चुके हैं। एक इंटरव्यू में उन्होंने बताया कि पिता पुलिस थे और उन्हें कभी परिवार के साथ समय बिताने के लिए छुट्टी नहीं मिलती थी। इस वजह से उन्होंने बहुत कम त्योहार साथ में मना पाए। मैंने अपने पिता को कड़ी मेहनत करते देखा है। पुलिस फोर्स नाशुक्र जॉब है। हम परिवार के साथ बमुश्किल ही बार गए होंगे, न ही हम साथ त्योहार मनाते थे। क्योंकि. उन्हें हमारे लिए कोई छुट्टी नहीं मिलती थी। मुंबई में, मैं देखता हूं कि हमारे फैमिली डिनर्स होते हैं, वीकेंड वगैरह होते हैं।

'तू मेरी मैं तेरा- मैं तेरा तू मेरी' के सेट से लीक हुआ शूटिंग वीडियो

मुंबई। को लेकर खबरों में बने हुए हैं। इस लिस्ट में अनुराग बसु की रोमांटिक ड्रामा मूवी भी शामिल है। इस फिल्म में कार्तिक, साउथ एक्ट्रेस श्रीलीला के साथ नजर आएंगे। वहीं, एक बार फिर से कार्तिक आर्यन और अनन्या पांडे रोमांटिक कॉमेडी 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' के लिए साथ आए हैं। समीर विद्वान द्वारा निर्देशित यह फिल्म यूरोप में फ्लोर पर आ चुकी है। ऐसे में इस फिल्म की शूटिंग सीन का एक वीडियो लीक हो गया है। वायरल वीडियो में कार्तिक आर्यन सड़क किनारे एक कैफे में एंट्री करते हुए दिखाई दे रहे हैं, जबकि अनन्या पांडे एक दोस्त के साथ बैठी हुई दिखाई दे रही हैं। इस दौरान कैफे में बहुत सारे और लोग भी नजर आ रहे हैं। वहीं, इस ओपन कैफे में एंट्री करते ही कार्तिक, अनन्या को दूर से देखते दिख रहे हैं। लुक की बात करें तो अनन्या इस दौरान ऑफ शोल्डर वन पीस ड्रेस में नजर आ रही हैं। तो वहीं, कार्तिक ने व्हाइट एंड नेवी ब्लू कलर की लाइनिंग वाली शर्ट कैरी की है, जिसमें वो बेहद हैंडसम लग रहे हैं। इसके अलावा 'तू मेरी मैं तेरा मैं तेरा तू मेरी' फिल्म की कुछ और तस्वीरें एक्स पर भी वायरल हैं। इस फोटो में अनन्या ब्लू एंड येलो कलर की बिकिनी पहने धूप में बैठी नजर आ रही हैं। कार्तिक की बात करें तो उन्होंने व्हाइट कलर की शर्ट पहनी है, जिसके सामने के कई बटन खुले हैं। इसके साथ एक्टर ने प्रिंटेड लोवर पहना है।

मौसमी चटर्जी बोलीं- अमिताभ पर आती है दया, वह अपनी इमेज के हैं शिकार

नई दिल्ली। अमिताभ बच्चन अपनी इमेज का शिकार हो चुके हैं। वो हमेशा सिर्फ अपनी इमेज को बचाने में लगे रहते हैं। वो हर वक्त एक्टिंग करते रहते हैं। मुझे अक्सर उन पर तरस आता है। ये कहना है महानायक अमिताभ बच्चन के साथ काम कर चुकीं वेटरन एक्ट्रेस मौसमी चटर्जी का। मौसमी चटर्जी अपने शानदार अभिनय के साथ-साथ अपनी बेबाकी के लिए भी काफी मशहूर हैं। 77 साल की उम्र में भी मौसमी किसी भी मुद्दे पर बड़ी ही बेबाकी से अपनी राय रखती हैं। वो अक्सर अपने को-स्टार्स और अपने जमाने के कलाकारों को लेकर भी खुलकर बयान दे चुकी हैं। अब एक बार फिर मौसमी चटर्जी ने सुपरस्टार अमिताभ बच्चन को लेकर बात की।

इन फिल्मों साथ नजर आईं : मौसमी चटर्जी ने अपने कॅरियर में राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन दोनों के ही साथ काम किया है। राजेश खन्ना के साथ उन्होंने हमशक्ल, अनुराग और प्रेम बंधन जैसी फिल्मों में काम किया है। वहीं, अमिताभ बच्चन के साथ मौसमी चटर्जी ने बेनाम, मंजिल, रोटी कपड़ा और मकान और पीकू समेत कई फिल्मों में काम किया है।

सोच-समझकर बोलते हैं बिग बी

फिल्मफेयर के साथ अपनी हालिया बातचीत में मौसमी चटर्जी ने अपने जमाने के कलाकारों और बॉलीवुड के दो सबसे बड़े सुपरस्टार्स राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन को लेकर बात की। इस दौरान अभिनेत्री ने कहा, 'अमिताभ एक बहुत बड़ी शख्सियत हैं। उनकी इमेज इतनी बड़ी है कि वो हर वक्त अपनी उस छवि को बचाए रखने के लिए एक्टिंग करते रहते हैं। वो अपनी इस छवि का शिकार हो चुके हैं। इसलिए वो हमेशा अपने शब्दों का ध्यान रखते हैं। काफी सोच-समझकर बोलते हैं और हमेशा एक दिखावा सा करते रहते हैं। इसके अलावा न तो उन्हें कुछ आता है और न ही वो कुछ कर सकते हैं। मुझे तो कई बार उन पर तरस भी आता है कि वो बेचारे हर वक्त सिर्फ एक्टिंग ही करते हैं।'

दिखावा करते थे राजेश खन्ना

इस दौरान जब उनसे बॉलीवुड के दो बड़े सुपरस्टार्स राजेश खन्ना और अमिताभ बच्चन के बारे में पूछा गया और दोनों में क्या अंतर है, इसको लेकर सवाल किया गया। इस पर अभिनेत्री ने कहा कि दोनों में काफी अंतर है। उन्होंने कहा कि एक ओर जहां अमिताभ बच्चन इतनी ज्यादा सफलता के बावजूद जमीन से जुड़े हैं और खुद को लोगों से कनेक्ट रखते हैं। वहीं, दूसरी ओर राजेश खन्ना ऐसे थे कि सफलता उनके सिर पर चढ़ गई थी। कहीं न कहीं उनमें घमंड आ गया था। वो दिखावा करते थे।

कराटे किड लीजेंड्स और बॉम्बे सिनेमाघरों में आज होगी रिलीज
ओटीटी से लेकर सिनेमाघर तक, इस वीकेंड मिलेगा जबरदस्त मनोरंजन

नई दिल्ली। इन दिनों बच्चों की स्कूल में छुट्टियां चल रही हैं। अब अगर इन छुट्टियों को घर पर एंटरटेनमेंट के साथ बिताना चाहते हैं। तो इस वीकेंड सिनेमाघरों से लेकर ओटीटी तक कई फिल्में और वेब सीरीज रिलीज हो रही हैं। इनके जरिए आप अपना वीकेंड अच्छे से एंजॉय कर सकते हैं।

क्रिमिनल जस्टिस : पंकज त्रिपाठी एक बार फिर माधव मिश्रा के किरदार में वापस आ गए हैं। इस बार वो एक हाई प्रोफाइल केस को सुलझाने आए हैं। क्रिमिनल जस्टिस का चौथा सीजन 'क्रिमिनल जस्टिस: ए फैमिली मैटर'29 मई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम हो गया है।

'कैप्टन अमेरिका: ब्रेव न्यू वर्ल्ड': मार्वल स्टूडियोज की 'कैप्टन अमेरिका: ब्रेव न्यू वर्ल्ड' इस साल फरवरी में सिनेमाघरों में रिलीज हुई थी। अब यह फिल्म 28 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम कर रही है।

हिट 3 : अपराध और फॉरेंसिक की दुनिया की थ्रिलर फ्रेंचाइज हिट की तीसरी फिल्म 'हिट - द थर्ड केस' भी आज यानी 29 मई से नेटफ्लिक्स पर मौजूद है। सिनेमाघरों के बाद अब नानी की फिल्म ओटीटी पर भी रिलीज हो गई है। हालांकि,अभी ये फिल्म सिर्फ तेलुगू और तमिल भाषा में ही उपलब्ध है।

कनखजूरा : 30 मई से सोनी लिव पर क्राइम थ्रिलर वेब सीरीज 'कनखजूरा' रिलीज होने जा रही है। चंदन अरोड़ा द्वारा निर्देशित इस सीरीज में रोशन मैथ्यू, मोहित रैना, त्रिनेत्र हलधर गुम्माराजू और सारा जेन डायस मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

इंटेरोगेशन और ए विडोज गेम : जी5 पर 30 मई से फिल्म 'इंटेरोगेशन' स्ट्रीम होने जा रही है। यह फिल्म एक पुलिस अधिकारी पर आधारित है। इसके अलावा 30 मई को नेटफ्लिक्स पर एक स्पेनिश थ्रिलर फिल्म 'ए विडोज गेम' भी रिलीज होगी।

थुडारम : मलयालम सिनेमा के सुपरस्टार मोहनलाल की अप्रैल में रिलीज हुई 'थुडारम' अब एक महीने बाद ही ओटीटी पर आने को तैयार है। थारुण मूर्ति के डायरेक्शन में बनी यह फिल्म एक कैब ड्राइवर के बारे में है। 'थुडारम' 30 मई से जियो हॉटस्टार पर स्ट्रीम होने वाली है।

रेट्रो : इसी महीने की शुरुआत में रिलीज हुई तमिल सुपरस्टार सूर्या की ''रेट्रो' बॉक्स ऑफिस पर कुछ खास कमाल नहीं दिखा पाई। अब फिल्म ओटीटी पर आने को तैयार है। कार्तिक सुब्बाराज द्वारा निर्देशित यह एक्शन-रोमांटिक फिल्म 31 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स स्ट्रम होने वाली है। फिल्म तमिल के साथ ही हिंदी, तेलुगू, कन्नड़ और मलयालम में भी मौजूद होगी।

डिपार्टमेंट क्यू और द बेटर सिस्टर: ब्रिटिश क्राइम-थ्रिलर 'डिपार्टमेंट क्यू' 29 मई से ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर मौजूद है। अगर आप क्राइम-थ्रिलर के शौकीन हैं, तो ये सीरीज आपको जरूर पसंद आएगी। इसके अलावा अमेरिकी साइकोलॉजिकल थ्रिलर वेब सीरीज 'द बेटर सिस्टर' भी गुरुवार से ही प्राइम वीडियो पर उपलब्ध है।

सिनेमाघरों में देखें ये फिल्में : ओटीटी के अलावा सिनेमाघरों में भी इस वीकेंड एंटरटेनमेंट की फुल डोज मौजूद है। इस कड़ी में जैकी चैन की कराटे किड लीजेंड्स 30 मई को सिनेमाघरों में आ रही है। इसके अलावा गेवी चहल, दीपशिखा नागपाल और दानिश भट्ट स्टारर बॉम्बे भी इस शुक्रवार सिनेमाघरों में आ रही है।

धरती उगल रही सोने के सिक्के, 500 साल पुराने मुगल काल से जुड़ा है राज

बुरहानपुर। मध्य प्रदेश एक ऐसा राज्य है, जहां पर धरती सोना उगलती है, तो कभी प्राचीन सिक्के मिलते हैं, तो कहीं पर मुगलकालीन वस्तुएं भी मिलती हैं। मध्यप्रदेश के बुरहानपुर जिले के बोरबन तालाब की खुदाई के दौरान वर्ष 2019-20 में 260 सिक्के निकले थे, जिसको पुलिस ने अपने पास संभाल कर रखा था, लेकिन अब इन सिक्कों को पुलिस ने कोषालय विभाग में जमा करा दिए हैं। गौरतलब है कि अभी कुछ दिन पहले असीरगढ़ के पास एक खेत से भी सोने के सिक्के निकलने की बात सामने आई थी, लेकिन प्रशासन ने इसको अफवाह बताया था ।उस जगह जब लोगों की भीड़ आना शुरू हुई, तो प्रशासन ने यहां पर लोगों के आने-जाने और खुदाई पर प्रतिबंध लगा दिया था और सीसीटीवी कैमरों से निगरानी हो रही थी। इतिहासकार इन सिक्कों को करीब 500 साल पुराने बताते हैं। उनका कहना है कि यहां पर सोने और चांदी के सिक्कों की टकसाल थी। कई सिक्के छपा करते थे और कहीं महाराज अपने सिक्के चलवाते थे। इसलिए आज भी कुछ लोगों को यहां पर इस तरह के सिक्के मिलते हैं।

कलेक्टर ने दी जानकारी

कलेक्टर हर्ष सिंह ने बताया कि यह सिक्के वर्ष 2019-20 में तालाब की खुदाई के दौरान मिले थे। यह मुगलकालीन सिक्के हैं। इन सिक्कों को खकनार थाना पुलिस ने कोषालय विभाग में जमा करवा दिए हैं। यह 260 सिक्के हैं। उनकी गिनती कर उनको कोषालय में जमा किया गया है, जो पुराने जमाने के दिख रहे हैं। यह धातु के सिक्के हैं।

बुरहानपुर है एक प्राचीन शहर

इतिहासकार कमरुद्दीन फलक ने बताया कि बुरहानपुर एक प्राचीन शहर है। यहां पर जब भी खुदाई होती है। इस तरह के धातु के कई सिक्के मिलते हैं और जिनको जिला प्रशासन भी जमा कर कोषालय विभाग में जमा करता है। अभी हाल-फिलहाल में भी असीरगढ़ किले के पास खुदाई में सोने के सिक्के निकलने की अफवाह फैली थी। जिसको लेकर प्रशासन भी अलर्ट हो गया था। प्रशासन ने वहां पर सीसीटीवी कैमरे भी लगा दिए थे और लोगों की भीड़ एकत्रित होने पर प्रतिबंध भी लगा दिया था। वहीं, छावां फिल्म में भी बुरहानपुर को सोने की टकसाल बताया गया है।

रोचक खबरें

अमेरिका की सड़क पर निकली हिंदुस्तानी दूल्हे की बारात, जाम हो गया पूरा वॉल स्ट्रीट

न्यूयार्क। सोशल मीडिया पर शादी के कई वीडियो देखने को मिलते हैं। अब अमेरिका में देसी अंदाज में ढोल-नगाड़े के साथ निकली बारात का वीडियो वायरल हो रहा है। इस बारात की वजह से पूरे वॉल स्ट्रीट पर जाम लग गया था। इस शानदार शादी की झलक दिखाने वाला वीडियो वायरल हो गया है। इस पर लोग अपने-अपने अंदाज में प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। वायरल वीडियो में देखा जा सकता है कि बारात में लोग पारंपरिक परिधान पहने हुए हैं। बारात में सैकड़ों लोग शामिल हैं और डीजे की धुन पर वॉल स्ट्रीट पर नाचते-गाते नजर आ रहे हैं। सभी लोग मस्ती में डूबे हुए हैं। इसमें आप देख सकते हैं कि पूरी वॉल स्ट्रीट बारातियों की भीड़ से बंद हो गई है। वीडियो पर कैप्शन लिखा है- हमने 400 लोगों की बारात के साथ वॉल स्ट्रीट को ही बंद कर दिया। क्या किसी ने सोचा होगा? निश्चित रूप से ऐसा जादू जीवन में एक बार होता है। इस वीडियो में न्यूयॉर्क के प्रतिष्ठित सड़क पर शादी के जश्न में शामिल लोग दिल खोलकर नाच रहे हैं। भारतीय परिधान पहने कई लोग डीजे की धुन पर थिरकते और मस्ती करते दिख रहे हैं। लोगों ने इस वीडियो पर अपनी प्रतिक्रिया देते हुए लिखा है- कभी नहीं सोचा था कि मैं एम्पायर स्टेट ऑफ माइंड का ढोल वर्जन सुनूंगा, यह अद्भुत है।

साढ़े 5 लाख की सीटीसी वाले को सीधे 45 लाख के पैकेज का ऑफर

नई दिल्ली। दिल्ली के युवा सॉफ्टवेयर डेवलपर देवेश के एक ट्वीट ने सोशल मीडिया पर भूचाल ला दिया है। युवक का दावा है कि उसने एक साल के भीतर 5.5 लाख से सीधा 45 लाख सीटीसी की छलांग लगाई है। उसकी इस पोस्ट ने इंटरनेट पर नई बहस छेड़ दी है। कई लोगों ने युवक की उपलब्धि की तारीफ की, तो कई नेटिजन्स को यकीन ही नहीं हो रहा कि यह तरक्की है या कोई सपना? हालांकि, देवेश ने लोगों की इस

जिज्ञासा को शांत करते हुए बताया कि आखिर यह चमत्कार हुआ कैसे? देवेश ने 27 मई की सुबह एक्स (पहले ट्विटर) पर लिखा, मेरे जैसे एक मिडिल क्लास फैमिली से आने वाले के लिए यह एक सपने जैसा है। युवक ने बताया कि उसने पिछले साल आईबीएम से सिर्फ 5.5 लाख के पैकेज के साथ अपने कॅरियर की शुरुआत की थी, और एक साल के भीतर ही 45 लाख पैकेज का ऑफर हाथ में है। उन्होंने कॅरियर की शुरुआत करने वाले युवाओं को सलाह दी कि वे सैलरी से ज्यादा स्किल डेवलप करने पर फोकस करें। देवेश ने पैसों से ज्यादा सीखने को प्राथमिकता देते हुए कहा कि अगर अच्छा पैकेज न भी मिले तो कम सैलरी पर ही शुरुआत करें, और फिर मेहनत और स्किल के दम पर बड़ा जंप लें। हालांकि, देवेश की यह बता कई नेटिजन्स के गले नहीं उतरी, और उन्होंने कहा कि शुरुआती कॅरियर में इतना बड़ा जंप मुमकिन ही नहीं है।

इसे बच्चा समझने की भूल मत करना ढाई साल की उम्र में किया ये कारनामा

वॉशिंगटन। यूं तो बच्चों को पहला शब्द सीखने में काफी समय लग जाता है, लेकिन कुछ बच्चे बहुत जल्द बोलना भी शुरू कर देते हैं। यूनाइटेड किंगडम के जोसेफ हैरिस बिर्टिल ऐसे ही बच्चों में से एक हैं, जिन्होंने महज सात महीने की उम्र में ही अपना पहला शब्द बोला था। लेकिन ,तब जोसेफ के माता-पिता को जरा भी अंदाजा नहीं था कि उनका बेटा आगे चलकर दुनिया भर में उनका नाम रोशन करेगा। महज 2 साल की उम्र का यह बच्चा

मेन्सा का सबसे छोटा मेंबर बन गया है। बता दें कि मेन्सा दुनिया की सबसे बड़ी और सबसे पुरानी हाई आई क्यू वाले लोगों की एक प्रतिष्ठित सोसायटी है। इसका मेंबर बनने के लिए आपका आईक्यू लेवल कम से कम 132 होना चाहिए. बीते शुक्रवार को मेन्सा ने अपने सबसे युवा मेंबर जोसेफ का वेलकम किया, जिनकी उम्र अभी सिर्फ 2 साल और 186 दिन है। हालांकि, जोसेफ के आईक्यू का अभी खुलासा नहीं किया गया है, लेकिन कहा जाता है कि उसकी एक्टिविटीज और शार्प माइंड का कोई जवाब नहीं है। जोसेफ की मां डॉ. रोज और पिता डेविड हैरिस बिर्टिल का कहना है कि उन्हें कुछ ही महीनों में समझ आ गया था कि उनका बच्चा सबसे अलग है। उन्होंने बताया कि जब वे सिर्फ 5 हफ्ते का था, तब पहली बार खुद से करवट बदली थी। वहीं, सात महीने में पहला शब्द बोला था। यही नहीं, महज एक साल की उम्र में एक पूरी किताब पढ़ ली। ढाई साल की उम्र में वह बोल-बोलकर पढ़ने लगा था। इसके अलावा 5 अलग-अलग भाषाओं में 10 तक की गिनती, और 100 तक की गिनती भी आती है।

38,00000 लाख साल पहले जुपिटर का आकार इतना बड़ा था कि समा जाए 2000 पृथ्वी

वॉशिंगटन। बृहस्पति (जुपिटर) पहले बहुत बड़ा था। उसका चुंबकीय क्षेत्र बहुत ज्यादा मजबूत था, यह आज के आकार से दोगुना बड़ा था और इसका चुंबकीय क्षेत्र भी 50 गुना ज्यादा ताकतवर था। यह बात एक नए रिसर्च में कही गई है। 20 मई को नेचर एस्ट्रोनॉमी जर्नल में प्रकाशित इस स्टडी में बताया गया है कि सौरमंडल में पहले ठोस पिंड बनने के 38 लाख साल बाद बृहस्पति का आकार इतना बड़ा था कि इसमें 2000 से ज्यादा पृथ्वी समा सकती थीं।

बृहस्पति और पूरा सौरमंडल कैसे बना

एक रिपोर्ट के मुताबिक, कैलिफोर्निया इंस्टीट्यूट ऑफ टेक्नोलॉजी में ग्रह विज्ञान के प्रोफेसर कोंस्टेंटिन बैटगिन जिन्होंने नए रिसर्च का नेतृत्व किया उन्होने स्पेस डॉट कॉम को बताया, 'हमारे नतीजे भविष्य के मॉडल्स के लिए सटीक शर्तें तय करते हैं, जो यह समझने में मदद करेंगे कि बृहस्पति और पूरा सौरमंडल कैसे बना।'

सौरमंडल का अंतिम रूप

शोधकर्ताओं का कहना है कि यह स्टडी बृहस्पति को उस समय की स्थिति में दिखाती है, जब सूरज बनने के बाद बची गैस और धूल का बादल खत्म हो रहा था। यही वह दौर था, जब ग्रहों का निर्माण रुक गया और सौरमंडल का बुनियादी ढांचा तय हो गया। बटिगिन ने कहा, 'हमने एक महत्वपूर्ण बेंचमार्क स्थापित किया है, जिससे सौरमंडल के विकास को और बेहतर तरीके से समझा जा सकता है।'

बृहस्पति का विकास और सौरमंडल पर असर

स्टडी के मुताबिक, शुरुआती बृहस्पति का आकार आज से दोगुना था। यह एक गर्म, चुंबकीय ताकतवर ग्रह था, जो समय के साथ ठंडा हुआ और सिकुड़कर आज के आकार में आ गया। हालांकि, यह स्टडी सीधे तौर पर यह नहीं बताती कि इतने बड़े बृहस्पति ने सौरमंडल को कैसे प्रभावित किया, लेकिन वैज्ञानिकों का मानना है कि इसकी बनावट और शुरुआती विकास ने सौरमंडल की संरचना को आकार देने में अहम भूमिका निभाई।

वैज्ञानिकों ने क्या कहा?

शोधकर्ताओं ने बृहस्पति के दो कम चर्चित चंद्रमाओं अमाल्थिया और थीबे का अध्ययन किया। ये चंद्रमा बृहस्पति के बहुत करीब चक्कर लगाते हैं और इनके थोड़े झुके हुए रास्तों ने वैज्ञानिकों को बृहस्पति के सबसे नजदीकी बड़े चंद्रमा, आइओ, की पुरानी स्थिति का पता लगाने में मदद की। इससे बृहस्पति के प्राचीन सर्कमप्लैनेटरी डिस्क (गैस और धूल का घेरा) की सीमा का अंदाजा हुआ, जिससे यह समझा गया कि बृहस्पति पहले कितनी तेजी से घूमता था। कोणीय संवेग संरक्षण के सिद्धांत का उपयोग कर वैज्ञानिकों ने बृहस्पति के मूल आकार का अनुमान लगाया। बटिगिन ने कहा, 'यह आश्चर्यजनक था कि दो छोटे चंद्रमाओं ने बृहस्पति की शुरुआती स्थिति का इतना साफ सबूत दिया। सबसे रोमांचक बात यह थी कि यह नतीजा जटिल मॉडल्स पर निर्भर किए बिना मिला।'

हरियाणा के इस गांव में बीता था रावण का बचपन! जानिए क्या है महाभारत से इसका संबंध

नई दिल्ली। भारतीय इतिहास में महाभारत का युद्ध सबसे बड़ा युद्ध माना जाता है। यह लड़ाई कौरव और पांडवों के बीच लड़ी गई थी। मान्यता है कि महाभारत का युद्ध हरियाणा के कुरुक्षेत्र में हुआ था, जिसके कारण वहां की भूमि आज भी लाल है। महाभारत काल के निशान आज भी कई जगहों पर देखने को मिलते हैं। हरियाणा के एक गांव में भी महाभारत के निशान मिले हैं। इस गांव का नाम पोलड़ है। इस गांव की जमीन भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण (एएसआई) की है। एएसआई ने अब लोगों को गांव को खाली करने के लिए नोटिस दिया है। उसका कहना है कि गांव की 48 एकड़ जमीन संरक्षित है, क्योंकि महाभारत काल में यहां पर एक गांव था। आखिर पोलड़ गांव का महाभारत काल से क्या संबंध है?

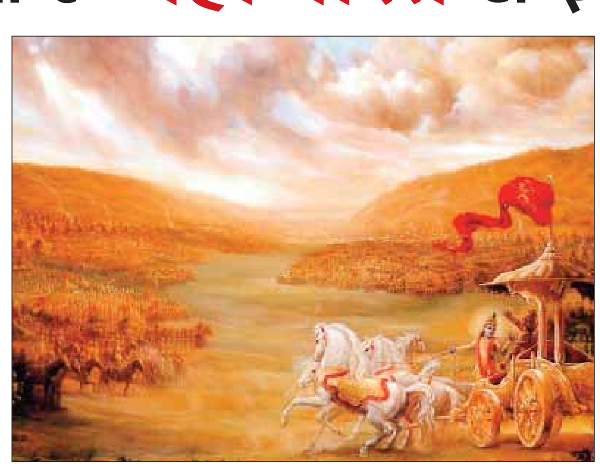

महाभारत युद्ध के दौरान नष्ट हो गया था गांव

एएसआई के मुताबिक, यह गांव कैथल से 10 किलोमीटर दूर स्थित है और सरस्वती नदी के दक्षिण में है। इसके बारे में कहा जाता है कि यहां एक गांव था, जो महाभारत युद्ध के दौरान नष्ट हो गया था। यहां पर एएसआई की खुदाई में सिक्के, भार तौलने वाले पत्थर, मिट्टी तांबे के बर्तन जैसी 465 चीजें मिली थीं। इसके ऐतिहासिक महत्व को देखते हुए 28 दिसंबर, 1925 को इसे संरक्षित घोषित कर दिया गया था। भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण द्वारा यहां पर खुदाई करने पर कई और चीजें मिलने की उम्मीद है।

युधिष्ठिर ने की थी इस शहर की स्थापना

कैथल हरियाणा का एक महाभारत कालीन ऐतिहासिक शहर है। इसकी सीमा करनाल, कुरुक्षेत्र, जींद और पंजाब के पटियाला जिले से मिलती है। पुराणों के अनुसार, युधिष्ठिर ने इस शहर की स्थापना की थी। इसे वानर राज हनुमान का जन्म स्थान भी माना जाता है। इसीलिए पहले इसे कपिस्थल के नाम से जाना जाता था।

रावण के दादा पुलस्त्यमुनि की तपोस्थली रहा है गांव

धार्मिक दृष्टि से भी गांव पोलड़ बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। इतिहासकारों के मुताबिक, यह जगह रावण के दादा पुलस्त्यमुनि की तपोस्थली रही है। मान्यता है कि पुलस्त्यमुनि ने यहां पर सरस्वती नदी के किनारे स्थित इक्षुपति तीर्थ पर तपस्या की थी। ग्रामीणों का मानना है कि रावण बचपन में इसी स्थान पर रहा था।

प्राकृतिक आपदा में उजड़ गया था प्राचीन नगर

गांव में स्थापित सरस्वती मंदिर और सैकड़ों वर्ष पुराना शिवलिंग इसके ऐतिहासिकता महत्व को दशार्ते हैं। एक मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक, इतिहासकार प्रो. बीबी भारद्वाज ने बताया कि यह स्थान एक प्राचीन नगर था, जो प्राकृतिक आपदा की वजह से उजड़ गया। बाद में इसे एक बार फिर बसाया गया और इसका नाम 'थेह पोलड़'पड़ा। 'थेह'का अर्थ होता है वह स्थान जहां कभी कोई बस्ती रही हो।

वो कैदी, जो 46 सालों से है जेल में, फिलहाल 'कांच के बॉक्स' में बंद मर रहा धीरे-धीरे!

लंदन। कभी सोचकर देखा है कि कोई 46 साल तक एक छोटे से कमरे में कैसे जिंदगी गुजार सकता है? वो भी अकेले, बिना किसी से बात किए, धूप भी नसीब नहीं होती, क्या ये संभव है? यकीनन, ऐसे हालात में किसी भी इंसान की मानसिक स्थिति खराब हो सकती है। लेकिन ,ब्रिटेन के रहने वाले 72 साल के रॉबर्ट मॉड्सली के साथ ऐसा ही हो रहा है। रॉबर्ट ब्रिटेन के सबसे लंबे समय तक जेल में बंद कैदी में शुमार हैं, जो ऐसी ही जिंदगी जी रहे हैं। कुछ समय पहले उन्हें कांच के बॉक्स में बंद कर दिया गया। चार हत्याओं के लिए कुख्यात, उन्हें 'हैनिबल द कैनिबल' कहा जाता है, लेकिन उनकी प्रेमिका लवीनिया ग्रेस मैकेनी की नजरों में वे एक टूटा हुआ इंसान हैं, जिन्हें जेल का नया नियम धीरे-धीरे मार रहा है। भूख हड़ताल, कोविड की मार और 17,000 दिन के अकेलेपन से रॉबर्ट अब पूरी तरह टूट चुके हैं। आखिर कैसे एक मासूम बच्चा 21 साल का होते-होते हत्यारा बन गया? बता दें कि रॉबर्ट मॉड्सली की जिंदगी किसी डरावने सपने जैसी है। वो लिवरपूल में 12 भाई-बहनों के बीच पले बढ़े। उनका बचपन पिटाई और उपेक्षा से भरा था। पिता ने उन्हें छह महीने कमरे में बंद रखा, वो भी रोज मारते हुए। ऐसे में एक दिन सामाजिक संगठनों ने उन्हें अनाथालय भेजा, लेकिन पिता से मिला दर्द उनके दिल में बस गया। 1974 में 21 साल की उम्र में रॉबर्ट ने जॉन फैरेल की हत्या की, जिसके लिए उन्हें ब्रॉडमूर सिक्योर हॉस्पिटल भेजा गया। लेकिन, हॉस्पिटल में भी उन्होंने एक मरीज को मार डाला। फिर, 1978 में वेकफील्ड जेल में, दो कैदियों की हत्या कर दी, जिन्हें वे गलत मानते थे। गार्ड को उन्होंने कहा, 'गिनती में दो कम होंगे।' इन अपराधों ने उन्हें जेल की सबसे गहरी अंधेरी कोठरी में धकेल दिया। इसके बाद उन्हें 1983 से मॉन्स्टर मेंशन'कहे जाने वाले मॉड्सली वेकफील्ड जेल के एक 18×15 फीट के शीशे के सेल में कैद कर दिया गया।

दुनिया का सबसे छोटा सांप, देखकर नहीं होता आंखों पर भरोसा!

वॉशिंगटन। सांपों की बात आते ही लंबे, डरावने जीव की तस्वीर बनती है, लेकिन आज हम आपको दुनिया के सबसे छोटे सांप बारबाडोस थ्रेडस्नेक के बारे में बताने जा रहे हैं, जो सांपों के साइज को लेकर आपका नजरिया बदल देगा। आपको जानकर हैरानी होगी, लेकिन बता दें कि सिर्फ 10 सेंटीमीटर लंबा यह पिद्दी-सा सांप दुनिया में सबसे छोटा है, जो सिक्के पर आराम फरमा सकता है। इसे देखकर यकीन करना मुश्किल होता है। बारबाडोस के जंगलों में पाया जाने वाला यह सांप प्रकृति का अनोखा चमत्कार है, लेकिन इसका अस्तित्व खतरे में है। 2008 में जीवविज्ञानी एस ब्लेयर हेजेस ने कैरिबियाई द्वीप बारबाडोस के जंगल में टेट्राकीलोस्टोमा कार्ले यानी बारबाडोस थ्रेडस्नेक की खोज की। सिर्फ 10.4 सेंटीमीटर तक बढ़ने वाला यह सांप स्पेगेटी जितना पतला और पेंसिल से छोटा है।

आखिर क्या खाता है ये सांप?

यह सांप चींटियों और दीमकों के लार्वा और अंडों को खाता है, जो इसके छोटे आकार के लिए सही भोजन है। यह रात में या ठंडे समय में सक्रिय रहता है और इंसानों के लिए पूरी तरह हानिरहित है। सबसे हैरानी की बात ये है कि अंडा देने वाले इस सांप की मादा एक बार में सिर्फ एक ही अंडे देती है। अंडे से बाहर निकलते समय नवजात सांप अपनी मां के आधे आकार का होता है, जो जानवरों में दुर्लभ है। लेकिन, बारबाडोस के जंगलों में तेजी से हो रहे निर्माण की वजह से इस सांप का अस्तित्व खतरे में है। इसके संरक्षण के लिए तुरंत कदम उठाने की जरूरत है। आईयूसीएन मूल्यांकन, जंगलों की सुरक्षा और पर्यावरण जागरुकता इसके बचाव के लिए जरूरी हैं। बारबाडोस थ्रेडस्नेक की खोज हमें प्रकृति की विविधता और छोटे जीवों की अहमियत सिखाती है। यह सांप दिखाता है कि सबसे छोटा जीव भी पारिस्थितिकी में बड़ा रोल निभा सकता है, जैसे चींटियों और दीमकों की संख्या को नियंत्रित करना।

सिर्फ बारबाडोस के पूर्वी जंगलों में पाए जाते हैं

इसका वैज्ञानिक नाम ग्रीक शब्दों टेट्रा (चार), कीलो (होंठ) और स्टोमा (मुंह) से आया है, जो इसके जबड़े की खास बनावट को दर्शाता है। थ्रेडस्नेक इसका पतला, धागे जैसा शरीर दर्शाता है। बता दें कि यह सांप लेप्टोटाइफ्लोपिडे परिवार का है, जिसे स्लेंडर ब्लाइंड स्नेक कहते हैं। ये गैर-विषैले, जमीन के नीचे रहने वाले सांप हैं, जो सिर्फ बारबाडोस के पूर्वी जंगलों में पाए जाते हैं। इसका शरीर चमकदार भूरा या लाल-भूरा, बेलनाकार और सिर से पूंछ तक एक समान पतला होता है। इसकी आंखें इतनी छोटी हैं कि दिखती नहीं, क्योंकि ये विकास के दौरान छोटी हो गईं। इसका सिर शरीर से मुश्किल से अलग दिखता है और पूंछ नुकीली होती है। बारबाडोस थ्रेडस्नेक का घर उष्णकटिबंधीय जंगल हैं, जहां ढीली, नम मिट्टी, पत्तियां, सड़ी लकड़ियां और चट्टानों के नीचे रहता है। यह बारबाडोस के छोटे-छोटे जंगली हिस्सों में ही मिलता है, जिससे इसका भौगोलिक दायरा दुनिया के सबसे छोटे में से एक है।

खबर संक्षेप

रियलमी जीटी 7 सीरीज हुआ लांच

नई दिल्ली। रियलमी ने रियलमी जीटी 7 सीरीज पेश की। यह लांच पेरिस में इसके ग्लोबल लांच के साथ किया गया है। इस सीरीज का मुख्य आकर्षण रियलमी जीटी 7 ड्रीम एडिशन है, जो एस्टन मार्टिन फॉर्मुला वन टीम के साथ मिलकर बनाया गया है। यह एएमएफ1 के साथ को-ब्रांडिंग वाला पहला आधिकारिक स्मार्टफोन है। रियलमी जीटी 7 सीरीज में अनेक अत्याधुनिक फीचर्स और परफॉर्मेंस अपग्रेड दिए गए हैं।

इंडेल मनी को हुआ 61 करोड़ का लाभ

मुंबई। इंडेल मनी, देश की प्रमुख गोल्ड-लोन एनबीएफसी में से एक, ने अपनी प्रबंधनाधीन परिसंपत्ति (एयूएम) में 52 फीसदी की वार्षिक वृद्धि हासिल की है, जिससे कुल परिसंपत्ति 2,400 करोड़ रुपए पहुंच गई। कंपनी ने 10 फीसदी की वार्षिक बढ़ोतरी के साथ 61 करोड़ रुपए का लाभ भी दर्ज किया। इंडेल मनी का रिपोर्ट किया गया एनपीए अपनी परिसंपत्तियों का 1.35 फीसदी है, जो पिछले साल के 3.17 फीसदी की तुलना में परिसंपत्ति की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार को दर्शाता है। गोल्ड लोन कंपनी की मुख्य आधारशिला हैं, जो कुल एयूएम का 94 फीसदी हिस्सा हैं।

ज़ूनो जनरल इंश्योरेंस का 'से हाय' अभियान शुरू

मुंबई। ज़ूनो जनरल इंश्योरेंस ने मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाने के लिए 'से हाय' अभियान शुरू किया है। इस अभियान का उद्देश्य सरल और रोजमर्रा के कार्यों के माध्यम से वास्तविक जुड़ाव को प्रोत्साहित करना है, जो मानसिक स्वास्थ्य को बेहतर बनाने में मदद कर सकता है। अभियान का उद्देश्य मानसिक स्वास्थ्य जागरूकता बढ़ाना और लोगों को एक-दूसरे से जुड़ने के लिए प्रोत्साहित करना।

एफएसएसएआई ने मप्र सहित विभिन्न राज्यों को दिए विशेष जांच अभियान के निर्देश

फलों को केमिकल से पकाने और रंगने पर बाजारों और मंडियों में कड़ी निगरानी रखें

वाणिज्य डेस्क ▶▶ भोपाल

भारतीय खाद्य सुरक्षा और मानक प्राधिकरण (एफएसएसएआई) ने सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों से नॉन-परमिटेड फलों को पकाने वाले एजेंटों और फलों को रंगने और कोटिंग करने के लिए सिंथेटिक रंगों या नॉन-परमिटेड मोम के उपयोग पर रोक लगाने के लिए जांच तेज करने और स्पेशल एनफोर्समेंट अभियान चलाने को कहा है।

एफएसएसएआई ने मध्यप्रदेश सहित सभी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों के खाद्य सुरक्षा आयुक्तों और एफएसएसएआई के क्षेत्रीय निदेशकों को निर्देशित किया है कि वे फलों के बाजारों और मंडियों पर कड़ी निगरानी रखें, ताकि कैल्शियम कार्बाइड जैसे एजेंटों का उपयोग करके फलों को पकाने के अवैध प्रयोग को रोका जा सके, जिसे आमतौर पर मसाला के रूप में जाना जाता है। एनफोर्समेंट अभियान के तहत गोदामों और भंडारण सुविधाओं का निरीक्षण किया जा सकता है, खास तौर पर उन गोदामों और भंडारण सुविधाओं का, जहां फलों को पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड जैसे पदार्थों का इस्तेमाल करने का संदेह है। परिसर में या फलों के टोकरे के साथ संग्रहीत कैल्शियम कार्बाइड की मौजूदगी को खाद्य व्यवसाय संचालक के खिलाफ परिस्थितिजन्य साक्ष्य माना जाएगा, जिससे खाद्य सुरक्षा और मानक अधिनियम 2006 के तहत मुकदमा चलाया जा सकता है।

फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड का इस्तेमाल सख्त वर्जित

गौरतलब है कि खाद्य सुरक्षा और मानक (बिक्री पर निषेध और प्रतिबंध) विनियम, 2011 के तहत फलों को कृत्रिम रूप से पकाने के लिए कैल्शियम कार्बाइड का इस्तेमाल सख्त वर्जित है। इस पदार्थ के इस्तेमाल से गंभीर स्वास्थ्य जोखिम पैदा होते हैं और यह मुंह के छाले, गैस्ट्रिक तथा कैंसर जैसी घातक बीमारी का कारण बन सकता है। इसके अलावा, एफएसएसएआई ने ऐसे मामलों की भी पहचान की है, जहां एफबीओ केले और अन्य फलों को सीधे रसायन में डुबोकर कृत्रिम रूप से पकाने के लिए एथेफॉन के घोल का उपयोग कर रहे हैं। दस्तावेज में स्पष्ट रूप से कहा गया है कि एथेफॉन का उपयोग केवल एथिलीन गैस उत्पन्न करने के स्रोत के रूप में और निर्धारित मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार ही किया जा सकता है। इस एसओपी में एथिलीन गैस का उपयोग करके कृत्रिम रूप से पकाने के सभी महत्वपूर्ण पहलुओं का विवरण दिया गया है। एफएसएसएआई ने सभी खाद्य व्यवसाय संचालकों से सुरक्षित और अनुपालन योग्य फल पकाने की व्यवस्था सुनिश्चित करने के लिए इन एसओपी का पालन करने का आग्रह किया है।

हंगर फ्री वर्ल्ड के तहत भारत और जाम्बिया में वंचितों को प्रतिदिन 70 हजार भोजन वितरित करने की प्रतिबद्धता

मलाबार समूह ने सीएसआर पहलों के तहत आवंटित किए 150 करोड़ रुपए

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

अग्रणी व्यापारिक समूह एवं मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स की मूल कंपनी मलाबार समूह ने 2025-26 में अपनी सीएसआर पहलों को आगे बढ़ाने के लिए 150 करोड़ रुपए आवंटित किए हैं। ये पहलें स्वास्थ्य, शिक्षा, भूख एवं गरीबी उन्मूलन, महिला सशक्तिकरण, पर्यावरण संरक्षण और वंचितों के लिए आवास पर केंद्रित हैं। समूह ने अपनी प्रमुख सीएसआर पहल 'हंगर फ्री वर्ल्ड' के तहत भारत और जाम्बिया में वंचितों को प्रतिदिन 70 हजार भोजन वितरित करने की प्रतिबद्धता जताई है। इस तरह 2025-26 में कुल 2.50 करोड़ भोजन बांटे जाएंगे। यह पिछले 3 सालों में बांटे गए 2.5 करोड़ भोजन की अबतक की पूरी उपलब्धि से एक बड़ी छलांग है। यह खाद्य सुरक्षा के लिए समूह की ठोस प्रतिबद्धता के बारे में भी बताता है। यह पहल संयुक्त राष्ट्र के सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल 2 - जीरो हंगर के अनुरूप है।

सीएसआर कार्यक्रमों के अगले चरण का शुभारंभ

नीति आयोग के पूर्व सीईओ एवं जी-20 शेरपा डॉ. अमिताभ कांत ने नई दिल्ली के जनपथ स्थित डॉ. अंबेडकर इंटरनेशनल सेंटर में आयोजित एक कार्यक्रम में समूह के सीएसआर कार्यक्रमों के अगले चरण का शुभारंभ किया। इस कार्यक्रम में मौजूद अन्य गणमान्य व्यक्तियों में मलाबार समूह के चेयरमैन एम.पी. अहमद, मलाबार समूह के वाइस चेयरमैन के.पी.अब्दुल सलाम और मलाबार गोल्ड एंड डायमंड्स के भारतीय परिचालन के मैनेजिंग डायरेक्टर ओ. अशर शामिल थे।

हम समाज को वापस देने में विश्वास करते हैं : अहमद

मलाबार समूह के चेयरमैन एम.पी. अहमद के अनुसार मलाबार समूह में सीएसआर हमारी संस्कृति का अभिन्न हिस्सा है और हम समाज को वापस देने में विश्वास करते हैं। हम आज अपने वार्षिक सीएसआर दिवस के रूप में समर्पित करते हैं। हम निरंतर और प्रभावशाली कदमों के माध्यम से वंचितों के साथ खड़े होने की अपनी प्रतिज्ञा को दोहराते हैं। हमारी सीएसआर पहल उस स्थायी प्रतिबद्धता का प्रतिबिंब हैं। हम अपना सर्वश्रेष्ठ कर रहे हैं। अगर अन्य संगठन इस मिशन में शामिल हों तो इसका प्रभाव बढ़ सकता है।

वैश्विक स्तर पर 29.5 करोड़ लोग 'अक्यूट हंगर' से जूझ रहे

संयुक्त राष्ट्र के आंकड़ों के अनुसार वैश्विक स्तर पर 29.5 करोड़ लोग 'अक्यूट हंगर' से जूझ रहे हैं, इसलिए तत्काल कदम उठाना जरूरी है। यही जरूरत हमारी भोजन बांटने की पहल के लिए प्रेरणा का काम करती है। इसके साथ ही, भोजन वितरण के अलावा उत्पादन को बढ़ावा देने, रोजगार का सृजन करने और आर्थिक विकास को बढ़ावा देने के लिए संयुक्त प्रयासों की आवश्यकता है, ताकि स्थायी बदलाव लाया जा सके।

भारत ने चावल उत्पादक के रूप में चीन को पीछे छोड़ा

दुनिया का सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश बनेगा भारत

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

कृषि मंत्रालय ने कहा कि चावल, गेहूं, दालों और तिलहन उत्पादन में बंपर वृद्धि के कारण भारत का खाद्यान्न उत्पादन 2024-25 फसल वर्ष (जुलाई-जून) में पिछले वर्ष की तुलना में 6 परसेंट बढ़कर रिकॉर्ड 3532 लाख टन (एमटी) हो गया। देश इस साल दुनिया के सबसे बड़े चावल उत्पादक के रूप में चीन को भी पीछे छोड़ देगा। अमरीकी कृषि मंत्रालय यानी यूनाइटेड स्टेट्स डिपार्टमेंट ऑफ एग्रीकल्चर के आंकड़ों के अनुसार 2024-25 में चीन का चावल उत्पादन 1452 लाख टन होगा, जिसका मतलब है कि भारत सबसे बड़ा चावल उत्पादक देश बनकर उभरेगा। भारत 2012 से दुनिया का सबसे बड़ा चावल निर्यातक रहा है।

खाद्यान्न उत्पादन में भारत का डंका

फसल वर्ष 2024-25 के लिए खाद्यान्न उत्पादन के तीसरे अग्रिम अनुमान के अनुसार, चावल और गेहूं का उत्पादन पिछले साल की तुलना में क्रमशः 8 परसेंट और 3.7 परसेंट बढ़कर 1490 लाख टन और 1175 लाख टन हो गया। पर्याप्त बारिश की संभावना से लगातार दूसरे साल कृषि क्षेत्र में बेहतर उत्पादन की उम्मीदें बढ़ गई हैं। खरीफ की बुआई सालाना फसल उत्पादन का लगभग 60 परसेंट होती है। मॉनसून की बारिश सर्दियों की फसलों (रबी) के लिए मिट्टी की नमी भी बनाए रखने में मदद करती है। देश की लगभग आधी कृषि भूमि खरीफ फसलों धान, दलहन और तिलहन की खेती के लिए मॉनसून की बारिश पर निर्भर करती है। इसके अलावा पर्याप्त मॉनसून की बारिश रबी या सर्दियों की फसलों-गेहूं, दलहन और तिलहन की बुआई के लिए भी पर्याप्त मिट्टी की नमी देती है। सरकार की ओर से जारी आंकड़ों के अनुसार धान का उत्पादन 1490.74 लाख टन, गेहूं 1175 लाख टन, मक्का 423 लाख टन, मूंगफली 118 लाख टन और सोयाबीन 151 लाख टन हुआ है।

इंफोसिस फाउंडेशन विजेताओं में बांटेगा 2 करोड़ रुपए

मुंबई। इंफोसिस की सीएसआर इकाई इन्फोसिस फाउंडेशन ने आरोहण सोशल इनोवेशन अवार्ड के चौथे संस्करण को लांच करने का एलान किया है। भारत में सोशल इनोवेशन को बढ़ावा देने की अपनी प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए इंफोसिस फाउंडेशन ने इस अवार्ड में हिस्सा लेने के लिए देशभर से इनोवेटर्स एवं सामाजिक उद्यमियों को आमंत्रित किया है। आरोहण सोशल इनोवेशन अवार्ड 2025 का उद्देश्य व्यक्तिगत स्तर परऐसे लोगों को, टीमों को, एनजीओ को और सामाजिक उद्यमियों को चिह्नित एवं पुरस्कृत करना है, जो टेक्नोलॉजी आधारित ऐसे अनूठे समाधान विकसित कर रहे हैं, इन्फोसिस फाउंडेशन ने प्रत्येक विजेता को 50 लाख रुपये तक देने की घोषणा की है।

भारत बना रहेगा वित्तीय वर्ष 2026 में सबसे तेजी से बढ़ती प्रमुख अर्थव्यवस्था : आरबीआई की रिपोर्ट

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

भारतीय रिजर्व बैंक ने बृहस्पतिवार को कहा कि देश वित्त वर्ष 2025-26 में भी दुनिया की सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बना रहेगा। आरबीआई ने अपनी वार्षिक रिपोर्ट में कहा कि सौम्य मुद्रास्फीति परिदृश्य और जीडीपी (सकल घरेलू उत्पाद) के विस्तार में 'धीमी गति' के कारण मौद्रिक नीति को भविष्य में वृद्धि के लिए सहायक होना चाहिए।

केंद्रीय बैंक ने नवीनतम रिपोर्ट में कहाकि भारतीय अर्थव्यवस्था अपने मजबूत वृहद आर्थिक बुनियादी ढांचे, मजबूत वित्तीय क्षेत्र और सतत विकास के प्रति प्रतिबद्धता का लाभ उठाकर 2025-26 में सबसे तेजी से बढ़ने वाली प्रमुख अर्थव्यवस्था बनी रहेगी। इसने वैश्विक वित्तीय बाजार में अस्थिरता, भू-राजनीतिक तनाव, व्यापार विखंडन, आपूर्ति-श्रृंखला में व्यवधान एवं जलवायु संबंधी चुनौतियों के कारण उत्पन्न अनिश्चितताओं को विकास के दृष्टिकोण के लिए नकारात्मक जोखिम और मुद्रास्फीति के दृष्टिकोण के लिए सकारात्मक पहलू के रूप में चिह्नित किया। रिपोर्ट में कहा गया है कि शुल्क नीतियों में बदलाव के परिणामस्वरूप वित्तीय बाजारों में कहीं-कहीं अस्थिरता के प्रभाव दिख सकते हैं और निर्यात को 'अंतर्मुखी नीतियों एवं शुल्क युद्धों' के कारण प्रतिकूल परिस्थितियों का सामना करना पड़ सकता है। आरबीआई ने कहा कि भारत के व्यापार समझौतों पर हस्ताक्षर एवं बातचीत करने से इन प्रभावों को सीमित करनें में मदद मिलेगी। साथ ही, सेवा निर्यात एवं आवक प्रेषण से यह सुनिश्चित करने में मदद मिलेगी कि नए वित्त वर्ष (2025-26) में चालू खाता घाटा 'उल्लेखनीय रूप से प्रबंधनीय' हो। केंद्रीय बैंक ने लगातार दो समीक्षाओं में प्रमुख नीतिगत दरों में कटौती की है। वार्षिक रिपोर्ट में कहा गया कि अब 12 महीने की अवधि में कुल मुद्रास्फीति के चार प्रतिशत के लक्ष्य के अनुरूप बने रहने को लेकर अधिक भरोसा' है।

होम क्रेडिट सशक्त बना रहा वित्तीय साक्षरता

नई दिल्ली। कंपनी होम क्रेडिट इंडिया ने ऑन-डिमांड क्रेडिट समाधान पेश करते हुए, कंपनी व्यक्तिगत रूप से ग्राहकों के साथ जुड़ने के लिए गहराई से प्रतिबद्ध है, यह सुनिश्चित करते हुए कि वे अपनी वित्तीय यात्रा के दौरान अच्छी तरह से जानकारी से लैस, सशक्त और समर्थित हैं तकनीकी से संचालित दुनिया में ऋण देने के लिए व्यक्तिगत दृष्टिकोण होम क्रेडिट इंडिया एक वित्तीय ईकोसिस्टम में काम करता है, जहाँ आवेदन प्रक्रिया, यदि ठीक से डिज़ाइन नहीं की गई है, तो उपभोक्ताओं के लिए बहुत तनावपूर्ण और भ्रमित करने वाली हो सकती है।

सूचना - पाठकों से अनुरोध है कि हरिभूमि समाचार पत्र में प्रकाशित सभी प्रकार के विज्ञापनों (डिस्प्ले एवं रनिंग क्लासीफाईड) में दिए गए तथ्यों के बारे में अपने विवेक से निर्णय लें। हरिभूमि समूह की विज्ञापनों के तथ्यों से संबंधित कोई जिम्मेदारी नहीं होगी।

गिनते-गिनते थक गए आयकर अधिकारी, मंगानी पड़ी मशीन

एजेंसी:मथुरा। यहां के मांट में यमुना एक्सप्रेस-वे के जाबरा टोल प्लाजा से मांट पुलिस और आयकर विभाग की टीम ने एक कार से 1.5 करोड़ रुपए एवं 450 ग्राम सोने के बिस्कुट बरामद किए हैं। आयकर विभाग की टीम को रुपए गिनने में 2 घंटे लग गए। व्यवसायी दिल्ली से चांदी लाकर आगरा में बेचने के बाद रुपए वापस जा रहा था। बुधवार को आयकर विभाग एवं मांट पुलिस ने स्विफ्ट कार से एक करोड़, उन्नीस लाख, अस्सी हज़ार रुपए बरामद किए गए हैं। कार में सोने के बिस्कुट भी मिले, जो करीब आधा किलो निकला। उप निदेशक आयकर अन्वेषण आगरा हार्दिक अग्रवाल ने बताया कि मथुरा के थाना गोविंद नगर क्षेत्र के माधव कुंज निवासी दीपक खंडेलवाल दिल्ली से चांदी लाकर आगरा में बेचते हैं। वे चांदी बिक्री के रुपए लेकर दिल्ली जा रहे थे।

स्टॉक लिमिट में बदलाव कर सरकार ने दी व्यापारियों को राहत

अब थोक व्यापारी 3 हजार मीट्रिक टन और खुदरा व्यापारी रख सकेंगे 10 टन अनाज

वाणिज्य प्रतिनिधि ▶▶ भोपाल

केंद्र सरकार ने गेहूं की कीमतों को कंट्रोल में रखने के लिए फरवरी में इसके भंडारण की लिमिट में बदलाव किए थे, जिसके बाद बीते दिन इसमें फिर बदलाव कर व्यापारियों को राहत दी है। सरकार ने यह ढील गेहूं के बंपर उत्पादन और अच्छी खरीद के बाद दी है। नोटिफिकेशन के मुताबिक अब थोक व्यापारी 3,000 मीट्रिक टन तक गेहूं का भंडारण कर सकते है और खुदरा व्यापारियों को 10 टन तक अनाज रखने की अनुमति है। जानकारी के अनुसार फरवरी में केंद्र ने थोक व्यापारियों को अधिकतम 260 टन तक गेहूं भंडारण करने की अनुमति दी थी और खुदरा व्यापारी 4 टन तक गेहूं रख सकते थे। वहीं प्रोसेसर्स की लिमिट में सरकार ने उस समय भी कोई बदलाव नहीं किया था। यह लिमिट 31 मार्च तक के लिए लागू की गई थीं, लेकिन तब इस पर कोई फैसला नहीं लिया गया था। मगर अब सरकार ने इसमें बदलाव कर व्यापारियों को बड़ी राहत दी है।

स्टॉक की जानकारी देना अनिवार्य

केंद्र सरकार ने नियमों को सख्त करते हुए सभी राज्य और केंद्र शासित प्रदेशों में व्यापारी, थोक विक्रेता, खुदरा विक्रेता, बड़ी चेन के खुदरा विक्रेता और प्रोसेसर्स को अपनी गेहूं की स्टॉक लिमिट घोषित करने के निर्देश दिए हुए हैं। इसके तहत सभी व्यापारियों को सरकारी पोर्टल पर हर शुक्रवार को लिमिट घोषित करना अनिवार्य है। यह कदम गेहूं की उपलब्धता सुनिश्चित करने और बेईमानी और सट्टेबाजी को रोकने के लिए उठाया गया है।

विकृत लोग सजा माफी के हकदार नहीं आरोपी डॉक्टर की याचिका खारिज की

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

सुप्रीम कोर्ट ने सात साल की बेटी के यौन उत्पीड़न के आरोपी डॉक्टर को राहत देने से इनकार कर दिया। सुप्रीम कोर्ट ने डॉक्टर की याचिका खारिज करते हुए कहा कि विकृत लोग सजा माफी के हकदार नहीं हैं। आरोपी डॉक्टर ने ससजा माफ करने की अपील की थी। डॉक्टर का तर्क है कि उसकी बेटी को सिखाया गया था और उसने झूठी गवाही दी। कोर्ट ने इस तर्क को खारिज कर दिया। जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की पीठ ने कहा कि आरोपी डॉक्टर को निचली अदालत ने दोषी माना है, ऐसे में उसे सजा माफी नहीं दी जा सकती। पीठ ने कहा कि बच्चे के साथ जो तुमने किया है, ऐसे में तुम राहत पाने के अधिकारी नहीं हो। बच्चे ने खुद बयान दिया है। वह एक विकृत व्यक्ति है और वह सजा माफी का हकदार नहीं है।

व्यक्ति शराब के नशे में राक्षस बनता जा रहा

पीठ ने कहा कि तुम अपनी बेटी के साथ ऐसा कैसे कर सकते हो? बच्ची ने अपने पिता के खिलाफ गवाही क्यों देगी? वह एक छोटी बच्ची है, जो बार-बार पूछने के बाद भी अपने बयान पर कायम रही है। व्यक्ति शराब के नशे में राक्षस बन जाता है। हमें ये बात नहीं कहनी चाहिए, लेकिन हम बहुत उदार पीठ हैं और अगर हम जमानत नहीं दे रहे हैं तो इसकी कुछ वजह है।

थ्रीबी फिल्म्स का आईपीओ आज खुलेगा

मुंबई। थ्रीबी फिल्म्स लिमिटेड जो उच्च गुणवत्ता वाली प्लास्टिक पैकेजिंग फिल्म्स का निर्माण करती है, 30 मई 2025 को अपना इनिशियल पब्लिक ऑफरिंग लांच करने जा रही है। इस आईपीओ के माध्यम से कंपनी 33.75 करोड़ जुटाने का लक्ष्य रख रही है, और इसके शेयर बीएसई एसएमई प्लेटफॉर्म पर सूचीबद्ध किए जाएंगे। इस ऑफर का कुल आकार 67,50,000 इक्विटी शेयर है, जिनका फेस वैल्यू 10 प्रति शेयर है और ऑफर प्राइस 50 प्रति शेयर तय किया गया है।

हरिभूमि की एजेंसी एवं प्रतियों के लिये संपर्क करें
मों. 9340637789

राशिफल

मेष — रहन-सहन अव्यवस्थित रहेगा। खर्चों में वृद्धि होगी। आत्मविश्वास में कमी रहेगी। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। पिता का साथ मिलेगा।

वृष — परिवार के साथ किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। मानसिक शान्ति रहेगी,परन्तु बातचीत में संयत रहें। लाभ के अवसर मिलेंगे।

मिथुन — तरक्की के मार्ग प्रशस्त होंगे। मान-सम्मान की प्राप्ति होगी।सेहत का ध्यान रखें। धर्म-कर्म में रुचि बढ़ेगी। कार्यक्षेत्र में कुछ समस्याएं परेशान कर

कर्क — आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। नौकरी में तरक्की के अवसर मिलेंगे। शासन-सत्ता का सहयोग मिलेगा। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा।

सिंह — कारोबार में लाभ के अवसर मिलेंगे। यात्रा खर्च बढ़ सकते हैं। किसी धार्मिक स्थान की यात्रा का कार्यक्रम बन सकता है। रहन-सहन कष्टमय रहेगा।

कन्या — परिवार की जिम्मेदारी बढ़ सकती हैं। शैक्षिक कार्यों में सफल रहेंगे। बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि हो सकती है। क्रोध के अतिरेक से बचें।

तुला — धैर्यशीलता में कमी आ सकती है। वाहन के रखरखाव पर खर्च बढ़ेंगे। स्वास्थ्य के प्रति सतर्क रहें। चिकित्सीय खर्च बढ़ सकते हैं।

वृश्चिक — भाग-दौड़ अधिक रहेगी। कार्यक्षेत्र में परिश्रम अधिक रहेगा। बातचीत में सन्तुलन बनाये रखने का प्रयास करें। वस्त्र उपहार में प्राप्त हो सकते हैं।

धनु — कार्यक्षेत्र में तरक्की के योग हैं। जीवनसाथी के स्वास्थ्य का ध्यान रखें। शैक्षिक या बौद्धिक कार्यों में सम्मान की प्राप्ति हो सकती है।

मकर — व्यर्थ के क्रोध एवं वाद-विवाद से बचें। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों में व्यस्तता बढ़ेगी। सन्तान की ओर से सुखद समाचार मिल सकता है।

कुंभ — तरक्की के अवसर मिल सकते हैं। आय में वृद्धि होगी। पठन-पाठन में रुचि रहेगी। लेखनादि-बौद्धिक कार्यों से आय में वृद्धि के स्रोत विकसित होंगे।

मीन — दाम्पत्य सुख में वृद्धि होगी। पारिवारिक जीवन सुखमय रहेगा। कारोबार में वृद्धि होगी। परिश्रम अधिक रहेगा। लाभ के अवसर बढ़ेंगे। वाणी में

शब्द पहेली - 5882

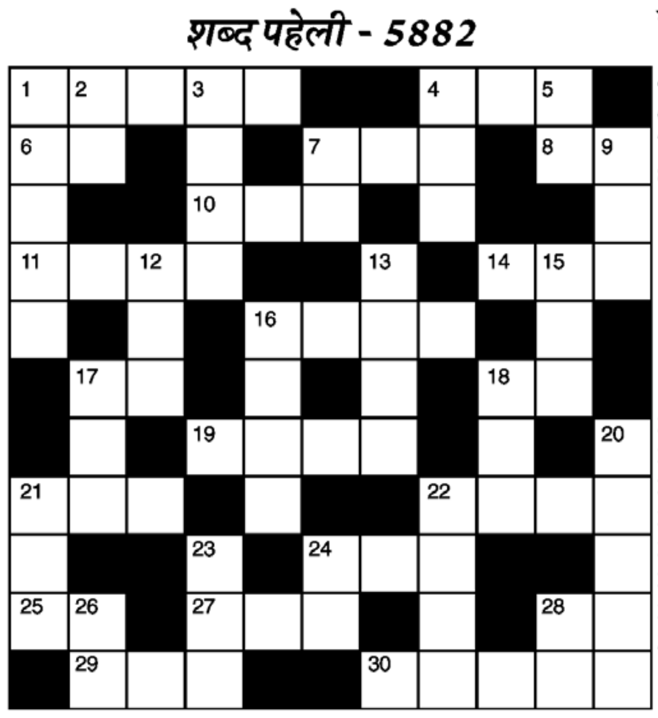

बाएँ से दाएँ
1.अशांति, उपद्रव-5
4.गुंडा, बदमाश-3
6.समान-2
7.वारंट, निर्गमपत्र-3
8.पत्र, पाती-2
10.आश्रय-3
11.भेंट, पुरस्कार-4
14.अनुमान, अंदाज-3
16.जो लायक न हो-4
17.एक खलनायक-2
18.जीव, जीवन-2
19.जांचना-परखना-4
21.ख्वाब, स्वप्न-3
22.बलशाली-4
24.रेखा, पंक्ति-3
25.प्यार (अंग्रेजी में-2)
27.भाग्य, किस्मत-3
28.पैंतरा, पारी-2
29.डांट-डपट, घुड़की-3
30.तसल्ली, विश्वास, भरोसा-5

ऊपर से नीचे
1.समानता का विलोम-5
2.सीता के पति-2
3.रोना, विलाप करना-4
4.सोच-विचार-3
5.जूं का अंडा-2
7.चाहने का भाव-2
9.भारत-पाक विभाजन की त्रासदी पर बना धारावाहिक-3
12.दशानन-3
13.मधुशाला-4
15.गुजर-बसर-3
16.नामांकित-4
17.मसविदा, रुप-रेखा-3
18.गंवार-3
20.मन को भाने वाला-5
21.आसान, सीधा-3
22.बारिश-4
23.पागल-3
24.होठ, अधर-2
26.हत्या-2
28.अन्न का एक कण-2

शब्द पहेली- 5881 का हल

सूडोकु बवाल - 5892

★★★★★ कठिनतम

		8			4			
1								9
3				2			5	
			1				8	
		5				4		
	7				9			
	6			3				2
9								1
			8			7		

MANGAL SENACHA, BANGALORE

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु बवाल - 5891 का हल

3	6	8	5	9	1	4	7	9
7	9	1	4	6	3	5	8	2
2	4	5	7	2	8	6	3	1
9	1	3	2	5	4	8	6	7
4	6	2	8	1	7	9	5	3
5	8	7	6	3	9	1	2	4
3	2	4	1	8	5	7	9	6
8	7	6	9	4	2	3	1	5
1	5	9	3	7	6	2	4	8

एक समय तक पर्यावरण बहुत शुद्ध हुआ करता था। चारों ओर प्रकृति के हरे-भरे मनोरम दृश्य दिखते थे। हमें प्रदूषणरहित वातावरण में सांस के लिए शुद्ध वायु मिलती थी। आज सब उलट गया है, प्रदूषण के कारण प्रकृति ने अपनी रमणीयता खो दी है। सांस लेने के लिए शुद्ध वायु नहीं है, न ही नदियों में पीने के लिए शुद्ध जल। ऐसी खतरनाक स्थिति कैसे बनी? पर्यावरण को हम कैसे संरक्षित करें? पर्यावरण दिवस पर पर्यावरण से जुड़ी बहुत ही जरूरी बातें।

हमारा पर्यावरण
क्या था, क्या हो गया
कैसे हो संरक्षित

जागरुकता

देवेंद्र मेवाड़ी

बच्चो, हम सभी पर्यावरण की गोद में पल रहे हैं। तुम जानते हो, क्या है पर्यावरण? पर्यावरण का अर्थ है हमारे आस-पास, हमारे चारों ओर का परिवेश। हमारे चारों ओर मौजूद सभी जैविक-अजैविक, सजीव-निर्जीव तत्वों से मिलकर बनता है हमारा पर्यावरण। पेड़, पहाड़, धरती, हवा, नदी, ताल-तलैया, मिट्टी में मौजूद सूक्ष्म जीवों से लेकर कीट-पतंगे और जीव-जंतु... और भी बहुत कुछ हमारे पर्यावरण के अंतर्गत आते हैं। पर्यावरण हमारे जीवन का आधार है, इसलिए इसकी देखभाल, इसका संरक्षण करना जरूरी है, हमारा दायित्व है।

पहले कुछ ऐसा था हमारा पर्यावरण: लाखों वर्ष पहले हम मनुष्यों का अस्तित्व इस पृथ्वी पर प्रारंभ हुआ। उस वक्त हमारा पर्यावरण आज के पर्यावरण से एकदम अलग था। तब हमारे चारों ओर थे हरे-भरे वन, ऊंची पर्वत मालाएं, गहरी घाटियां, साफ-सुथरी हवा, कल-कल करती नदियां, झरने और दूर-दूर तक फैले चौरस मैदान। ऊपर नीला आकाश था और नीचे धरती पर सागर और सागर तटों से टकराती लहरें। सागरों में भी विविधताओं से भरी जीव-जंतुओं की दुनिया। ऋतुएं आती और जाती थीं- कभी वसंत और कभी ग्रीष्म, पावस, हेमंत, शरद और शीत ऋतु। इसी ऋतु चक्र में पक्षी चहचहाते, फूलों पर तितलियां मंडरातीं, आसमान में बादल उमड़ते और झमाझम बारिशें बरसतीं। सब कुछ प्राकृतिक, सुंदर, मनोरम।

जरा याद करके बताओ: अच्छा बच्चो, जरा याद करो कि पिछली बार कब सुनी थी तुमने किसी नदी की कल-कल, झरनों की झर-झर और हरे-भरे पेड़ों से आती हवा की सांय-सांय की आवाज? कब देखी थी तुमने फूलों पर मंडराती मनमोहक तितली, कब सुनी थी फूलों पर मंडराते भौंरों की गुनगुन, कब चहकी थी तुम्हारी मुंडेर पर गौरैया और कब पास की अमराई में कूकी थी कोयल? नहीं याद आ रहा न! अगर तुम शहर में रहते हो, तो तुम्हारे लिए इन प्रश्नों का उत्तर देना कठिन होगा।

ऐसे बदला परिदृश्य: बच्चो, अठारहवीं सदी में एक दिन कोयलों की आग से धधकता, धुआं उगलता, धड़धड़ाता भाप का इंजन आ धमका। उसके साथ ही दुनिया में औद्योगिक युग की शुरुआत हो गई। कोयला बनाने के लिए पेड़ कटने लगे। हरे-भरे वनों का सफाया शुरू हो गया। हरियाली सिमटने लगी, जीव-जंतुओं के घर उजड़ने लगे। धीरे-धीरे गांव और कस्बे शहरों में बदलने लगे। यहां पर सीमेंट-कंक्रीट की ऊंची-ऊंची इमारतें दिखाई देने लगीं। कल-कारखाने हवा में जहरीला धुआं उगलने लगे और नदियों में जहरीला कचरा पहुंचने लगा। जहरीले कीटनाशकों के अंधाधुंध प्रयोग से हमारी नदियां और खेतों की माटी बुरी तरह प्रदूषित होने लगी। हम मनुष्यों ने विरासत में मिली अपनी प्यारी दुनिया बदल दी। इस नई दुनिया में खुद हम मनुष्यों का जीवन भी संकट में पड़ने लगा।

हम समझें अपनी जिम्मेदारी: सच कहा जाए तो विकास की दौड़ में हमने प्रकृति संरचना को बुरी तरह बिगाड़ दिया है। अब स्वयं हमारे लिए और हमारे लाखों साथी जीवों के लिए पृथ्वी पर जीना दिनों-दिन मुश्किल होता जा रहा है। अगर अब भी हम पेड़ों से प्यार नहीं करेंगे, जंगलों की हरियाली नहीं बढ़ाएंगे, हवा में जहरीला धुआं और नदियों-तालाबों और सागरों के पानी में विषैले रसायनों का जहर घोलना बंद नहीं करेंगे तो लाखों जीव नष्ट हो जाएंगे। यही हाल रहा तो आने वाले समय में यह पृथ्वी रहने लायक नहीं रहेगी। इसलिए आओ बच्चो, हम साथ मिलकर पर्यावरण को बचाएं। *

कोविड हमें लाया प्रकृति के करीब

बच्चो, आज से कुछ साल पहले जब दुनिया कोरोना महामारी से जूझ रही थी, लॉकडाउन चल रहा था, तब हमारे पर्यावरण में कुछ सकारात्मक और हैरान कर देने वाले बदलाव देखने को मिले। गैस चैंबर बने शहरों की हवा में केवल डेढ़-दो माह के भीतर गर्दो-गुबार इतना कम हो गया कि आसमान नीला दिखाई देने लगा! रातों को आसमान में झिलमिलाते तारे नजर आने लगे। हवा में प्राणवायु ऑक्सीजन की मात्रा बढ़ गई। नदियों के काले, कलुषित पानी में मछलियां दिखाई देने लगीं। स्कूटर, कार, बसें, मेट्रो, रेलगाड़िया और हवाई जहाज न चलने के कारण शहर में कर्कश कोलाहल नहीं रहा, जिसके कारण चारों ओर शांति छा गई। चिड़ियां हमारे घरों के करीब चली आईं। हमें भोर में चिड़ियों की मधुर चहचहाहट सुनाई देने लगी। कहीं मोर नाचने लगे तो कहीं सड़कों पर नीलगाएं घूमने लगीं। जो कल तक अकल्पनीय था, वह संभव हो गया। प्रकृति ने हमें साफ संदेश दे दिया कि अगर हम प्रकृति को प्रदूषित न करें, हमारे कल-कारखाने हवा और नदियों में जहरीले रसायन न उगलें और हम हरियाली को पनपने दें तो हमारा पर्यावरण साफ स्वच्छ रहेगा, गांवों ही नहीं, शहरों की सुबहें भी पंछियों के कलरव से भर जाएंगी।

स्पेशल: वर्ल्ड साइकिल-डे, 3 जून

बड़े काम की है ईको-फ्रेंडली व्हीकल साइकिल

जानकारी

कुमार गौरव अजीतेंदु

बच्चो, आज से कुछ साल पहले साइकिल यातायात के प्रमुख साधनों में से एक हुआ करती थी। लेकिन आजकल लोगों में साइकिल के प्रति क्रेज कम हो गया है। साइक्लिंग के प्रति लोगों में जागरूकता और लगाव बढ़ाने के उद्देश्य से संयुक्त राष्ट्र (यूनाइटेड नेशंस) ने विश्व साइकिल दिवस यानी 'वर्ल्ड साइकिल-डे' मनाने का निर्णय लिया। पहला आधिकारिक विश्व साइकिल दिवस 3 जून, 2018 को मनाया गया था।

कैसे आई दुनिया में साइकिल: साइकिल के प्रयोग को मूर्तरूप सर्वप्रथम सन 1817 में पेरिस के एक कारीगर कार्ल वॉन ड्रैस ने दिया। उसने जो वाहन बनाया, उसे हॉबी हॉर्स यानी काठ का घोड़ा कहा जाता था। यह वाहन साइकिल जैसा ही था, लेकिन इसमें पैडल नहीं थे, इसे पैरों से धक्का देकर आगे बढ़ाना होता था।

पैडल वाले साइकिल का आविष्कार: पैर से घुमाए जाने वाले पैडलयुक्त पहिए का आविष्कार सन 1865 ई. में पेरिस (फ्रांस) निवासी लालेमेंट ने किया। इस यंत्र को वेलॉसिपीड कहते थे। इंग्लैंड, फ्रांस और अमेरिका के यंत्र निर्माताओं ने इसमें अनेक महत्वपूर्ण सुधार कर सन 1872 में इसे एक सुंदर और हल्का रूप दे दिया। इसमें पैडल के अतिरिक्त वेयरिंग और ब्रेक भी लगाए गए थे। इससे इसे चलाना आसान हो गया। *

भारत में साइकिल

दुनिया में जब जगह-जगह साइकिल प्रचलन में आ गई तो भारत में भी इसे खूब उपयोग किया जाने लगा। आजादी से पहले और आजादी के कुछ सालों बाद भी जब गांवों में अधिकतर सड़कें कच्ची थीं, उस समय साइकिल को आवा-गमन के लिए बहुत ही उपयोगी वाहन के रूप में लोग उपयोग करने लगे। दूधवाले, किसान, पोस्टमैन और आम जनता साइकिल का उपयोग धड़ल्ले से करती थी। आजादी की लड़ाई के दौरान भी हमारे क्रांतिकारियों ने साइकिल का उपयोग किया।

साइकिल से जुड़ी कुछ रोचक बातें

- Bicycle शब्द फ्रेंच भाषा के bicyclette वर्ड से निकला है।
- नीदरलैंड को 'साइकिलों का देश' कहा जाता है। बताया जाता है, वहां के प्रधानमंत्री भी साइकिल से अपने ऑफिस जाते हैं।
- डेनमार्क के कोपेनहेगेन को 'सिटी ऑफ साइक्लिस्ट' भी कहा जाता है। यहां की तकरीबन 52 प्रतिशत आबादी साइकिल चलाती है।
- बोनशेकर साइकिल का वजन अस्सी किलोग्राम था।
- रोजाना 30 मिनट साइकिल चलाने वाले व्यक्ति का दिमाग साधारण व्यक्ति के मुकाबले ज्यादा एक्टिव रहता है, इतना ही नहीं ब्रेन पॉवर भी 15 से 20 फीसदी ज्यादा होती है।

कविता / अखिलेश श्रीवास्तव 'चमन'

जीवन की नींव

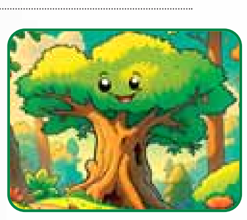

जैसे हम जगते, सोते हैं
पेड़ भी जगते, सोते हैं।
जैसे हम हंसते, रोते हैं
पेड़ भी हंसते, रोते हैं।
पेड़ भी खाते हैं, पीते हैं
पेड़ भी सांस लिया करते।
कार्बनडाईऑक्साइड ले
ऑक्सीजन हमें दिया करते।
पहले सभी समझते थे कि
प्राण हीन होते हैं वन।
जे.सी. बोस ने यह बतलाया
पौधों में भी है जीवन।
चाहे पेड़ और पौधा हो
चाहे हो कोई भी जीव।
छोटी सृजक कोशिका होती है
सब के जीवन की नींव।

एंवॉयर्नमेंट नॉलेज

Q : भारतीय वन सर्वेक्षण का मुख्यालय कहां स्थित है?
A : देहरादून में।

Q : राष्ट्रीय वन नीति के अनुसार कितने प्रतिशत भू-भाग पर वन होना अनिवार्य है?
A : 33 प्रतिशत।

Q : चिपको आंदोलन के पीछे मुख्य उद्देश्य क्या था?
A : वनों की सुरक्षा।

Q : देश का पारिस्थितिकी अनुसंधान एवं प्रशिक्षण केंद्र कहां स्थित है?
A : बैंग्लुरु (कर्नाटक)।

Q: ग्रीन हाउस प्रभाव क्या है?

A : ग्रीन हाउस प्रभाव में सूर्य की किरणें पृथ्वी पर आ तो जाती हैं, लेकिन कार्बन डाइऑक्साइड गैस के घेरे के कारण वापस नहीं जा पाती हैं।

Q : भारत का पर्यावरण शिक्षा केंद्र कहां स्थित है?
A : अहमदाबाद (गुजरात)।

Q : इंदिरा गांधी वानिकी अकादमी कहां स्थित है?
A : देहरादून (उत्तराखंड)।

Q : विश्व वानिकी दिवस कब मनाया जाता है?
A : 21 मार्च।

Q : भारतीय वन प्रबंधन संस्थान कहां है?
A : भोपाल में।

Q : भारत में सबसे अधिक वन किस प्रदेश में हैं?
A : मध्य प्रदेश।

Q : पौधे अपनी खाद्य निर्माण प्रक्रिया में कार्बन डाइऑक्साइड गैस वायुमंडल से लेते हैं और बदले में जीवधारियों को सांस लेने के लिए क्या मुक्त करते हैं?
A : ऑक्सीजन।

Q : कार्बन डाइऑक्साइड, सल्फर डाइऑक्साइड, कार्बन मोनो ऑक्साइड गैसों द्वारा कौन-सा प्रदूषण होता है?
A : वायु प्रदूषण।

Q : बायोकेमिकल ऑक्सीजन डिमांड परीक्षा किस प्रदूषण को मापने के लिए की जाती है?
A : जल प्रदूषण।

Q : परॉक्सीएसेटिल नाइट्रेट क्या है?
A : वायु प्रदूषक।

Q : राष्ट्रीय पर्यावरण अनुसंधान केंद्र कहां पर स्थित है?
A : नागपुर (महाराष्ट्र)।

Q : वायुमंडल में ओजोन परत हमारी रक्षा किन किरणों से करती है?
A : पराबैंगनी किरणों से।

Q : वायुमंडल में कौन-सी गैस सर्वाधिक पाई जाती है?
A : नाइट्रोजन।

प्रस्तुति: दीपक कोहली

ओह! यह तो वही लड़का है

निर्मला आंटी को यह बिल्कुल नहीं पसंद था, उनके घर के सामने खुले मैदान में बच्चे क्रिकेट-फुटबॉल खेलें और गेंद-फुटबॉल उनके लॉन में रखे गमलों पर गिरे, पौधे बर्बाद हों। लेकिन एक बार जब उन्हें जरूरी काम से शहर के बाहर जाना पड़ा, लौटकर जब वह आईं, अपने लॉन के पेड़-पौधों को उन्होंने जिस हालत मे देखा, वह आश्चर्यचकित रह गईं।

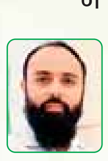

कहानी

सिराज अहमद

निर्मला आंटी थोड़ी सख्त मिजाज की थीं। पिछले साल ही वह इस कॉलोनी में शिफ्ट हुई थीं। उनके घर के सामने एक खुला मैदान था, जहां शाम में बच्चे इकट्ठे होकर खेलते रहते। कभी क्रिकेट तो कभी फुटबॉल। कभी-कभी ऐसा होता कि क्रिकेट खेलते वक्त गेंद निर्मला आंटी के घर में चली जाती। कोई बच्चा जब गेंद मांगने जाता तो वह मुंह लटकाए खाली हाथ ही वापस आता।

निर्मला आंटी गेंद कभी वापस नहीं करतीं। वह बच्चों पर खूब बरसतीं। बच्चे उनसे गेंद देने की सिर्फ रिक्वेस्ट करते, कुछ न कह पाते और खेल बंद हो जाता। बच्चे कितनी बार नई गेंद खरीद कर लाएं? हर बार उनके लिए पैसों का बंदोबस्त कर पाना मुश्किल होता।

निर्मला आंटी के घर के अंदर लॉन में ढेर सारे गमलों में तरह-तरह के खूबसूरत पेड़-पौधे लगे थे। उन्हें इस बात का डर था कि कहीं गेंद उनके लगाए गए पौधों को बर्बाद न डाले। निर्मला आंटी को पेड़-पौधों से बेइंतहा मोहब्बत थी। मोहल्ले में उन्होंने पेड़ लगाने की जोरदार मुहिम चलाई थी कि घर-घर पेड़ होने चाहिए। कम ही समय में उनकी मेहनत रंग लाई और कॉलोनी में हरियाली दिखने लगी थी। एक रोज की बात है। उन्हें खबर मिली कि उनकी मम्मी की तबीयत ज्यादा खराब है। उन्हें आनन-फानन में दूसरे शहर जाना पड़ा।

अब क्या था? उनके जाने से बच्चों को फायदा हुआ। गेंद जब भी उनके घर में जाती तो वे छोटी-छोटी बाउंड्री फांदकर फौरन गेंद वापस ले आते। कोई चिकचिक नहीं। कोई डांट-फटकार नहीं। कोई देखने-पूछने वाला नहीं। देखते-देखते निर्मला आंटी को गए दो महीने हो गए थे। इधर बच्चे मस्ती में क्रिकेट का लुत्फ उठा रहे थे। वो भी बिना किसी रोक-टोक के।

एक रोज भी ऐसा ही हुआ। खेलते-खेलते गेंद घर के अंदर चली गई। चहकता हुआ सौरभ दौड़ा और बाउंड्री फांदकर फौरन घर के अंदर कूदा। वह गेंद ढूंढ़ ही रहा था, इतने में ही निर्मला आंटी की गाड़ी गेट के पास आकर रुकी। बाहर खेल रहे बच्चे भागकर अपने-अपने घरों में जा छुपे। बेचारा सौरभ फंस गया था। गेट पर उनकी आवाज सुनकर उसे मालूम पड़ गया कि निर्मला आंटी आ गई हैं। वह चुपचाप एक जगह खड़ा हो गया। निर्मला आंटी ने जैसे ही गेट खोला, सौरभ को सामने खड़ा पाया। उसके हाथों में गेंद थी।

फिर तो पूछिए नहीं। निर्मला आंटी ने उसे खूब खरी-खोटी सुनाई। उस पर खूब चिल्लाईं। चोर भी बोला, जबकि वह बार-बार यह कहता रहा कि वह सिर्फ गेंद लेने ही आया था। उन्होंने उसे धमकी दी कि वह उसके घर आकर उसके पापा से शिकायत जरूर करेंगी। उदास सौरभ वहां से घर की ओर चल पड़ा। उसने यह तय किया कि अब वह कभी यहां खेलने नहीं आएगा।

शाम हो चुकी थी। निर्मला आंटी बाहर ही कुर्सी डाल कर बैठ गईं। तभी उनकी नजर लॉन में रखे सभी गमलों पर गई तो वह हैरान रह गईं और सोचने लगी, 'गमलों में पानी किसने डाला? वह तो महीनों से बाहर थीं।'

वह फटाफट अंदर गईं। घर में लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकॉर्डिंग खंगालने लगीं। तभी अचानक उनकी नजरें एक वीडियो पर जम गईं, जो कि उनके जाने के दो दिन बाद की थी।

एक बच्चा गेंद उठाने बाउंड्री से अंदर आता है। गेंद उठा कर वह थोड़ा ठहर जाता है, वहां रखे गमले को देखता है। फिर वहीं पर रखे जग में पानी की टोटी से पानी भरता है, सारे गमलों में अच्छी तरह से पानी डालता है। पेड़ों को फुहार मार कर नहलाता है। फिर हंसता हुआ गेंद लेकर बाहर निकल जाता है।

निर्मला आंटी ने और भी कई वीडियो देखे, जिसमें वह लड़का अंदर आता है और सिर्फ पौधों में पानी डाल कर वापस चला जाता है। वह सिर्फ यही करने अंदर आता है।

निर्मला आंटी द्वारा लगाए गए सभी पौधे हरे-भरे थे। कुछ में फूल भी खिले थे। यह तो तय था कि अगर उनमें पानी न दिया जाता तो वे सूख जाते, मुरझा जाते।

निर्मला आंटी ने कैमरे को जूम करके बच्चे को पहचानने की कोशिश की तो और भी हैरान रह गईं, 'ओह, यह तो वही लड़का है, जिसे मैंने बुरी तरह डांटा है-सौरभ।' आज जाने से पहले उन्होंने उसका नाम पूछ लिया था।

सौरभ का उदास और डरा हुआ चेहरा निर्मला आंटी के मन में आया। उन्होंने मन ही मन निर्णय ले लिया था, वह सौरभ के घर जाकर उसके मम्मी-पापा से उसकी तारीफ करेंगी, उसे शाबाशी देंगी और उसे फूलों वाला एक गमला भी उपहार में देंगी। *

कविता

रजनीकांत शुक्ल

फिर नवजीवन पाना

नदिया पर्वत झील समंदर
सारे करें इशारे
जब भी मन ना लगे कहीं
तो आना पास हमारे।
चहकें चिड़िया जहां दूर तक
फैल रही हरियाली
चले हवा तो उसकी धुन सुन
लहके डाली-डाली।
कोलाहल से दूर शांति की
बस्ती बसी निराली
आसमान में बादल घूमें
हवा चले मतवाली।
झर-झर झरते मन को हरते
झरनों की मनहर धुन
कुहू-कुहू कोयल का गाना
भौंरों की यह गुन-गुन।
जब भी जी ना लगे तुम्हारा
पास हमारे आना
नई ऊर्जा भर जाएगी
फिर नवजीवन पाना।

रंग भरो-176

रंग भरो-176 में दिए गए चित्र को तुम लोगों ने बहुत अच्छे से रंगकर हमें भेजा। उनमें से चुना गया सबसे अच्छा चित्र हम यहां प्रकाशित कर रहे हैं। उसे रंगकर भेजने वाले बच्चे के चित्र के साथ कुछ अन्य बच्चों के नाम और चित्र भी प्रकाशित कर रहे हैं।

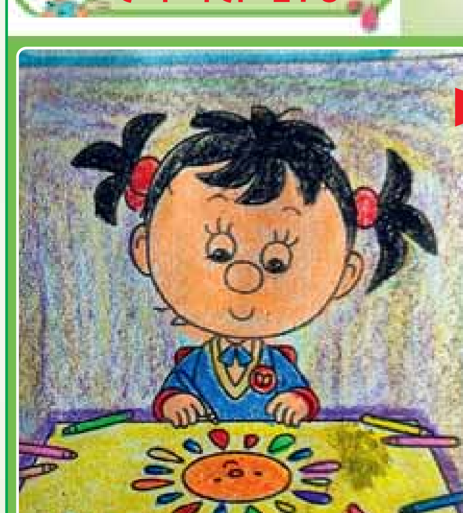

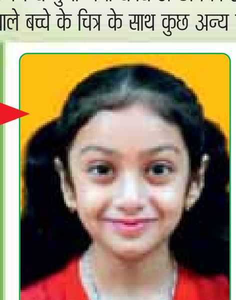

आस्तिका, चांपा

अयान, रायपुर

कृतिका, सीपत

तेजू, रायपुर

शौर्य, जांजगीर

अरल, बिलासपुर

इनके भी चित्र रहे प्रशंसनीय

आतिया-बहादुरगढ़, भूमिका-बागबाहरा, दीप्ति-दुर्ग, दिव्यांश-दुर्ग, डॉली-मटियारी, रोशनी-दुर्ग, संस्कार-बलौदा बाजार, श्वेता-रायपुर, तन्मय-दुर्ग, अमन-रायपुर, नेहा-बिलासपुर, सक्षम-रायगढ़, जिया-महासमुंद, कल्पना-राजनांदगांव, राज-भोपाल

रंग भरो 177

बच्चो, यहां दिए गए ब्लैक एंड व्हाइट चित्र में मनन पौधा लगाकर फावड़े से मिट्टी गोड़ रहा है। पास ही खड़ी खुशी पौधे में पानी डाल रही है। इस चित्र को मनचाहे रंगों से रंग कर हमें भेजो। जिस बच्चे का चित्र सर्वश्रेष्ठ होगा, उसे हम बालभूमि में प्रकाशित करेंगे। चित्र के साथ अपनी फोटो, अपना और शहर का नाम हमें इस पते पर भेजो- संपादक-फीचर, हरिभूमि कार्यालय, 129, ट्रांसपोर्ट सेंटर, पंजाबी बाग, पश्चिमी दिल्ली, नई दिल्ली-110035 या ई-मेल आईडी balbhoomihb@gmail.com पर मेल करो।

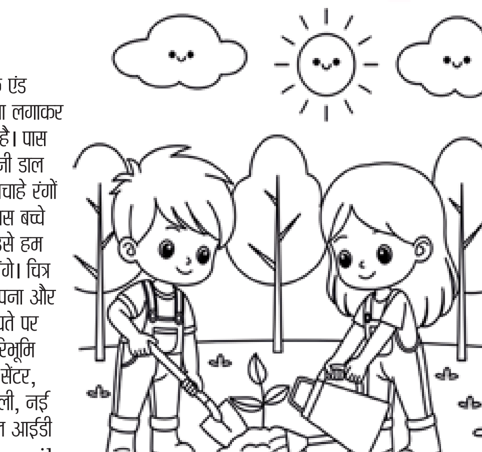

दूसरे क्वालीफायर में जगह बनाने होगी भिड़ंत

आईपीएल एलिमिनेटर: गिल के टाइटंस और हार्दिक की इंडियंस के बीच मुकाबला आज

एजेंसी ▶▶| मुल्लांपुर

खिताब के दावेदार के रूप में शुरुआत करने के बाद लड़खड़ाने वाली शुभमन गिल की अगुआई वाली गुजरात टाइटंस की टीम इंडियन प्रीमियर लीग के एलिमिनेटर में शुक्रवार को यहां पांच बार के चैंपियन मुंबई इंडियंस से भिड़ेगी। एलिमिनेटर में हारने वाली टीम प्रतियोगिता से बाहर हो जाएगी जबकि विजेता टीम को दूसरे क्वालीफायर में खेलने का मौका मिलेगा। खराब शुरुआत के बावजूद मुंबई इंडियंस की टीम प्ले ऑफ में जगह बनाने में सफल रही। टाइटंस ने पिछले चार सत्र में तीसरी बार प्ले ऑफ में जगह बनाई है और इस दौरान 2022 में पदार्पण करते हुए खिताब भी जीता। हालांकि गिल और हार्दिक दोनों को ही काफी कुछ साबित करना है। अगर टाइटंस खिताब जीतता है तो भारत के नव नियुक्त टेस्ट कप्तान गिल की कप्तान के रूप में साख मजबूत होगी। हार्दिक को पिछले साल टीम में वापसी पर हूटिंग का सामना करने के बाद प्रशंसकों का प्यार वापस मिल गया है और आईपीएल ट्रॉफी से वह फ्रेंचाइजी के महान खिलाड़ियों की सूची में अपनी जगह पक्की कर लेंगे। हालांकि दोनों कप्तान को खिताब की तलाश में अपने सामने मौजूद मुद्दों का हल खोजना होगा।

लय गंवाने से टाइटंस चिंतित

टाइटंस की टीम अधिक चिंतित होगी क्योंकि उसने प्ले ऑफ से पहले लय गंवा दी है। टीम ने अपने पिछले दो मैच में हार के दौरान विरोधी टीम को 465 रन बनाने दिए और प्ले ऑफ में उसे गेंद से बेहतर प्रदर्शन करना होगा। टीम के तेज गेंदबाजी आक्रमण के अगुआ मोहम्मद सिराज को पावर प्ले में टीम को सफलता दिलानी होगी। बाएं हाथ के तेज गेंदबाज अरशद खान को नई गेंद से संघर्ष करना पड़ा है जिससे टाइटंस की समस्याएं बढ़ गई हैं और प्रसिद्ध कृष्णा जैसे गेंदबाजों पर दबाव बढ़ गया है जो मौजूदा सत्र में 23 विकेट के साथ टीम के लिए तुरुप का पत्ता साबित हुए हैं।

फार्म में शीर्ष तीन बल्लेबाज

बल्लेबाजी विभाग में शीर्ष तीन बल्लेबाजों साई सुदर्शन, गिल और जोस बटलर ने टीम को प्ले ऑफ में जगह दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। बटलर लीग चरण के बाद राष्ट्रीय टीम से जुड़ने के लिए स्वदेश रवाना हो चुके हैं और प्ले ऑफ में टीम को उनकी कमी खलेगी।बटलर के विकल्प के तौर पर टीम ने कुसाल मेंडिस को टीम में शामिल किया है लेकिन देखना होगा कि वह इंग्लैंड के इस स्टार बल्लेबाज की कमी को पूरा कर पाते हैं या नहीं।

मुंबई को हुआ नुकसान

टाइटंस की तरह मुंबई को भी विदेशी खिलाड़ियों के जाने से नुकसान हुआ है। शीर्ष क्रम में रोहित शर्मा के साथ रेयान रिकल्टन ने अच्छा प्रदर्शन किया है लेकिन दक्षिण अफ्रीका का यह बल्लेबाज अब राष्ट्रीय टीम के साथ जुड़ चुका है। इंग्लैंड के बल्लेबाज विल जैक्स के साथ भी ऐसा ही है। इंग्लैंड की टीम से बाहर चल रहे बल्लेबाज जॉनी बेयरस्टो के अलावा रिचर्ड ग्लीसन और चरित असलंका को मुंबई ने अपने साथ जोड़ा है। एलिमिनेटर में रोहित के साथ बेयरस्टो पारी का आगाज कर सकते हैं। मध्यक्रम में तिलक वर्मा का खराब प्रदर्शन भी मुंबई के लिए चिंता का सबब है।

सूर्या का बल्ला उगल रहा आग

सूर्यकुमार ने बल्लेबाजी में मुंबई के लिए लगातार अच्छा प्रदर्शन किया है और वह मौजूदा सत्र में 640 रन बना चुके हैं। अगर वह विफल रहते हैं तो मुंबई की राह बेहद मुश्किल हो जाएगी। पहले बल्लेबाजी करते हुए मुंबई के बल्लेबाज जिस रन गति से रन जोड़ रहे हैं वह भी परेशानी का सबब है और हार्दिक को इस पर ध्यान देने की जरूरत है। जसप्रीत बुमराह और ट्रेंट बोल्ट जैसे गेंदबाजों की अगुआई में मुंबई के गेंदबाज विरोधी टीम को अधिक परेशान कर रह हैं।

नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट : गुकेश ने की 19वें जन्मदिन पर नाकामूरा को हराकर वापसी

एजेंसी ▶▶| स्टेवेंगर

विश्व चैंपियन डी गुकेश ने अपने 19वें जन्मदिन के मौके पर तीसरे दौर में अमेरिका के दुनिया के दूसरे नंबर के खिलाड़ी हिकारू नाकामूरा को हराकर अपने अंकों का खाता खोला। नॉर्वे शतरंज टूर्नामेंट में गुरुवार को यहां अर्जुन एरिगेसी को पहली हार का सामना करना पड़ा। शुरुआती दो दौर में दुनिया के नंबर एक खिलाड़ी मैग्नस कार्लसन और हमवतन अर्जुन एरिगेसी के खिलाफ शिकस्त झेलने वाले गुकेश ने रेपिड और ब्लिट्ज के सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ियों में से एक नाकामूरा को समय के दबाव में रखा और 42 चाल में बाजी जीतकर तीन अंक जुटाए। गुकेश सफेद मोहरों से खेलते हुए छह खिलाड़ियों के इस

डबल राउंड रोबिन टूर्नामेंट में पहली जीत दर्ज करके तीन अंक के साथ चीन के नंबर एक खिलाड़ी वेई यी से आगे पांचवें स्थान पर हैं। गुकेश ने कहा, 'काफी अच्छा महसूस कर रहा हूं। मुझे लगता है कि पहले की तुलना में आज मेरा समय प्रबंधन काफी बेहतर था। उसे (नाकामूरा को) कुछ मौके मिले लेकिन कुल मिलाकर मुकाबला अच्छा था।' अच्छी शुरुआत करने के बाद एरिगेसी को ग्रैंडमास्टर फाबियानो करुआना के खिलाफ हार का सामना करना पड़ा। गत चैंपियन कार्लसन को आर्मागेडोन टाइब्रेक में चीन के वेई यी ने हराया।

करुआना छह अंक के साथ शीर्ष पर

करुआना तीन और अंक जुटाकर छह अंक के साथ शीर्ष पर हैं। कार्लसन पांच अंक के साथ दूसरे स्थान पर हैं। एरिगेसी और नाकामूरा 4.5 अंक के साथ संयुक्त रूप से तीसरे स्थान पर हैं। टूर्नामेंट की शुरुआत नाकामूरा के खिलाफ हार से करने वाले करुआना लगातार दो जीत के साथ लाइव रेटिंग में एरिगेसी को पछाड़कर दोबारा दुनिया के तीसरे नंबर के खिलाड़ी बन गए हैं।

कार्यालय कार्यपालन यंत्री लोक स्वास्थ यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)

नि. सू. क्र. /19/व.ले.लि./का.यं./लो.स्वा.यां./2025 डिण्डौरी, दिनांक 26.05.2025

—:निविदा आमंत्रण सूचना :—

मध्यप्रदेश के राज्यपाल की ओर से अधोहस्ताक्षरकर्ता द्वारा निम्नानुसार ई–टेण्डर ऑनलाईन डिजिटल मुहरबंद (Digitaly Scaled) डिण्डौरी जिले के अन्तर्गत Fabrication and Supply of Handpump Spare Parts हेतु ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। https://www.mptenders.gov.in जिसका अवलोकन बेवसाईट में किया जा सकता है। निविदा प्रपत्र केवल ऊपर उल्लेखित बेवसाईट से ऑनलाईन क्रय किये जा सकते है। जिसके मूल्य का भुगतान इण्टरनेट बैंकिंग से किया जावेगा। निविदा दिनांक 26.05.2025 को शाम 17.30 बजे से दिनांक 09.06.2025 शाम 17.30 बजे तक ऑनलाईन प्रस्तुत किये जा सकते है।

निविदा में संशोधन की स्थिति में बेवसाईट पर ही संशोधन देखा जा सकेगा जिसका पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नही दिया जावेगा। विस्तृत निविदा आमंत्रण सूचना एवं अन्य जानकारी उक्त बेवसाईट पर देखी जा सकती है।

स0 क्र0	ई निविदा क्र0	नि.सू. क.	वि.खं. /जिला	विवरण	अनु0लागत (PAC) (रू0	धरोहर राशि(PAC) (रू0 में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू0 में)	रिमार्क
1	2025_PHED _426630_1	19	जिला डिण्डौरी	Fabrication and Supply of Handpump Spare Parts in Central Store PHED Division Dindori District- Dindori	20.38	40760.00	5000.00	प्रथम आमंत्रण

कार्यपालन यंत्री
लोक स्वास्थ यांत्रिकी खण्ड, डिण्डौरी (म.प्र.)

G-13576/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

अनाधिकृत टेस्ट : इंग्लैंड के खिलाफ भारत का मुकाबला आज से

लायंस के खिलाफ हालात को समझने उतरेंगे टेस्ट क्रिकेटर

एजेंसी ▶▶| कैंटरबरी

सलामी बल्लेबाज यशस्वी जायसवाल और हरफनमौला नीतिश कुमार रेड्डी समेत कई प्रमुख टेस्ट क्रिकेटर इंग्लैंड के हालात में ढलने की कोशिश करेंगे। भारत ए टीम शुक्रवार से यहां इंग्लैंड लायंस के खिलाफ चार दिवसीय अनाधिकृत टेस्ट खेलेगी।

जायसवाल और नीतिश के अलावा भारत ए टीम में अभिमन्यु ईश्वरन, ध्रुव जुरेल, करुण नायर, तेज गेंदबाज आकाश दीप और शार्दुल ठाकुर भी हैं। भारत और इंग्लैंड के बीच टेस्ट श्रृंखला 20 जून से लीड्स पर शुरू होगी। करुण को छोड़कर बाकी सभी का यह पहला इंग्लैंड दौरा है। ईश्वरन की बात करें तो रोहित शर्मा के टेस्ट क्रिकेट से संन्यास के बाद भारत को जायसवाल के साथ पारी की शुरुआत के

लिए एक बल्लेबाज चाहिए। इसके साथ ही विराट कोहली के संन्यास के बाद चौथे नंबर के लिए भी बल्लेबाज चाहिए। ईश्वरन प्रथम श्रेणी क्रिकेट में 101 मैचों में पारी का आगाज कर चुके हैं।

वह कई मौकों पर पहले भी अंतिम एकादश में जगह बनाने के करीब पहुंचे लेकिन चूक गए। अब रोहित के संन्यास के बाद वह सलामी बल्लेबाज या तीसरे नंबर के बल्लेबाज के तौर पर टीम में जगह बना सकते हैं। चयनकर्ता अगर केएल राहुल को सलामी बल्लेबाज की भूमिका देते हैं तो वह तीसरे नंबर पर और नए कप्तान शुभमन गिल चौथे नंबर पर उतर सकते हैं। करुण भी आठ साल बाद भारतीय टीम में लौटे हैं जिन्होंने 2023-24 सत्र में घरेलू क्रिकेट में काफी रन बनाए हैं।

गेंदबाजी में हो आक्रामकता

भारत ए टीम और टेस्ट टीम में ठाकुर के चयन से साबित है कि टीम प्रबंधन गेंदबाजी में और आक्रामकता चाहता है। ऐसे में ठाकुर अपनी उपयोगिता साबित करना चाहेंगे। टेस्ट टीम में शामिल जुरेल और एक बार फिर उपेक्षा का शिकार हुए सरफराज खान खुद को तैयार रखेंगे ताकि अगर मौका मिलता है तो वे इसे भुना सकें।

टीमें इस प्रकार हैं:

भारत ए : अभिमन्यु ईश्वरन (कप्तान), यशस्वी जायसवाल, करूण नायर, ध्रुव जुरेल, नीतिश कुमार रेड्डी, शार्दुल ठाकुर, ईशान किशन, मानव सुतार, तनुष कोटियान, मुकेश कुमार, आकाश दीप, हर्षित राणा, अंशुल कम्बोज, खलील अहमद, रूतुराज गायकवाड़, सरफराज खान, तुषार देशपांडे, हर्ष दुबे।

इंग्लैंड लायंस : जेम्स रियू (कप्तान), फरहान अहमद, रेहान अहमद, सोनी बेकर, जोर्डन कॉक्स, रॉकी फ्लिंटॉफ, एमिलियो गे, टॉम हैंस, जॉर्ज हिल, जोश हुल, एडी जैक, बेन मैकिनी, डान माउसली, अजीत सिंह डेल, क्रिस वोक्स , मैक्स होल्डन।

कार्यालय, अधीक्षक जिला जेल छिन्दवाड़ा म.प्र.
E mail -Jsdjcdw@mp.gov.in, Fax no.-07162-247325

ई - निविदा वित्तीय वर्ष 2025 - 2026

mptenders.gov.in के माध्यम से ई-निविदा सूचना (तृतीय आमंत्रण)

जिला जेल छिन्दवाड़ा में संचालित सिलाई, कापरेंटरी एवं फेब्रीकेशन उद्योग हेतु आवश्यक सामग्री क्रय हेतु द्वितीय निविदा में किसी भी निविदाकार द्वारा भाग न लिये जाने पर द्वितीय निविदा निरस्त कर तृतीय वार्षिक ई - निविदा वर्ष 2025-26 में www. mptenders.gov.in पर दिनांक 09.06.2025 को शाम 05 :30 बजे तक ऑनलाईन निविदा आमंत्रित की जाती है। निविदा कार्यक्रम विवरण निम्नानुसार है :-

क्रं.	विवरण	दिनांक एवं समय	स्थान
1	ऑन लाईन निविदा प्रकाशन	27.05.2025	कार्यालय अधीक्षक जिला जेल छिन्दवाड़ा
2	प्रिबिड	30.05.2025	कार्यालय अधीक्षक जिला जेल छिन्दवाड़ा
3	ऑनलाईन फार्म क्रय करने की अंतिम तिथि, निविदा फार्म का मूल्य 05 लाख तक की निविदा हेतु 500 /- तथा 05 तक लाख से अधिक की निविदा हेतु 1000 /- रुपए प्रति फार्म राशि ऑनलाईन शीर्ष 0056-800 अन्य प्राप्तियों में जमा किया जाएगा।	09.06.2025 को सायंकाल 05 :30 बजे तक	बेवसाईट www.mptenders.gov.in से प्राप्त किया जा सकता है।
4	ऑन लाईन निविदा प्रस्तुत करने की अंतिम तिथि	09.06.2025 को सायंकाल 05 :30 बजे तक	बेवसाईट www.mptenders.gov.in पर स्वीकार की जावेगी ।
5	तकनीकी निविदा (आवश्यक दस्तावेज)	11.06.2025 को प्रात: 11 :30 बजे तक	कार्यालय अधीक्षक जिला जेल छिन्दवाड़ा
6	ऑनलाईन निविदा खोलने की तिथि	12.06.2025 को शाम 12 :000 बजे	कार्यालय अधीक्षक जिला जेल छिन्दवाड़ा

निविदा फार्म एवं निविदा से संबंधित जानकारी www.mptenders.gov.in वेबसाईट पर भी देखी जा सकती है। निविदा फार्म दर्शित वेबसाईट पर क्रेडिट कार्ड या ऑनलाईन पेमेंट कर क्रय किया जा सकता है।

अधीक्षक
जिला जेल छिन्दवाड़ा

G-13558/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

फ्रेंच ओपन

बोपन्ना और बालाजी जीते, पुरुष युगल के दूसरे दौर में 3 भारतीय

एजेंसी ▶▶| पेरिस

रोहन बोपन्ना और एन श्रीराम बालाजी ने रोलां गैरो पर अपने-अपने जोड़ीदारों के साथ विपरीत अंदाज में जीत दर्ज करते फ्रेंच ओपन टेनिस टूर्नामेंट के पुरुष युगल के दूसरे दौर में जगह बनाई।

भारत के तीन खिलाड़ी पुरुष युगल के दूसरे दौर में पहुंच चुके हैं। बोपन्ना और चेक गणराज्य के उनके जोड़ीदार एडम पावलासेक ने रॉबर्ट कैश और जेजे ट्रेसी की अमेरिकी की जोड़ी को बुधवार देर रात 7-6, 5-7, 6-1 से हराकर अगले दौर में प्रवेश किया। बोपन्ना और पावलासेक ने दो घंटे और 11 मिनट चले कड़े मुकाबले में चार बार विरोधी जोड़ी की सर्विस तोड़ी और अपनी पहली सर्विस पर 68 प्रतिशत अंक जीते। बालाजी और मैक्सिको के उनके जोड़ीदार मिगुएल रेयेस वारेला ने पहले दौर के एकतरफा मुकाबले में सिर्फ 51 मिनट में चीन के युनचाओकेट बू और अर्जेन्टीना के कैमिलो उगो काराबेली को 6-2, 6-1 से हराया।

भारत और मैक्सिको की जोड़ी ने शुरुआत से ही दबदबाव बनाते हुए चार ऐस लगाए और अपनी पहली सर्विस पर 81 प्रतिशत अंक जीते। इस जोड़ी ने 10 में से चार ब्रेक प्वाइंट को भुनाया। इससे पहले पुरुष युगल में युकी भांबरी और अमेरिका के रॉबर्ट गैलोवे ने रोबिन हास और हेंड्रिक जेबेन्स को 6-3, 6-7, 6-3 से हराकर दूसरे दौर में प्रवेश किया।

अनकैप्ड खिलाड़ी हमारी सफलता की कुंजी

मुल्लांपुर। पंजाब किंग्स टीम में आए बदलाव के सूत्रधार रहे रिकी पोंटिंग का मानना है कि नीलामी में टीम की रणनीति और 'अनकैप्ड' खिलाड़ियों के प्रदर्शन ने इस सत्र में अलग तरह से खेलने की उनकी योजना को फलीभूत करने में मदद की। पंजाब किंग्स ने 2014 के बाद पहली बार प्लेआफ में जगह बनाई है। पोंटिंग ने कहा, 'हमने नीलामी से ही शुरुआत कर दी थी जब सिर्फ दो अनकैप्ड खिलाड़ियों को बरकरार रखा जिसके लिए काफी आलोचना भी हुई।

सात्विक और चिराग की शानदार जीत, सिंधू-प्रणय हारकर बाहर

सिंगापुर। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की भारतीय पुरुष युगल जोड़ी ने गुरुवार को यहां सिंगापुर ओपन बैडमिंटन टूर्नामेंट के क्वार्टर फाइनल में प्रवेश किया। पूर्व विश्व चैंपियन पीवी सिंधू हार के साथ टूर्नामेंट से बाहर हो गईं। सात्विक और चिराग ने दूसरे दौर के मुकाबले में साबर कार्यमन गुटामा और मोह रेजा पहलवी इस्फहानी की सातवीं वरीयता प्राप्त इंडोनेशियाई जोड़ी के खिलाफ पहला गेम गंवाने के बाद वापसी करते हुए एक घंटे 14 मिनट तक में 19-21, 21-16, 21-19 से जीत हासिल की।

कार्यालय सेनानी 6 वी वाहिनी विसबल जबलपुर
Email- co6bn_saf@mppolice.gov.in Phone - 0761&2676199 Fax-263399

क्रमांक 6वी बटा/बिसब/जबल/साअ/181/2025 दिनांक-24/05/2025

अल्पकालिक ई - निविदा आमंत्रण सूचना

पीटीएस 6 वी वाहिनी विसबल रांझी जबलपुर में वर्ष 2025 में नव आरक्षकों के लिए संचालित होने वाले बुनियादी प्रशिक्षण सत्र के दौरान प्रशिक्षु नवआरक्षकों के लिए आउटसोर्स से मेस संचालित किया जाना है जिसके लिए म.प्र. भण्डार क्रय नियम तथा सेवा उपार्जन नियम 2015 (यथा संशोधित 2022) के अनुसार ई- टेंडर (short tender - 07 days) आमंत्रित की जाती है । ई - निविदा ऑनलाइन https://mptenders.gov.in पर भेजी जा सकती है ।

सेनानी
6वी वाहिनी विसबल
जबलपुर

G-13567/25 "स्वच्छता ही सेवा"

कार्यालय कार्यपालन यंत्री (भवन) लोक निर्माण विभाग, सिवनी (म.प्र.)
निर्माण भवन, प्रथम तल, कलेक्टर कैम्पस, जिला–सिवनी (मध्यपद्रेश)

दूरभाष क्र. 07692-225559 E-mail:-dpepiu.seoni@mp.gov.in, dpepiuseoni@gmail.com

एनआईटी नं.– 12/2025/केन्द्रीयकृत निविदा आमंत्रण/जी/मु.अ.(भ) जबलपुर दिनांक 19.05.2025

निम्नलिखित कार्य हेतु ऑनलाईन निविदा पंजीकृत ठेकेदारों अथवा पंजीयन हेतु उपयुक्त पात्रता वाली प्रतिष्ठित फर्म से आमंत्रण की जाती है :–

स.क्र.	पोर्टल टेंडर क्र.	कार्य का नाम	जिला	ठेके की अनुमानित राशि (पीएसी) (रू. लाख में)	अमानत राशि (ईएमडी) (रू.में)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू. में)	कार्य पूर्ण करने का समय (माह में वर्षाकाल सहित)
1	2	3	4	5	6	7	8
1	2025_PWPIU_425493_1	शासकीय महाविद्यालय बरघाट जिला सिवनी में साईकल स्टेण्ड एवं पेवर ब्लॉक फिक्सिंग का निर्माण कार्य (प्रथम आमंत्रण)	सिवनी (म.प्र.)	10.48	20960.00	2000.00	03 माह वर्षाकाल सहित

1– निविदा से संबंधित बिड डॉक्यूमेंट बेवसाईट http:// mptenders.gov.in पर बिना भुगतान के देखे एवं डाउनलोड किये जा सकेंगे।
2– निविदा प्रपत्र का मूल्य ऑन–लाईन पोर्टल पर केडिट/डेबिट/कैशकार्ड/इंटरनेट बैंकिंग के माध्यम से भुगतान कर निविदा प्रपत्र खरीदा जा सकेगा।
3– निविदा प्रपत्र केवल ऑन–लाईन दिनांक 21.05.2025 से दिनांक 04.06.2025 तक खरीदा जा सकेगा। अन्य जानकारी बेवसाईट पर देखी जा सकती है।
4– निविदा से संबंधित समस्त आवश्यक संशोधन उपरोक्त बेवसाईट पर ही दर्ज किये जायेंगे, पृथक से समाचार पत्रों में प्रकाशन नहीं किया जावेगा।

कार्यपालन यंत्री (भवन)
लोक निर्माण विभाग, सिवनी (म.प्र.)

G-13578/25 "स्वभाव स्वच्छता, संस्कार स्वच्छता"

केनरा बैंक Canara Bank
भारत सरकार का उपक्रम A Government of India Undertaking
सिंडिकेटबैंक SyndicateBank

वसूली विभाग, अंचल कार्यालय
7वां तल, अंसल टॉवर, 38, नेहरू प्लेस,
नई दिल्ली–110019 फोन: 011–26292604, 26419921

ई–नीलामी बिक्री सूचना

एतद्द्वारा सर्वसाधारण को और विशेष रूप से ऋणी(यों) व गारंटरों को सूचित किया जाता है, कि प्रतिभूति ऋणदाताओं को बंधक/दृष्टिबंधक/प्रभारित नीचे वर्णित चल/अचल सम्पत्ति, जिस पर केनरा बैंक, के प्राधिकृत अधिकारी द्वारा कब्जा लिया गया है, को "जहां है जैसी है", "जो है कैसी है" और जैसी भी है" के आधार पर नीचे वर्णित दिनांकों को बंधक सम्पत्ति की बिक्री आयोजित की जाएगी। **प्रतिभूति हित (प्रवर्तन) नियम 2002 के नियम 8(6) और 9 के साथ पठित वित्तीय आस्तियों का प्रतिभूतिकरण और पुनर्गठन तथा प्रतिभूति हित का प्रवर्तन धारा अधिनियम 2002 के अधीन** बिक्री के विस्तृत नियमों और शर्तों के लिए कृपया **https://baanknet.com/** (मैसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड),, (सम्पर्क नं. **8291220220**, ईमेल: **Support.BAANKNET@psballiance.com** या केनरा बैंक की वेबसाइट **www.canarabank.com** में दिए गए लिंक "ई–नीलामी" को देखें। आरक्षित मूल्य की **10%** ईएमडी राशि मैसर्स पीएसबी एलायंस प्राइवेट लिमिटेड **https://baanknet.com/** पोर्टल के ई–वॉलेट में सीधे जमा की जानी है या चालान बनाकर उक्त चालान में उल्लिखित खाता विवरण में आरटीजीएस/एनईएफटी के माध्यम से ईएमडी जमा करना है।

क्र. सं.	शाखा का नाम / कर्जदार/गारंटर्स/बंधककर्ता का नाम एवं पता	चल/अचल संपत्ति का विवरण और कब्जे की स्थिति	कुल बकाया राशि	a. आरक्षित मूल्य (रु.) b. धरोहर राशि (रु.) c. बोली वृद्धि (रु.) d. बिक्री सूचना की तिथि	ई–नीलामी की तिथि एवं समय (प्रत्येक 5 मिनट की अवधि के असीमित विस्तार के साथ) / ईएमडी जमा करने की अंतिम तिथि एवं समय	प्राधिकृत अधिकारी से पूर्व अपोइंटमेंट लेकर सम्पत्ति का निरीक्षण किया जा सकता है और सम्पर्क व्यक्ति का नाम
1	दबावग्रस्त आस्ति प्रबंधक शाखा दिल्ली 1. मैसर्स योगराज इंफ्रास्ट्रक्चर लि., पंजीकृत कार्यालय और कॉर्पोरेट कार्यालयः बी–63, (बेसमेंट), पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110057 2. मैसर्स योगराज इंफ्रास्ट्रक्चर लि., यूनिटः गांव चावरपाटा, तहसील तेंदूखेड़ा, जिला नरसिंहपुर, एमपी– 487330 3. श्री योगेंद्र सिंह (गारंटर), बी–63, (बेसमेंट), पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110057 4. श्रीमती रितु सिंह (गारंटर), बी–63, (बेसमेंट), पश्चिमी मार्ग, वसंत विहार, नई दिल्ली–110057	3.61 एकड भूमि साथ में खसरा नं. 226 में शेड बिल्डिंग, जोकि गाँव ग्राम चावरपाठा, तहसील – तेंदूखेड़ा, जिला नरसिंहपुर मध्यप्रदेश– 487330 में स्थित, यह सम्पत्ति **मैसर्स योगराज इन्फ्रास्ट्रक्चर प्रा लि.** के नाम पर है। **भौतिक कब्जे के तहत**	रु. 17,91,58,55,697.31 दिनांक 29.05.2025 तक प्लस अतिरिक्त ब्याज एवं लागत इत्यादि	a. 1,33,00,000/- b. 13,30,000/- c. 1,00,000/- d. 29.05.2025	19.06.2025 पूर्वा. 11:30 बजे से अपराह्न 01.30 बजे के बीच 18.06.2025 अपराह्न 05.00 बजे तक	दिनांक 16.06.2025 को प्रातः 11.30 बजे से अपराह्न 03.30 बजे के बीच श्री अभिषेक सिंह यादव, प्रबंधक (मो–9643226844), श्री रजनीश कुमार, सहायक महाप्रबंधक (मो–9557966005)

दिनांक 29.05.2025, स्थान : नई दिल्ली प्राधिकृत अधिकारी, केनरा बैंक

राडुविवि कुलगुरु पर लगे आरोपों की जांच कर रही एसआईटी लौटी

भोपाल में पीएम का दौरा होने के बाद जांच के लिए फिर आएगी टीम

जबलपुर।

रानी दुर्गावती विश्वविद्यालय के कुलगुरु प्रोफेसर राजेश वर्मा पर एक महिला अधिकारी के साथ अभद्र व्यवहार करने के लगे आरोपों की जांच कर रही एसआईटी टीम फिलहाल जबलपुर से लौट गई। दरअसल 31 मई शनिवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का भोपाल आगमन हो रहा है। सुरक्षा व्यवस्था में एसआईटी टीम के सदस्यों की ड्यूटी लगी हुई है लिहाजा गुरुवार की सुबह यह टीम भोपाल रवाना हो गई। सूत्रों की माने तो 31 मई को प्रधानमंत्री का भोपाल दौरा होने के बाद सोमवार 2 जून को एसआईटी फिर जबलपुर पहुंचेगी और मामलें की जांच को आगे बढ़ायेगी। कहा जा रहा है कि कुलगुरु पर लगे आरोपों की जांच एसआईटी में शामिल सख्त आईपीएस अधिकारियों द्वारा की जा रही है जिसमें दो महिला अधिकारी भी शामिल हैं। यहां उल्लेखनीय है कि मप्र हाईकोर्ट के निर्देश पर गठित एसआईटी ने जांच शुरु की थी, दो दिन तक एसआईटी जबलपुर में रही। इस दौरान कुलगुरु मामलें में गवाहों और प्रत्यक्षदर्शियों के बयान दर्ज किए गए। जांच में किसी तरह की कोई गफलत न हो लिहाजा एसआईटी पूरी गंभीरता के साथ जांच कर रही है। पिछले दो दिनों में तीन सदस्यीय एसआईटी टीम ने इस मामलें से जुड़े सभी तथ्यों पर जांच की गई। सूत्रों की माने तो रेलवे पुलिस के एसआरपी आफिस में एसआईटी की टीम ने इस मामलें से जुड़े सभी पक्षों को तलब कर पूछताछ शुरु कर दी। एसआईटी ने पूछताछ कर उनके बयान दर्ज किए

गए। इस बीच प्रधानमंत्री की सुरक्षा व्यवस्था में एसआईटी की डयूटी लगे होने के कारण एसआईटी में शामिल अधिकारी भोपाल के लिए रवाना हो गए। चूंकि रविवार अवकाश दिवस होगा, इसलिए सोमवार को पुनः एसआईटी सदस्य जबलपुर आकर मामलें की जांच को आगे गति देगी।

बताया गया है कि हाईकोर्ट के निर्देश पर गठित एसआईटी (स्पेशल इंवेस्टीगेशन टीम) का गत दिवस नगर आगमन हुआ था। इस टीम ने एसआरपी आफिस को जांच स्थल बनाया, यही पर इस मामलें से जुड़े दोनों पक्षों और गवाहों को तलब कर पूछताछ की गई। एसआईटी की टीम द्वारा इस मामलें से जुड़े एक एक बिन्दु पर जांच कर रही हैं। मामलें को लेकर पूरी तरह से गंभीरता और गोपनीयता बरती जा रही हैं। इसलिए एसआईटी ने बजाय राडुविवि जाकर एसआरपी आफिस को जांच का केंद्र बनाया है यहीं पर सबको बुलाया जा रहा हैं। हाईकोर्ट के निर्देशों के पालन में एसआईटी काफी सख्त नजर आ रही है। पुलिस मुख्यालय अब इस मामलें में कोई भी लापरवाही बरतने से गुरेज कर रहा हैं।

उल्लेखनीय है कि राडुविवि की एक महिला अधिकारी ने कुलगुरु प्रो. वर्मा पर अभद्र इशारे करने के आरोप लगाते हुए एक शिकायत राजभवन,उच्च शिक्षा विभाग सहित अन्य पक्षों से की थी। महिला अधिकारी का आरोप था कि 21 नवंबर को कुलगुरु चेंबर में एक बैठक के दौरान उन्हें अभद्र इशारे किए गए। जिसे कुलगुरु के चेंबर में लगे सीसीटीवी कैमरे की रिकार्डिंग में देखा जा सकता है। शिकायत कर्ता महिला अधिकारी ने सीसीटीवी फुटेज को अहम सबूत बताते हुए विश्वविद्यालय प्रशासन से फुटेज दिए जाने की मांग भी की थी।

लेकिन जब लंबा समय बीत जाने के बाद भी न तो जांच की गई और न ही सीसीटीव्ही फुटेज दिए गए। तब जाकर मिले तो उक्त महिला अधिकारी ने मप्र हाईकोर्ट में याचिका दाखिल की। हाईकोर्ट में जब इस बात की सुनवाई हुई तो मामला गंभीर हो गया और जांच कमेटी द्वारा प्रस्तुत रिपोर्ट पर इस घटनाक्रम में जांच को प्रभावित करने की बात सामने आई, जिस पर हाईकोर्ट ने जिरह के बाद एसआईटी गठित करने के निर्देश डीजीपी को दिए। हाईकोर्ट के निर्देश के बाद डीजीपी द्वारा गठित एसआईटी ने जांच शुरु कर दी है। आगामी 16 जून तक हर हाल में एसआईटी को रिपोर्ट हाईकोर्ट में प्रस्तुत करना है।

यूजी ऑनर्स अंतिम वर्ष की अब तक नहीं हुई परीक्षा

रानीदुर्गावती विश्वविद्यालय प्रबंधन की लापरवाही के लगातार मामलें सामने आ रहे है। इन्हीं लापरवाही के चलते ऑनर्स स्नातक कोर्स में अध्ययनरत करीब ढाई हजार छात्र के भविष्य पर खतरे के बादल मंडरा रहे है। बताया गया है कि डिग्री विथ ऑनर्स के तहत बीए, बीकॉम व बीएससी अंतिम वर्ष की परीक्षा नहीं होने से छात्र अन्य विश्वविद्यालयों में पीजी (पोस्ट ग्रेजुएशन) पाठ्यक्रमों में प्रवेश नही ले पा रहे है।खबर है कि राडुविवि अभी तक अंतिम वर्ष की परीक्षा की तिथि भी तय नहीं कर पाया है. वहीं प्रदेश और बाहर की शिक्षण संस्थाओं में पीजी में प्रवेश की प्रक्रिया शुरु कर दी गई है. कई छात्रों ने आवेदन किया है लेकिन डिग्री न होने के कारण उनका प्रवेश रद्द होने का खतरा है ऐसे में उनके एक साल खराब होने की स्थिति बन गई है. तीन साल के स्नातक कोर्स के अंतिम वर्ष की परीक्षाएं तो करा ली गई है लेकिन चार साल के कोर्स छात्रों की परीक्षाओं को लेकर अब तक कोई फैसला नहीं हो सका है।राडुविवि प्रशासन अभी तक यह तय नहीं कर पा रहा है कि इनकी परीक्षाएं किस पेटर्न पर आयोजित की जाए, चार साल के स्नातक कोर्स के छात्रों का यह पहला बेच है। आनर्स के चार वर्षीय स्नातक पाठ्यक्रम के तहत अंतिम वर्ष के छात्र-छात्राओं की यह उम्मीद थी कि मई तक उनकी परीक्षा हो जाएगी. जून में परिणाम घोषित हो जाएगा लेकिन

राडुविवि में छात्र-छात्राओं के भविष्य पर मंडराया खतरा..!

शिक्षा अधिकार अधिनियम अंतर्गत दिलाया निःशुल्क प्रवेश

हरिभूमि, जबलपुर। योगेश शर्मा जिला परियोजना समन्वयक जिला शिक्षा केंद्र जबलपुर ने बताया कि शिक्षा अधिकार अधिनियम अंतर्गत अशासकीय विद्यालयों में निःशुल्क प्रवेश हेतु आज 29 मई 2025 को राज्य शिक्षा केंद्र भोपाल द्वारा राज्य स्तर पर रेंडम आधार पर ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से छात्र-छात्राओं का चयन किया गया। इसके पूर्व अभिभावकों द्वारा दिनांक 7 मई 2025 से 21 मई 2025 तक निःशुल्क प्रवेश हेतु स्वेच्छा अनुसार प्राथमिकता क्रम में अपनी बसाहट के नजदीक की शालाओं का चयन कर ऑनलाइन फॉर्म भरे गए थे जिनका जनशिक्षा केन्द्र स्तर पर 23 मई 2025 तक सत्यापन किया गया। जबलपुर जिले में कुल 587 गैर अनुदान प्राप्त अशासकीय विद्यालयों में कुल 3088 सीटों के लिए 6184 आवेदन फॉर्म ऑनलाइन भरे गए थे। आज राज्यशिक्षा केंद्र द्वारा जबलपुर जिले के लिए 2764 विद्यार्थियों का लॉटरी के माध्यम से चयन हुआ। प्रवेश हेतु आवंटित विद्यालयों की सूचना अभिभावकों के मोबाइल नंबर पर मैसेज द्वारा राज्य शिक्षा केंद्र द्वारा भेजी जा रही है एवं स्कूलों की आईडी में भी चयनित विद्यार्थियों की सूची प्रदर्शित हो रही है। अभिभावक चयनित विद्यार्थी का आवंटन पत्र निकालकर 2 जून 2025 से 10 जून 2025 तक आवंटित विद्यालयों में संपर्क करेंगे तथा विद्यालय ऑनलाइन एप के माध्यम से उनकी रिपोर्टिंग दर्ज करेंगे। अशासकीय विद्यालय द्वारा चयनित विद्यार्थी को किसी भी स्थिति में प्रवेश देने से वंचित नहीं किया जाएगा।

2764 बच्चों का ऑनलाइन लॉटरी के माध्यम से चयन

रीवा और जबलपुर को सौगात से जागा उत्साह

जबलपुर। जबलपुर और महाराष्ट्र के प्रमुख नगर पुणे के बीच शीघ्र ही एक नई सीधी ट्रेन प्रारंभ हो रही है।इसके साथ ही जबलपुर से छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर के बीच भी नई सीधी ट्रेन प्रारंभ की जा रही है। जबलपुर संसदीय क्षेत्र के सांसद आशीष दुबे ने इस बारे में एक पत्रकार वार्ता में जानकारी देते हुए बताया कि अपने संसदीय कार्यकाल के प्रारंभ से ही वे इस हेतु प्रयासरत थे और रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव के साथ भेंट एवं पत्राचार के माध्यम से उनके द्वारा यह मांग विभिन्न तथ्यों के साथ लगातार की जा रही थी। इस संदर्भ में रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने सांसद श्री दुबे को पत्र के माध्यम से जानकारी देते हुये बताया है कि रीवा से जबलपुर होकर पुणे जाने वाली नई रेलगाड़ी के परिचालन को स्वीकृत कर दिया गया है।इसी तरह जबलपुर से रायपुर के बीच भी नई सीधी ट्रेन को भी रेल मंत्रालय ने स्वीकृति प्रदान कर दी है। सांसद श्री दुबे ने नई रेलगाड़ियों को स्वीकृत करने के लिये प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और रेल मंत्री श्री वैष्णव के प्रति आभार ज्ञापित करते हुये आशा जताई है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व और मार्गदर्शन में जबलपुर संसदीय क्षेत्र को रेल क्षेत्र में इस तरह की अनेक सौगात प्राप्त होती रहेंगी। उन्होंने कहा कि रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव जबलपुर संसदीय क्षेत्र के लिये रेल क्षेत्र में नई सुविधायें प्रदान करने के लिये अत्यंत गंभीर हैं उसी का परिणाम है कि अब जबलपुर को पुणे और रायपुर के लिये नई ट्रेन शीघ्र ही मिलने जा रही है। सांसद आशीष दुबे ने कहा कि जबलपुर और पुणे व जबलपुर-रायपुर के बीच नई सीधी ट्रेन चलाये जाने के अत्यंत सकारात्मक परिणाम होंगे।इससे विद्यार्थियों सहित व्यापार, वाणिज्य, सामाजिक क्षेत्रों सहित पर्यटन को भी बढ़ावा मिलेगा और विकास की नई राह भी खुलेगी। उन्होंने कहा कि जबलपुर संसदीय क्षेत्र और आसपास के विद्यार्थी और युवा बड़ी संख्या में पुणे में अध्ययन कर रहे हैं एवं विभिन्न सरकारी व निजी क्षेत्रों में अपनी सेवायें प्रदान कर रहे हैं। नई ट्रेन के प्रारंभ होने से उन्हें आवागमन में काफी सुविधा हो जायेगी।

रीवा से पुणे,जबलपुर से रायपुर के बीच दो नई यात्री रेलगाड़ियां प्रारंभ होंगी

नौतपा के पांचवें दिन भी हावी रही उमस

शाम को तेज हवाओं के बीच बादल छाए

जबलपुर।

नौतपा के पांचवे दिन भी तेज गर्मी रही बादलों की वजह से उमस भरी गर्मी का वातावरण बना रहा। बादलों की आवाजाही के बीच पारा 38 डिग्री पर बना हुआ है. लेकिन गर्मी के तेवर यथावत हैं। नौपता के ताण्डव के कारण दोपहर में धूप बदन में चुभ रही थी। गर्मी और धूप के कारण लोग घरों से निकलने की हिम्मत नहीं जुटा पा रहे थे। गर्मी की तपिश के बीच शाम को तेज हवाएं चलीं और बादल छाए।

मानसून का इंतजार

भीषण गर्मी के दौर में लोग मानसून का बेसब्री से इंतजार कर रहे है। आमतौर पर १ जून को केरल में मानसून दस्तक दे देता है, लेकिन इस बार एक हफ्ते पहले मानसून केरल पहुंच चुका है और मानसून ने महाराष्ट्र में भी दस्तक दे दी है। इस लिहाज से मध्यप्रदेश में 16 जून से २० जून के बीच मानसून की दस्तक हो सकती है और 2 जून से प्री मानसून की गतिविधि भी प्रारंभ हो सकती है। मौसम कार्यालय के मुताबिक पिछले २४ घंटों के दौरान नगर का अधिकतम तापमान 38.06 डिग्री सेल्सियस सामान्य से 3 डिग्री कम दर्ज किया गया वहीं न्यूनतम तापमान 24.5 सामान्य से 3 डिग्री कम ही रहा। जबकि गत वर्ष आज के दिन अधिकतम तापमान 42.7 और न्यूनतम तापमान 31.1 डिग्री दर्ज किया गया था। हवा में नमी प्रातःकाल 68 प्रतिशत और सायंकाल 50 प्रतिशत आंकी गई। सूर्योदय सुबह 5.24 मिनिट पर और सूर्यास्त शाम 6.51 पर हुआ।

मौसम कार्यालय के मुताबिक अगले 24 घंटों के दौरान मौसम शुष्क रहने की संभावना है। प्रदेश में सबसे अधिक तापमान 41.2 डिग्री खजुराहो में दर्ज किया गया है। उत्तर दक्षिणी हवायें 10 से 11 किलोमीटर की रफ्तार से चलीं।

निमार्णाधीन औरिया में रखी 20 डम्फर मिट्टी चोरी

जबलपुर। माढ़ोताल थाना अतंर्गत औरिया में निर्माणाधीन स्थल पर रखी 15 से 20 डम्फर मिट्टी अज्ञात चोर चोरी कर ले गए। माढ़ोताल पुलिस थाने से प्राप्त जानकारी के अनुसार उप यंत्री कृषि उपज मंडी ने एक लिखित शिकायत की, कि नवीन मटर, सब्जी मण्डी का औरिया में निर्माण कार्य किया जा रहा है। ठेकेदार विकास शुक्ला द्वारा मिट्टी खोदकर किनारे रखवाते हुये निर्माण कार्य कराया जा रहा था। गत 28 मई को उसने निरीक्षण किया तो ज्ञात हुआ कि लगभग 15 से 20 डम्फर मिट्टी अज्ञात चोर चोरी कर ले गए है। पुलिस ने अज्ञता आरोपी के खिलाफ रिपोर्ट पर धारा 303(2) बीएनएस का अपराध पंजीबद्ध कर मामला जांच में लिया है।

हाई कोर्ट के 3 नवनियुक्त न्यायाधीश आज लेंगे शपथ

जबलपुर। मध्य प्रदेश हाईकोर्ट के तीन नवनियुक्त न्यायाधीश 30 मई को पद की शपथ लेंगे। मुख्य पीठ जबलपुर में कोर्ट रूम नंबर एक में शपथ ग्रहण समारोह सुबह 10.30 बजे शुरू होगा। कार्यवाहक मुख्य न्यायाधीश संजीव सचदेवा नव नियुक्त न्यायाधीशों को शपथ दिलाएंगे। उल्लेखनीय है कि जबलपुर के अधिवक्ता अमित सेठ और ग्वालियर से दीपक खोत व पवन द्विवेदी को 26 मई को न्यायाधीश नियुक्त किया गया है। तीन नई नियुक्तियों के साथ ही हाई कोर्ट में कार्यरत न्यायाधीशें की संख्या 35 हो गई है। मप्र हाई कोर्ट में न्यायाधीशों के कुल स्वीकृत पद 53 हैं। इस तरह अभी भी 18 पद रिक्त हैं।

डेढ़ लाख शिक्षकों को मिलेगा चौथा समयमान-वेतनमान

जबलपुर। मध्य प्रदेश के डेढ़ लाख शिक्षकों को जल्द की बड़ी सौगात मिलने वाली है। इन टीचरों को चौथा समयमान-वेतनमान मिलने का रास्ता साफ हो गया है। इसे लेकर स्कूल शिक्षा विभाग ने प्रस्ताव तैयार किया है। जल्द ही कैबिनेट में प्रस्ताव आ सकता है। जिसके बाद शिक्षकों को तीन हजार से सात हजार तक का फायदा होगा।मध्य प्रदेश के डेढ़ लाख से ज्यादा शिक्षकों को चौथा समयमान वेतनमान का लाभ मिलेगा। स्कूल शिक्षा विभाग ने इसकी संक्षेपिका तैयार कर कैबिनेट मंजूरी के लिए मुख्य सचिव कार्यालय को भेज दी है। इससे पहले सामान्य प्रशासन, वित्त और स्कूल शिक्षा विभाग ने भी हरी झंडी दे दी थी। बीते विधानसभा चुनाव से पहले तत्कालीन सीएम शिवराज सिंह चौहान ने यह लाभ देने की घोषणा की थी। कई विभागों में चौथा समयमान-वेतनमान लागू हो चुका है, लेकिन शिक्षक अब तक वंचित रहे हैं। स्कूल शिक्षा विभाग ने शिक्षकों को क्रमोन्नति का हवाला देकर इससे वंचित कर दिया था। अब शिक्षा विभाग के प्रस्ताव को जल्द ही कैबिनेट से मंजूरी मिल सकती है। इस प्रस्ताव पर मुहर लगने के बाद शिक्षकों की तनख्वाह में तीन से सात हजार तक बढ़ोतरी होगी।

जल्द कैबिनेट में आ सकता है प्रस्ताव, इतनी बढ़ेगी सैलरी

नियम विरुद्ध कही भी खुली शराब दुकानें अब रडार पर

ओवर रेटिंग मामले के सबूत सामने आने के बाद सिंडीकेट में हड़कंप

जबलपुर।

शहर में शराब दुकानों में एमआरपी से अधिक दाम पर शराब बेचने का मामला प्रमाणित रुप से सामने आने के बाद अब उन शराब दुकानों की भी वॉट लगेगी जो आबकारी आयोग का उल्लंघन कर कही भी शराब दुकान खुलवा दी है। इनमें से रांझी शराब दुकान और चंडालभाटा कंपोजिट मदिरा दुकान टारगेट पर है। बताया गया है कि चंडालभाटा की शराब दुकान के ठीक पीछे स्कूल है। वहीं एक घना व्यवसायिक क्षेत्र होने के साथ साथ आवासीय बस्ती भी है।

यहां उल्लेखनीय है कि पिछले दिनों लगातार मिल रही शिकायतों और स्टिंग ऑपरेशन में सामने आए खुलासों के बाद अब जिला प्रशासन एक्शन मोड में आ गया है। जबलपुर कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना ने ऐसे दुकानदारों पर कड़ी कार्रवाई करने के

निर्देश दिए हैं जो अधिकतम विक्रय मूल्य से अधिक दाम पर शराब बेच रहे थे।

सख्त एक्शन की तैयारी से शराब ठेकेदारों के सिंडीकेट के साथ साथ आबकारी विभाग के अमले में भी हड़कंप का माहौल देखा जा रहा है. जिनकी निगरानी में यह खेला चल रहा था.

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, जिन दुकानों पर ओवर प्राइसिंग के पुख्ता सबूत मिले हैं, उनके खिलाफ अब तीन दिन से लेकर 5 दिनतक के लिए लाइसेंस निलंबन किया जा सकता है।

गौरतलब है की कलेक्टर सक्सेना ने राजस्व विभाग के कर्मचारियों को ग्राहक बनाकर 22 शराब दुकानों पर स्टिंग ऑपरेशन करवाया था। इस जांच में 21 दुकानों पर एमआरपी से 20 से 100 रुपए तक अधिक कीमत पर शराब बेची जा रही थी। कई दुकानों में तो स्टिंग करने पहुंचे आरआई व पटवारियों ने ग्राहक बनकर ऑनलाइन पेमेंट किया और उसके स्क्रीन शॉट प्रशासन के पास इलेक्ट्रॉनिक सबूत के रुप में मौजूद हैं।

शुरुआती जांच आबकारी विभाग द्वारा की गई थी, जिसमें उन्होंने ओवर रेटिंग से इनकार किया था। लेकिन जब राजस्व विभाग की जांच हुई, तो मामला पूरी तरह उजागर हुआ। इससे आबकारी विभाग की निष्पक्षता पर भी सवाल खड़े हो रहे हैं।

कलेक्टर का सख्त संदेश

कलेक्टर दीपक कुमार सक्सेना ने कहा है कि "शराब के दाम सरकार द्वारा तय किए जाते हैं और एमआरपी से अधिक दाम पर बेचना कानूनन अपराध है। जो भी दुकानदार इस नियम का उल्लंघन कर रहे हैं, उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

एक बार फिर होगी रेंडम जांच

प्रशासनिक सूत्रों के अनुसार, प्रशासन अब सभी कंपोजिट दुकानों की दोबारा जांच करने की तैयारी में है। इस बार निरीक्षण और भी व्यापक होगा, ताकि पूरी तरह से व्यवस्था को दुरुस्त किया जा सके।

हरिभूमि कम्यूनिकेशन्स प्राईवेट लिमिटेड के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक अचिंत महेश्वरी द्वारा हरिभूमि प्रेस, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से मुद्रित एवं हरिभूमि कार्यालय, 66/1, इंडस्ट्रीयल एरिया, रिछाई, जबलपुर (मध्यप्रदेश)– 482002 से प्रकाशित। प्रधान संपादक–डॉ. हिमांशु द्विवेदी RNI No.: MPHIN/2008/24240